शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एनडीए सरकार भारत के चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 27 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-206

दक्षिण एशिया में भारत के वर्चस्व का परचम लहराया

स्वतंत्रता दिवस पर मोदी को दिया मुख्य अतिथि का सम्मान

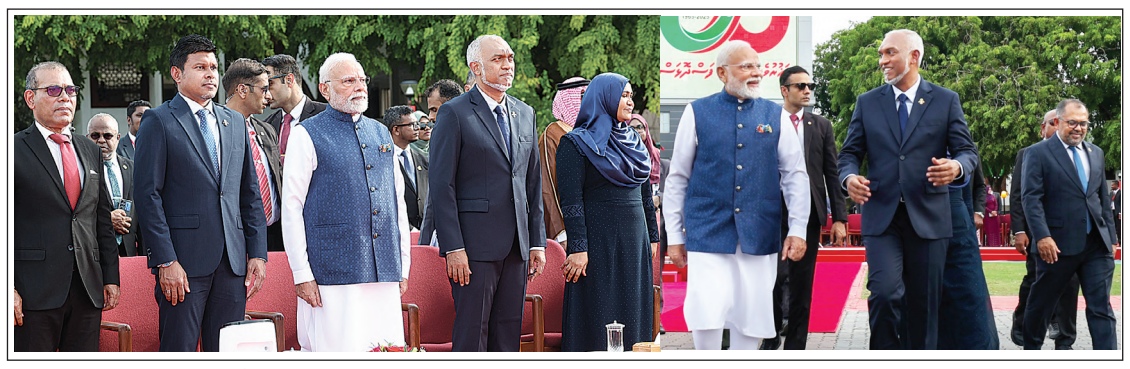

राष्ट्रपति मुइज्जू ने बताई मालदीव की सुरक्षा प्राथमिकता

माले, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

पूरे दक्षिण एशिया में भारत के वर्चस्व का परचम लहराया जब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव के स्वतंत्रता दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्य अतिथि का सम्मान देकर स्वतंत्रता दिवस समारोह को आकर्षक बनाया और विश्व फलक पर भारत के कद की स्थापना की। मोहम्मद मुइज्जू के मालदीव का राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राष्ट्र प्रमुख हैं, जिन्हें मालदीव ने अपने देश आने का निमंत्रण किया था।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू ने शनिवार को ज़ोर देकर कहा कि उनकी सरकार की किसी भी देश को अपने मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने देने की स्पष्ट नीति है और मालदीव के लोग देश की एक-एक इंच जमीन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री मुइज्जू मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) और मालदीव पुलिस सेवा (एमपीएस) को संबोधित कर रहे थे। मालदीव के इतिहास में यह पहला अवसर है जब राष्ट्रपति ने संयुक्त समारोह में दोनों बलों को संबोधित किया हो।

मालदीव की दो दिन की राजकीय यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समारोह में मुख्य अतिथि थे।

पुलिस और रक्षा बलों को सरकार द्वारा दी जाने वाली प्राथमिकता का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू ने कहा कि इसे लेकर पहले भी कई बार सवाल उठते रहे हैं।

▶10पर

मालदीव के उपराष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपति से मिले मोदी, दोनों देशों के संबंधों पर हुई बात

माले/नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

मालदीव की दो दिन की यात्रा के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां माले में वहां के उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ़, पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद और संसद के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला के साथ मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।श्री मोदी ने उपराष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद कहा कि इस दौरान बातचीत भारत-मालदीव मैत्री के प्रमुख स्तंभों पर केन्द्रित रही और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी और अधिक प्रगाढ होगी। उन्होंने कहा , उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ़ के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमारी चर्चा भारत-मालदीव मैत्री के प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित रही। हमारे देश बुनियादी ढाँचे, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं। यह हमारे लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी है। हम आने वाले वर्षों में इस साझेदारी को और गहरा करने की आशा करते हैं। प्रधानमंत्री ने श्री नशीद को भारत-मालदीव मैत्री के प्रबल समर्थक बताया और कहा कि मालदीव हमेशा भारत की पड़ोसी पहले की नीति का महत्वपूर्ण बिन्दू रहेगा।

▶10पर

आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को सीधा संदेश

आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा

करगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली/द्रास, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान को सीधा संदेश था कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भी था, जो पूरे देश को गहरा घाव दे गया था। इस बार भारत ने हादसे पर शोक तो व्यक्त किया ही, साथ ही करारा जवाब भी दिया।

जनरल द्विवेदी ने ये बातें लद्दाख के द्रास में करगिल विजय दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा- दुश्मन को जवाब देना अब न्यू नॉर्मल है।

करगिल विजय दिवस के 26 साल पूरे होने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ तीनों सेना प्रमुख भी मौजूद रहे। राजनाथ ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

5 मई 1999 को पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल की पहाड़ी चोटियों पर जंग हुई थी। युद्ध करीब 84 दिनों तक चला। 26 जुलाई 1999 को भारत की जीत के साथ युद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हुआ। इसमें भारतीय सैनिकों के बलिदान और वीरता को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। करगिल विजय दिवस के पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1999 के करगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को आज श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने इस दिन को भारत के उन वीरों के अद्वितीय साहस और अदम्य साहस की याद दिलाने वाला बताया जिन्होंने सर्वोच्च चोटियों पर राष्ट्र के सम्मान की रक्षा की।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखें एक पोस्ट में कहा, करगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय साहस और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का उनका जुनून हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद!

रक्षामंत्री ने लिखा- भारत शहीदों का हमेशा आभारी रहेगा करगिल विजय दिवस पर, मैं उन वीरों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी देश के सम्मान की रक्षा में असाधारण साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। करगिल युद्ध के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की चिरस्थायी याद दिलाता है। भारत उनकी सेवा का सदैव ऋणी रहेगा।

नागपुर में गडकरी ने मंच से सुनाई सिस्टम की सच्चाई, बोले

सरकार निकम्मी, सिस्टम सिर्फ पंक्चर करता है

स्टेडियम प्रोजेक्ट में अड़चन पर सरकारी तंत्र को ठहराया जिम्मेदार

राजनीति फुकटियों का बाजार है मुफ्त की चीज की कद्र नहीं होती

नागपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी एक बार फिर अपनी बेबाक शैली में चर्चा में आ गए हैं। नागपुर के सुरेश भट सभागृह में आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने मंच से ही कह दिया, सरकार निक्कमी है। यह सुनकर कार्यक्रम में मौजूद लोग कुछ पलों के लिए चौंक गए। लेकिन गडकरी ने यहीं नहीं रुके। उन्होंने सरकारी तंत्र, नगर निगम और अन्य एजेंसियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठा दिए।

'स्पोर्ट्स एज अ करियर' सेमिनार को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि सरकारी सिस्टम सिर्फ चलती गाड़ी को पंक्चर करने का काम करता है। उन्होंने बताया कि नागपुर में वे 300 स्टेडियम बनवाना चाहते हैं। लेकिन सरकारी प्रक्रियाएं और सिस्टम इसमें रुकावट डालते हैं। उन्होंने कहा, सरकार की अधीनस्थ संस्थाएं जैसे नगर निगम, नागपुर सुधार प्रन्यास, कोई काम की नहीं हैं। इसलिए मुझे अलग तरीके से काम करवाना पड़ता है।

गडकरी ने बताया कि एक दुबई निवासी से उन्होंने स्टेडियम चलाने का अनुबंध तय किया है। निर्माण सरकार कराएगी, लेकिन मेंटेनेंस, संचालन और देखरेख उस व्यक्ति की जिम्मेदारी होगी। बदले में वह युवा खिलाड़ियों से मामूली शुल्क लेगा। गडकरी ने दो टूक कहा, फ्री में कुछ नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुफ्त चीज की कोई कदर नहीं करता। उन्होंने कहा कि जब कोई पैसे देता है तो मेहनत भी करता है।

गडकरी ने कहा, मैं कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट या फाइनेंशियल एक्सपर्ट नहीं हूं, लेकिन मैं एक अच्छा फाइनेंशियल काउंसलर हूं। उन्होंने बताया कि पैसे ना होते हुए भी वे 5 लाख करोड़ रुपए तक के प्रोजेक्ट्स करवा लेते हैं। गडकरी ने युवाओं को खेल और करियर के लिए ईमानदारी से मेहनत करने की सलाह दी और कहा कि मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता इसलिए आत्मनिर्भर बनना जरूरी है।

▶10पर

इसरो का निसार मिशन लॉन्च को तैयार

धरती की सारी हलचल पर होगी भारत की नजर

अंतरिक्ष में छलांग

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत एक बार फिर अंतरिक्ष की ऊंचाइयों को छूने जा रहा है। 30 जुलाई 2025 को इसरो और नासा मिलकर एक बड़ा मिशन लॉन्च करेंगे। जिसका नाम है निसार, इसका मतलब हुआ नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार। यह सैटेलाइट श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिए लॉन्च होगा और धरती की सतह पर होने वाली हर हलचल पर 247 नजर रखेगा।

असल में इसरो के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन ने तेलंगाना में एक कार्यक्रम में बताया कि 30 जुलाई को हमारा निसार मिशन शुरू होने वाला है। इस उपग्रह को भारतीय रॉकेट द्वारा कक्षा में स्थापित किया जाएगा। निसार दुनिया का पहला ऐसा सैटेलाइट है जो दोहरी फ्रीक्वेंसी रडार तकनीक (एल -बैंड - नासा और एस -बैंड - इसरो) से लैस है। इसकी खास बात यह है कि ये बादल अंधेरा या बारिश जैसी बाधाओं से प्रभावित नहीं होता। यानी दिन-रात हर मौसम में ये धरती का सही डेटा देगा।

इसका 12 मीटर का मेश एंटीना और स्वीपएसएआर तकनीक इसे एक बार में 242 किलोमीटर चौड़ा क्षेत्र स्कैन करने की ताकत देती है। इस सैटेलाइट की मदद से भूकंप, ज्वालामुखी, हिमस्खलन और सुनामी जैसी आपदाओं का पहले से अंदाजा लगाया जा सकेगा। यहां तक कि 1 सेंटीमीटर की भी जमीन की हलचल पकड़ने की क्षमता इसे अनमोल बनाती है। खासकर हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में ये तकनीक जान बचाने वाला साबित हो सकता है।

कृषि के क्षेत्र में भी यह मिशन गेम-चेंजर होगा। निसार मिट्टी की नमी फसलों की स्थिति और जलस्तर जैसी महत्वपूर्ण जानकारी समय पर देगा। इससे किसानों को बेहतर फसल योजना बनाने में मदद मिलेगी और सूखा या बाढ़ जैसी स्थितियों से पहले ही निपटा जा सकेगा। इसके अलावा यह जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रखेगा। जैसे हिमनदों का पिघलना या समुद्र स्तर का बढ़ना। भारत की इस उपलब्धि में इसरो की बड़ी भूमिका रही है। इसरो ने इस मिशन के लिए एस -बैंड रडार सैटेलाइट बॉडी और लॉन्चिंग रॉकेट जैसे जरूरी घटक तैयार किए हैं। बेंगलुरु और अहमदाबाद में इसकी टेस्टिंग हुई है। नासा ने इसमें एल -बैंड रडार और मेश एंटीना जोड़ा है। दोनों एजेंसियों ने मिलकर इस तकनीकी चमत्कार को हकीकत में बदला है।

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,160/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,15,890/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 26^0
न्यूनतम : 21^0

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कामयाबी

तीन उग्रवादी ढेर, एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

गुमला, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

झारखंड के गुमला जिला अंतर्गत घाघरा थाना क्षेत्र के लावादाग जंगल में शनिवार सुबह पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन झारखंड जन मुक्ति मोर्चा (जेजेएमपी) के तीन उग्रवादी मारे गए हैं। मुठभेड़ के बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने तीनों उग्रवादियों के शव बरामद कर लिए हैं। घटनास्थल से एक एके-47 राइफल और दो इंसास राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए।

गुमला एसपी हारिश बिन जमां ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी संगठन के उग्रवादी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं और घाघरा के जंगल में इकट्ठा हुए हैं। सूचना के आधार पर जिला पुलिस और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम ने एक विशेष अभियान चलाया। लावादाग जंगल में जैसे ही सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया,

▶10पर

दुनिया में पीएम मोदी का फिर से बजा डंका सबसे लोकप्रिय नेता के तौर पर बरकरार

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी लोकप्रियता का परचम लहराया है। बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट के जुलाई के एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी को 75 प्रतिशत लोगों की 'अप्रूवल रेटिंग' प्राप्त हुई है, जो उन्हें दुनिया के अन्य सभी नेताओं से आगे खड़ा करती है। यह सर्वेक्षण दुनिया के प्रमुख 20 नेताओं की लोकप्रियता पर आधारित है, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री ने अमेरिका, जर्मनी, इटली, ब्राजील और नीदरलैंड्स जैसे देशों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी को जहां 75 प्रतिशत जनता का समर्थन मिला, वहीं सिर्फ 18 प्रतिशत लोगों ने उनके कार्यों को लेकर असहमति जताई और 7 प्रतिशत लोगों ने कोई राय नहीं दी। यह आंकड़ा पीएम मोदी को उनके समकक्षों में सबसे ऊपर रखता है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आर्ट ऑफ लिविंग नामक सत्र आयोजित

रिश्ते अपेक्षाओं के कारण टूटते हैं वास्तविकता के कारण नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा जीने की कला, आर्ट ऑफ लिविंग, नामक एक अत्यंत प्रेरणादायक सत्र श्री सिमंधर स्वामी उपाश्रय में आयोजित किया गया, जिसमें 150 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। इसके पश्चात जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभा का स्वागत करते हुए प्रभु महावीर के चरणों में वंदन अर्पित किया और आचार्य श्री अभयशेखर सुरिश्वरजी की आज्ञानुवर्ती परम पूज्या साध्वी अर्हमवर्षाजी के चरणों में कोटिशः नमन किया। उन्होंने जीतो संगठन के तीन मूल स्तंभों, सेवा, ज्ञान एवं आर्थिक समृद्धि की जानकारी दी। सेवा के अंतर्गत गुरु भगवंतों की व्यवाच सेवा, हेल्थ कैंप्स, साधर्मी बहनों के लिए मंच, स्कॉलरशिप्स, मैट्रिमोनी और जॉब सहायता जैसे कार्य शामिल हैं। ज्ञान के क्षेत्र में पब्लिक स्पीकिंग, कंप्यूटर और एआई, ग्राफिक डिजाइनिंग, मार्केटिंग जैसी विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। आर्थिक समृद्धि और खेल गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक और स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाया जाता है। इस दिन को विशेष

बताते हुए उन्होंने कहा कि परम पूज्या साध्वी अर्हमवर्षाजी का दिव्य सान्निध्य प्राप्त करना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उनकी वाणी में अनुभव की गहराई, आत्मशुद्धि की प्रेरणा और शांति की शक्ति समाहित है। सत्र की प्रमुख बातें, जीवन को संवारने वाला सरल एबीसीडीईएफ सूत्र बताया। ए से एंगर को अवॉइड करें, जीवन के 7 विशेष क्षणों पर क्रोध से बचने की प्रेरणा दी गई, जब हम घर से बाहर निकलें, लौटें, भोजन करें, प्रार्थना करें, फोन पर बात करें, सोने जाएं, या अपनों से संवाद करें। क्रोध की स्थिति में तीन बार नवकार मंत्र का जाप करने का सुझाव दिया गया, जिससे मन शांत होता है। यह बताया गया कि लोग अग्नि से डरते हैं, पर क्रोध, जो और भी विनाशकारी है, उससे नहीं डरते। हीरे और कांच की उपमा देकर समझाया गया कि सूरज की रोशनी में केवल कांच गर्म होता है, हीरा नहीं, हमें भी हीरे जैसे शांत रहना चाहिए। बी से बाउंड्री इस एसेंशियल, जो दीपक चिमनी से ढका होता है, वह अधिक देर तक जलता है। जो पतंग डोरी से बंधी होती है, वह दिशा में उड़ती है। इसी प्रकार, मनुष्य को भी अनुशासन रूपी सीमा में रहना चाहिए ताकि अच्छी आदतें पनपें और क्रोध से बचा जा सके। स्वतंत्रता चाहिए, स्वच्छंदता नहीं। सी से केमिकल चेंज इस परमानेंट, पानी से बर्फ बनना, भौतिक परिवर्तन है जो वापिस हो सकता है। लेकिन दूध से घी बनना, रासायनिक परिवर्तन है, जो स्थायी होता है। हमें अपने भीतर ऐसे गहरे और स्थायी परिवर्तन की आवश्यकता है, जो हमें भीतर से निखारे। डी से डोंट से नो, सूरज कभी नहीं कहता कि मैं रोशनी नहीं दूंगा, चाँद कभी नहीं कहता कि मैं प्रकाश नहीं दूंगा, वृक्ष कभी नहीं कहते कि मैं फल नहीं दूंगा। लेकिन मनुष्य ही है जो नहीं कहता है। इसलिए हमें जीवन, सहयोग और सेवा को हाँ कहना सीखना चाहिए। ई से एक्सपेक्टेशन को इरेज करे, 100 रुपये की ताजा फूलों की माला शाम को फेंक दी जाती है, लेकिन 100 रुपये का आईना टूट जाए तो दुःख होता है, क्योंकि उससे अपेक्षा जुड़ी होती है। इसी प्रकार, रिश्ते अपेक्षाओं के कारण टूटते हैं, वास्तविकता के कारण नहीं। एफ से फ्रेंडली स्पीच, मधुर वाणी की महत्ता को रेखांकित किया गया, यही वह डोर है जो संबंधों को जोड़कर रखती है। वाणी में विनम्रता और प्रेम होना आवश्यक है। गहन विचार किया गया की क्रोध का उच्चतम स्थान अहंकार है। दुखी वही होता है जिसमें अज्ञान है। अकड़ता तो मुर्दा है। अच्छे काम स्वयं करो, दूसरों का इंतजार मत करो। बुरे काम कल पर टाल दो। कार्यक्रम का समापन मुख्य सचिव निधि पालरेचा द्वारा भावपूर्ण आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। उन्होंने पूज्य साध्वी, उप-स्थित गणमान्य अतिथियों, सभी सहभागियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित विशिष्टजनों में संयोजिका हेमा सोलंकी एवं सह संयोजिका वनीता बचावत, केकेजी जोन की संयोजिका पिंकी जैन, उपाध्यक्षगण लता बोहरा एवं नीलम शांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव साक्षी नगर एवं चंद्रा जैन, प्रबंध समिति सदस्यगण संगीता सियाल, प्रिया गांधी, रेखा विनोद जैन, रेखा किशोर, कविता मूथा और सोमना सिसोदिया शामिल थी।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा बड़े सपने देखने की हिम्मत करो कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

छात्रों को कम उम्र में ही उद्यमिता, नेतृत्व और नवाचार की दिशा में प्रेरित करने हेतु जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर, महिला विंग और यूथ विंग के संयुक्त तत्वावधान में टीआईई यंग एंटरप्रेन्योर्स (टीवाईई) एवं टीआईई बेंगलूरु के सहयोग से बड़े सपने देखने की हिम्मत करो कार्यक्रम के अंतर्गत एक प्रेरणादायक ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन जीतो नॉर्थ ऑफिस, राजाजीनगर में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्टूडेंट एंटरप्रेन्योर बनने की दिशा में प्रेरित करना रहा, जिससे वे विद्यालयी जीवन से ही व्यावसायिक सोच, टीम वर्क, रणनीति, मार्केटिंग तथा नवाचार जैसे गुणों का विकास कर सकें। सत्र में छात्रों के साथ उनके अभिभावकों की उपस्थिति को भी अनिवार्य रखा गया, जिससे पारिवारिक सहयोग के साथ छात्र अपने उद्यमशीलता के सपनों को साकार कर सकें। इस प्रेरणात्मक आयोजन में जीतो के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने अपने संबोधन में अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के मूल्यों और शक्तियों को पहचानें। उन्होंने कहा कि सीखने की दिशा में पहला कदम है प्रश्न पूछना, जानना और विश्वास करना, और असफलता, सफलता की ओर एक आवश्यक चरण है। महामंत्री विजय सिंघवी ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो पाने के बावजूद कार्यक्रम की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा इस नवाचारपूर्ण पहल की सराहना करते हुए इसे युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरक कदम बताया। जेआईटीईएम के संयोजक प्रीतेश जैन ने कहा कि छात्रों को विद्यालयी जीवन से ही उद्यमिता के कौशल सीखने चाहिए, और सबसे पहले उन्हें माता-पिता के पैसे और समय का मूल्य समझना चाहिए। उन्होंने वर्तमान व्यवसायिक परिदृश्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से इस कार्यक्रम से कम से कम एक व्यावसायिक प्रतिज्ञा पूरी करने को भी कहा।

जेआईआईएफ के संयोजक पंकज बलार ने जेआईआईएफ की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि कोई छात्र स्टार्ट-अप विचार के साथ सामने आता है, तो जेआईआईएफ का पूरा इकोसिस्टम और निवेशक नेटवर्क उसे सहयोग देने के लिए तत्पर है। टीवाईई की प्रतिनिधि लक्ष्मी ने टीवाईई कार्यक्रम की संरचना को स्पष्ट करते हुए बताया कि यह कोर्स आठ कार्यशालाओं में विभाजित है। टीम निर्माण, ऑनलाइन मेंटरिंग और पिचिंग प्रतियोगिता के माध्यम से इसका समापन होगा, जहाँ विजेता क्षेत्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे और वहां विजयी टीम टीवाईई वैश्विक प्रतियोगिता तक पहुंचेगी। कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु उत्तर से जेआईटीईएम कन्वीनर प्रीतेश जैन, जेआईआईएफ कन्वीनर पंकज बलार, महिला विंग चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, चीफ सेक्रेटरी रक्षा छाजेड़, यूथ विंग चेयरमैन अनिश भोजानी और चीफ सेक्रेटरी आशीष तपड़ावत ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति और नेतृत्व से कार्यक्रम को सफल बनाया। जीतो द्वारा की गई यह पहल छात्रों में स्वावलंबन, आत्मविश्वास और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय प्रयास है, जो भविष्य के युवा उद्यमियों को सशक्त आधार प्रदान करेगा।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी की तैयारियां जोर-शोर से जारी

बैठक में विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स-महिला विंग एवं जीतो-केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5, 6 और 7 सितम्बर 2025 को आयोजित होने जा रहे जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इस भव्य आयोजन की तैयारियों की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो नॉर्थ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी से जुड़ी रूपरेखा, व्यवस्थाएँ और आयोजकीय जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने आयोजन की संपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि पहली बार जीतो ऐसा मंच लेकर आ रहा है, जो विवाह से जुड़ी हर आवश्यकता को एक ही छत के नीचे पूरा करेगा। इस एक्सपो में सोना, चांदी एवं हीरे के आभूषणों के प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ-साथ लाइफस्टाइल, वेडिंग प्लानिंग, डेकोरेशन,

फोटोग्राफी, काउट्योर, मेकअप, इन्विटेशन और अन्य सभी सेवाओं के स्टॉल्स लगाए जाएंगे।

केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना ने आयोजन की तैयारियों का गहन निरीक्षण करते हुए इसे एक ऐतिहासिक आयोजन बनाने की दिशा में कई सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में जीतो एपेक्स के शीर्ष पदाधिकारी तथा कर्नाटक, गोवा एवं केरल जोन के विभिन्न चैप्टर्स के प्रतिनिधि देशभर से विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के जेएलडब्लू (जीतो महिला विंग) की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने द ब्राइडल स्टोरी की संकल्पना को प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह आयोजन आधुनिक युग की दुल्हनों और परिवारों के लिए एक अद्वितीय अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इसके महत्व और प्रभाव को रेखांकित किया। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के मंत्री अशोक भंडारी, पंकज जैन, प्रीतेश जैन, जेएलडब्लू चीफ सेक्रेटरी रक्षा छाजेड़, केकेजी जोन के प्रतिनिधि तुषार जैन, विकास गुलेच्छा, वाइस चेयरमैन सुमन वेदमुथा, मैट्रिमोनी कन्वीनर अरुण नाहर एवं सुनील लोढ़ा सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि विवाह से जुड़ी सेवाओं को एक समेकित मंच पर लाकर समाज के लिए एक अभिनव पहल के रूप में भी अपनी छाप छोड़ेगा।

टीपीएफ की ऐतिहासिक पहल मिशन दृष्टि 2025 मेगा आई कैंप का आयोजन

एक लाख बच्चों की आंखों की जांच का राष्ट्रीय कीर्तिमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) ने पूरे भारत में एक साथ 1 राष्ट्र, 1 दिन, 1 लाख छात्र, 101 स्थान के संकल्प के साथ मिशन दृष्टि 2025 के अंतर्गत मेगा नेत्र जांच शिविरों का आयोजन कर नेत्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया।

यह अभियान देश के 100 से अधिक शहरों और सैकड़ों विद्यालयों में आयोजित हुआ, जिसके अंतर्गत 1,15,000 से अधिक बच्चों की आंखों की जांच की गई, जो कि एक दिन में सबसे अधिक दृष्टि परीक्षणों में से एक माना जा रहा है। इस राष्ट्रव्यापी आयोजन की शुरुआत एक विशेष उद्देश्य और सामूहिक मिशन भावना के साथ की गई थी, जिसका ध्येय था - देशभर के स्कूली बच्चों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, प्रारंभिक स्तर पर दृष्टि दोष की पहचान करना और स्क्रीन टाइम के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए आंखों की सुरक्षा पर कार्यशालाएं आयोजित करना। सभी शाखाओं से इस अभियान में

भागीदारी हेतु एक साझा गूगल फॉर्म जारी किया गया था, जिसकी अंतिम तिथि 31 मई 2025 निर्धारित की गई थी। इस कार्यक्रम में आंखों की जांच, चश्मे की सलाह, नेत्र जागरूकता कार्यशालाएं और निःशुल्क परामर्श जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं शामिल थीं, जिससे लाखों बच्चों और उनके परिवारों को लाभ प्राप्त हुआ। टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में मिशन दृष्टि 2025 की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह राष्ट्रव्यापी नेत्र जांच अभियान तेरापंथ समाज की सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बच्चों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना एक अत्यंत आवश्यक कार्य था, जिसे देशभर की शाखाओं ने मिलकर सफलतापूर्वक संपन्न किया। मांडोत ने सभी सहयोगी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों और स्कूल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए आगे भी इसी समर्पण और संगठनभाव से कार्य करते रहने का आह्वान किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी के राज्य प्रवक्ता वल्ली एवं सोशल मीडिया रामनगर से जयशीला ने शनिवार को तेरापंथ भवन विजयनगर में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयम लता जी एवं सहयोगी साध्वी वृंद के दर्शन किये। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। वल्ली जी एवं जय शीला जी ने साध्वी जी से जैन धर्म के बारे में जानकारी लेते हुए प्रेक्षाध्यान के बारे में विस्तृत चर्चा की तथा मंगल पाठ का श्रवण किया।

ब्रह्मांड में हमारे द्वारा बोला गया एक एक शब्द हमेशा रहता है विद्यमान: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि ब्रह्मांड में हमारे द्वारा बोला गया एक एक शब्द हमेशा विद्यमान रहता है। कभी नष्ट नहीं होता। इसलिए जो लोग व्यर्थ की बक बक दूसरों की बुराई और अपशब्दों के प्रयोग से इस ब्रह्मांड को प्रदूषित कर रहे हैं, उन्हें सतर्क हो जाना चाहिए। क्योंकि उनका जीवन नर्क तो बनता ही है बाद में भी उन्हें इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। आपके मुख से आज के बाद जो भी शब्द निकले वो हमेशा मौजूद रहने वाला है और आपका और आने वाली कई पीढ़ियों का

भविष्य इसी पर टिका हुआ है। जो भी कहना है आगे से यह सोच कर ही बोलें। जब आप इस प्रकृति का ध्यान रखेंगे मधुर व पवित्र वाणी का प्रयोग करेंगे तो निश्चित रूप से यह प्रकृति भी आपका ध्यान रखेगी और आपकी हर मनोकामना पूर्ण करेगी। दुनिया में सबसे ज्यादा दुख इन्सान अपने बुरे वचनों के कारण भोगता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि वाणी ही हमे सम्मान दिलाती है। वाणी ऐसी बोले जो अशांत मन में भी करे शांति की भावना का संचार। जीवन में प्रेम व युद्ध दोनों का कारण इंसान की वाणी बनती है। वाणी के प्रभाव से दुश्मन भी मित्र बन जाते है तो वाणी ही होती है जो दो गहरे दोस्तों के मध्य भी क्लेश व तनाव का कारण बन जाती है। हमारी वाणी हमेशा प्रेम व स्नेह रस की बारिश करने वाली और सबके जीवन में सुख-शांति लाने वाली हो। हमारी वाणी हमारे लिए दुआएं भी दिला सकती है तो वही वाणी संयमित नहीं रहने पर बद्दुआ मिलने का कारण भी बन जाती है। जीवन में जो व्यक्ति विवेकपूर्ण बोलता है उसके जीवन में दुःख दर्द नहीं आते है। विवेकपूर्ण वाणी से बिगड़े हुए कार्य भी सुधर जाते है। व्यक्ति जन्म से लेकर मृत्यु तक बोलता रहता है लेकिन ये नहीं समझ पाता है कि कब क्या बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो विवेकवान होता है वह हमेशा वाणी का संयम रखता है। जिन्होंने वाणी संयम रखा वह महापुरुष ही परमात्मा महावीर, बुद्ध व राम बने।

जीवन में आपसी बातचीत के दौरान भी वाणी का संयम अवश्य रखे और कभी मर्यादाहीन वाणी का उपयोग नहीं करें। द्रोपदी का एक शब्द महाभारत का कारण बन गया। वाणी में संयम रखने पर जीवन सफल होगा। वाणी को हमेशा तौल-मौल कर एवं सोच समझ कर उपयोग में लेना चाहिए। बिना विचारे बोलने वालों को हमेशा पछताना पड़ता है। हमारी वाणी के कारण किसी के बिगड़े जीवन में शांति आ जाती है तो यह उसकी सार्थकता होती है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने कहा कि शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक होंगे। अभिषेक का लाभ मोहनलाल, रतनचंद परिवार ने लिया है। बेंगलूरु से नरेन्द्र कुमार भंडारी, गौतमचंद कांठेड, नव उपवास के तपस्वी मोक्षित जयंतीलाल एवं वियासणा के लाभार्थी हुकमीचंद, रतनचंद से-हलोत परिवार एवं कमलाबाई भंडारी, ललिता बाई कांठेड का संघ की ओर से भंवरलाल जैन, महावीर कुमार संघवी, सुरेश कुमार संघवी, भावेश जैन एवं बबिता बंदामुथा ने बहुमान किया।

एनडीए सरकार भारत के चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार भारत के चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही है और कांग्रेस इसके खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाएगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान कर्नाटक के कुछ लोकसभा क्षेत्रों में मतदान में धांधली के आरोपों से सहमति जताई है। बेंगलूरु ग्रामीण और बेंगलूरु मध्य लोकसभा क्षेत्रों में मतदान में धांधली के सबूत मिले हैं। केपीसीसी द्वारा किए गए शोध से यह साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि वह उचित समय पर आयोग को ये सबूत उपलब्ध कराएंगे। सिद्धरामैया ने चुनाव आयोग के दुरुपयोग, प्रस्तावित नई जाति जनगणना, एमयूडीएचए मामले, केंद्र सरकार द्वारा जांच एजेंसियों के दुरुपयोग और अन्य घटनाओं पर प्रकाश डाला। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा द्वारा बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली के राहुल गांधी के आरोपों का बचाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी मतदाता सूची में हेराफेरी कर रही है और भारत के चुनाव आयोग सहित लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। राहुल का यह आरोप कि योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाकर फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं, सही

है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में ऐसी घटनाएँ हुई हैं। वे आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में भी यही चाल चलने की योजना बना रहे हैं। यह भाजपा की शरारत है। यह चाल पूरे देश में चल रही है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि चुनाव आयोग अब एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के रूप में काम नहीं करेगा। चुनाव आयोग केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार काम कर रहा है। यह स्वतंत्र नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहा है। लोकतंत्र दांव पर है। उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस इन अनियमितताओं को उजागर करने और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा के लिए सुधार लाने हेतु एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी। उन्होंने देशव्यापी जाति जनगणना कराने के महत्व का पुरजोर बचाव किया और कहा कि हर राज्य को जाति जनगणना शुरू करनी चाहिए। यह सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार-आधारित और राजनीतिक होनी चाहिए। क्योंकि आजादी के बाद, सभी को पता होना चाहिए कि किसी व्यक्ति का दर्जा - आर्थिक, राजनीतिक और आजादी - सभी तक पहुँची है या नहीं, समानता आई है या नहीं। संविधान का उद्देश्य बदलाव लाना और असमानता को दूर करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे ओबीसी सलाहकार समिति के संयोजक नहीं हैं, बल्कि अनिल जयहिंद के नेतृत्व वाली समिति के केवल एक सदस्य हैं। कर्नाटक ने अपनी जाति जनगणना से संबंधित प्रक्रिया पूरी करने के लिए अधिकारियों को तीन महीने का समय दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह समय सीमा तय समय के भीतर पूरी हो जाएगी। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में भूमि आवंटन घोटाले पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा यह एक झूठा मामला है। वे मुझे, मेरी पत्नी और मेरे परिवार को बेवजह प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्होंने यह कहकर अपना असंतोष व्यक्त किया कि हालाँकि यह पीएमएलए अधिनियम के अंतर्गत नहीं आता है, कोई अवैध धन शोधन नहीं हुआ है, फिर भी उन्हें और उनके परिवार को बेवजह परेशान किया गया है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समन रद्द करने का स्वागत किया और कहा कि न्यायालय ने सही कहा है कि अगर राजनीति करनी है, तो चुनाव में करो, यहाँ नहीं। इस मामले में नहीं, ईडी के जरिए नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट, मुख्य न्यायाधीश की ओर से भाजपा के लिए एक चेतावनी है। 4 जून को स्टेडियम में हुई भगदड़, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी, के बारे में बोलते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि कैबिनेट ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल डी. कुन्हा द्वारा प्रस्तुत जाँच रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। पुलिसकर्मियों के अलावा, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) और डीएनए (इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी) के अधिकारियों के खिलाफ पहले ही आपराधिक मामला दर्ज किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भी जाँच की जाएगी।

लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में हुई हैं कई अनियमितताएँ: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने कांग्रेस नेताओं की आलोचनाओं से सहमति जताते हुए कहा है कि लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में कई अनियमितताएँ हुई हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में मतदाता सूची में कई विसंगतियाँ हुई हैं। यह शुरू से ही देखने को मिल रहा है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का यह बयान कि बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में चुनावी अनियमितताएँ हुईं, राहुल गांधी और सिद्धरामैया समेत कई नेता पहले ही आयोग की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी कर चुके हैं। मैं इससे सहमत हूँ।

उन्होंने कहा कि वह इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। प्रह्लाद जोशी पिछले 10 वर्षों से केंद्र सरकार में मंत्री हैं। कलसा बंदूरी परियोजना उनके अपने लोकसभा क्षेत्र हुब्बल्ली-धारवाड़ को पानी उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई है। मैंने प्रह्लाद जोशी को बहुत करीब से देखा है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के बहुत करीबी हैं। अगर जोशी चाहें तो कलसा बंदूरी बांध को अनुमति देना कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन जोशी ऐसा नहीं चाहते। हालाँकि, जनता जोशी को मना लेगी। हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। प्रह्लाद जोशी राज्य का

हित नहीं चाहते। उन्होंने सवाल किया कि जब उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में सिंचाई परियोजना के लिए अनुमति नहीं मिल सकी तो वे मंत्री क्यों बने? गोवा सरकार परेशानी पैदा करने के बहाने ढूंढती रहती है। सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तरी कर्नाटक के लोगों के लिए इस महत्वपूर्ण पेयजल परियोजना के पक्ष में फैसला सुनाया है। लेकिन उन्होंने गोवा की भाजपा सरकार पर केंद्र की भाजपा सरकार का दुरुपयोग करने और परियोजना में बाधा डालने का आरोप लगाया। सिंचाई परियोजनाओं में केंद्र कर्नाटक के साथ अन्याय कर रहा है। मेकेदातु, कलसा बंदूरी जैसी पेयजल परियोजनाओं को अनुमति देने और कृष्णा नदी जल न्यायाधिकरण के फैसले को अधिसूचित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। राज्य की जनता ने भाजपा और जेडीएस को 20 से ज्यादा सीटें दी हैं। केंद्र में भाजपा सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने में कर्नाटक का योगदान महत्वपूर्ण है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि भाजपा सांसद राज्य के पक्ष में आवाज नहीं उठा रहे हैं। अगर सभी सांसद मिलकर सिंचाई परियोजना के पक्ष में आवाज उठाएँ और अनुमति दें, तो इससे किसानों को फायदा होगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और राज्य सरकार से इस संबंध में मिलकर काम करने का आह्वान किया। मुझे एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा बेंगलूरु में अधिकारियों के साथ बैठक करने की जानकारी नहीं है। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना को जानकारी हो सकती है। वह बहुत वरिष्ठ हैं। इतने बड़े मंत्री होने के बाद, उनके पास हर तरह की जानकारी होती है। मैं तो एक छोटा सा कार्यकर्ता हूँ।

एसआईटी ने धर्मस्थल में अप्राकृतिक मौतों की जांच शुरू की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल गाँव में वर्षों पहले हुई अप्राकृतिक मौतों की जाँच के लिए गठित विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को लगातार बैठकें करते हुए औपचारिक रूप से अपना काम शुरू कर दिया है। आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के पुलिस महानिदेशक प्रणव मोहंती के नेतृत्व में जाँच दल का गठन किया गया है। पुलिस भर्ती प्रभाग के डीआईजी एम एन अनुचेथ और आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के एसपी जितेंद्र कुमार दयामा एसआईटी के सदस्य हैं। अनुचेथ और दयामा दोनों शुक्रवार को दक्षिण कन्नड़ पहुँचे और मेंगलूरु में दो महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

उन्होंने मेंगलूरु के सर्किट हाउस में दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों से एसआईटी में नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ चर्चा की। बाद में शाम को, उन्होंने पश्चिमी रेंज के आईजीपी अमित सिंह के साथ उनके कार्यालय में एक और दौर की चर्चा की। एसआईटी में इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल सहित 20 अधिकारी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, इनमें से 12 पुलिस कर्मियों ने सर्किट हाउस में हुई बैठक में भाग लिया। बताया जा रहा है कि अनुचेथ ने बताया कि

एसआईटी के सभी सदस्य अगले कुछ दिनों में जाँच प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हो जाएँगे। आईजीपी अमित सिंह के साथ यह विचार-विमर्श कथित तौर पर दो घंटे से ज्यादा समय तक चला। बैठक के बाद जब मीडियाकर्मियों ने अनुचेथ से बात करने की कोशिश की, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और केवल इतना कहा अभी कुछ नहीं कहना है।

बेल्टांगडी पुलिस स्टेशन के पास पुलिस क्वार्टर के अंदर एक नए भवन के भूतल पर स्थित दो कमरों में एसआईटी का कार्यालय स्थापित करने की तैयारी चल रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक अरुण के. के निर्देशानुसार, बेल्टांगडी पुलिस ने इस स्थान से एसआईटी के कामकाज को सुगम बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ कर ली हैं। पहले, यह अनुमान लगाया जा रहा था कि एसआईटी कार्यालय बेल्टांगडी स्थित मेंगलूरु पुलिस अधीक्षक कार्यालय या धर्मस्थल गाँव में ही स्थापित किया जा सकता है।

हालांकि, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विभाग ने अब यह निर्णय लिया है कि सुव्यवस्थित जाँच कार्यों के लिए बेल्टांगडी सबसे उपयुक्त स्थान होगा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, एसआईटी अधिकारियों ने उच्च स्तर की गोपनीयता बनाए रखने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार, गतिविधियों, बैठकों या जाँच संबंधी किसी भी जानकारी के लीक होने से बचने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

किसानों के लिए भाजपा का संघर्ष रहेगा जारी: विजयेंद्र

उर्वरक दोगुने दामों पर बेचे जा रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने उर्वरकों के मुद्दे पर कोई तैयारी नहीं की है। चावल की खेती वाले गुलबर्गा, विभिन्न फसलों की खेती वाले गदग और शिवमोग्गा जिलों में उर्वरक की कितनी आवश्यकता है, इसका कोई पूर्व-गणना नहीं है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने आलोचना की है कि पूर्व-गणना न होने के कारण किसान चिंता में हैं। यहाँ मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बुवाई के बीज और उर्वरक दोगुने दामों पर बेचे जा रहे हैं। तस्करी भी हो रही है। जहाँ भी कांग्रेस की सरकार रही है, वहाँ दलालों का आतंक देखने को मिला है। उन्होंने शिकायत की कि उर्वरकों की कृत्रिम कमी पैदा की गई है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है और भाजपा इसका विरोध करेगी। कृषि मंत्री ने पहले कहा था कि उर्वरकों का भंडार है, कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर किसानों का संघर्ष जारी रहा, तो इसके पीछे राज्य सरकार की विफलता स्पष्ट है। उन्होंने राज्य सरकार से किसानों को असुविधा न हो, इसके लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री नड्डा को राज्य में उर्वरक की समस्या के संबंध में एक पत्र लिखा। इस बार मानसून 20-25 दिन पहले ही शुरू हो गया है। हालाँकि मौसम विभाग ने इसका स्पष्ट पूर्वानुमान दिया है, फिर भी

राज्य सरकार और कृषि मंत्री द्वारा पहले से तैयारी न किए जाने के कारण किसान सड़कों पर उतर आए हैं और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। गुलबर्गा, गदग, कोप्पल, दावणगेरे आदि स्थानों पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने केंद्र सरकार की निंदा करने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। जुलाई के अंत तक, केंद्र से राज्य में 8,73,000 मीट्रिक टन उर्वरक आ चुका था। हमारी अपेक्षा 6,31,000 मीट्रिक टन की थी। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि राज्य सरकार की अपेक्षा से कहीं अधिक उर्वरक राज्य में पहुँचा है। बेंगलूरु शहर के सभी वरिष्ठ भाजपा विधायकों ने बैठकर इस शहर की ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की। राज्य सरकार, मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री डी.के. शिवकुमार ने शहर के विकास के बारे में वैज्ञानिक रूप से नहीं सोचा है। उन्होंने आलोचना की कि भूमिगत सुरंग सड़क और बीबीएमपी को पाँच खंडों में विभाजित करने का अवैज्ञानिक निर्णय बेंगलूरु शहर के विकास के लिए अनुकूल नहीं है। वे बेंगलूरु शहर को पाँच खंडों में विभाजित करके बहुत बड़ा अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह निश्चित रूप से विकास के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि मुंबई और अन्य शहरों में इसी तरह के प्रयोग किए गए हैं और वे सभी विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले भी इसका विरोध किया है और आज और भविष्य में भी इसका विरोध करेगी। भूमिगत सुरंग सड़क के फायदे और नुकसान पर चर्चा किए बिना जल्दबाजी में निविदाएँ आमंत्रित करना निश्चित रूप से सही नहीं है।

इसके पीछे विकास की सोच है या कुछ और

राज्य सरकार और डी.के. शिवकुमार ने ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को शामिल करके जल्दबाजी की है, और लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या इसके पीछे विकास की सोच है या कुछ और। हजारों घर एनओसी प्राप्त किए बिना घर में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि राज्य सरकार और डी.के. शिवकुमार को इसकी कोई चिंता ही नहीं है। पत्रकारों ने यतींद्र सिद्धरामैया के इस बयान की ओर ध्यान आकर्षित किया कि सिद्धरामैया का योगदान नलवाडी कृष्णराज वाडियार से भी ज्यादा है, के जवाब में विजयेन्द्र ने कहा उन्हें ऐसे संतों से तुलना करके उनका अपमान नहीं करना चाहिए। राज्य की जनता सिद्धरामैया के व्यक्तित्व को देख चुकी है। वे बेतुके बयान देकर वाडियार को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे न तो उन्हें कोई फायदा है और न ही राज्य को। विपक्ष के नेता आर. अशोक, पार्टी के विधायक और नेता मौजूद थे।

अब्दुल रहमान हत्याकांड मामले में एक और व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल तालुका के कुरियाल गाँव के इरा कोडी में अब्दुल रहमान की हत्या के सिलसिले में, बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने शुक्रवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान पुडु गाँव निवासी सचिन उर्फ सच्चू रोटीगुड्डे के रूप में हुई है। बदगबेल्लूर गाँव के कोलाट्टामजालु निवासी अब्दुल रहमान (32) ड्राइवर थे और जुमा मस्जिद के सचिव भी थे। 27 मई को उन पर और उनके सहयोगी कलंदर शफी पर घातक हथियारों से हमला किया गया था। रहमान की मौत हो गई, जबकि कलंदर शफी बच गया। इसके साथ ही, इस मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या बढ़कर 12 हो गई है, क्योंकि 11 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

बेटे की मौत से दुखी मां ने लगाई फांसी

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अपने बेटे की मौत से दुखी एक माँ ने अपने बेटे के ग्यारहवें दिन के तिथि कार्य के दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। होमबम्मा (55) नामक महिला ने आत्महत्या कर ली। उनके बेटे मोहन कुमार (26), जो एक निजी कंपनी में कार्यरत थे, ने दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्टांगडी के पास आत्महत्या कर ली। आईएएस की परीक्षा देकर ऊँचे पद पर पहुँचने का सपना देखने वाली माँ, अपने बेटे की मौत से सदमे में थी। इस दुःख को सहन न कर पाने के कारण, उसने अपना समय शोक में बिताया। हरोहल्ली पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया, मामला दर्ज किया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

कडियाली महिषमर्दिनी मंदिर में चोरी की कोशिश नाकाम

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में शनिवार की सुबह लगभग 3 बजे कडियाली महिषमर्दिनी मंदिर के मुख्य द्वार पर चोरी की कोशिश नाकाम कर दी गई। बदमाशों ने मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़ने की कोशिश की, लेकिन ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड से भिड़ जाने पर वे भाग गए। संदिग्ध गतिविधि देखकर गार्ड ने शोर मचाया। बताया जा रहा है कि चोरों ने उसे चाकू दिखाकर धमकाया और मौके से फरार हो गए। गार्ड ने तुरंत स्थानीय श्रद्धालुओं को सूचित किया, जो मंदिर परिसर में पहुँचे। सीसीटीवी फुटेज की जाँच करने पर, यह पुष्टि हुई कि चोरी की कोशिश में दो लोग शामिल थे और उनके भागने का रास्ता भी पता चल गया। इस जानकारी के आधार पर, स्थानीय लोगों ने तलाश शुरू की और कडियाली पेट्रोल पंप के पास दोनों को पकड़ने में कामयाब रहे। भागने के दौरान, एक चोर दौरा पड़ने से बेहोश हो गया। जबकि दूसरे ने भागने की कोशिश की, उसे भी कुछ ही देर बाद पकड़ लिया गया। स्थानीय लोगों ने चोर की गंभीर हालत देखकर उसे कुछ लोहे के औजार दिए, जो संभवतः चोरी के लिए लाए गए थे और उसका प्राथमिक उपचार किया। सूचना मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद वोलाकाडु घटनास्थल पर पहुँचे और जनता की मदद से बेहोश आरोपी को इलाज के लिए अज्जरकाड जिला अस्पताल पहुँचाया। दूसरे आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि दोनों व्यक्ति केरल के मूल निवासी बताए जा रहे हैं। आगे की जाँच जारी है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मंदिर के धन के दुरुपयोग के झूठे दावे

सदस्यों ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विभिन्न मंदिर प्रबंधन समितियों के सदस्यों ने सरकार से उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है जो यह झूठी कहानी फैला रहे हैं कि मंदिर की हुंडी (दानपेटी) का धन अन्य धार्मिक समूहों के उपयोग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है या राज्य के खजाने में जमा किया जा रहा है। ये माँगें शुक्रवार को कुडमुल रंगा राव टाउन हॉल में हिंदू धार्मिक संस्थाओं और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक परामर्श बैठक के दौरान उठाई गईं, जिसमें जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, दिनेश गुंडू राव ने कहा कि राष्ट्रीय टेलीविजन टॉक शो में यह झूठा दावा करने का अभियान बढ़ रहा है कि मंदिर का दान गैर-हिंदू कार्यों पर खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा मंदिर प्रबंधन समितियों को इन भ्रामक कहानियों का तथ्यों के साथ खंडन करना चाहिए। उन्हें जनता को शिक्षित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के

लिए भक्तों के साथ छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए और मंदिर समितियों को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा पहले, प्रमाणित पुजारियों को सालाना 24,000 रुपये मिलते थे।

पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान, मैंने यह मुद्दा उठाया था और यह राशि बढ़ाकर 48,000 रुपये कर दी गई थी। 2024-25 में, हमारी सरकार ने इसे और बढ़ाकर 72,000 रुपये कर दिया है। 'तस्तिक' की अवधारणा मेरे पिता गुंडू राव ने शुरू की थी और तब से लगातार विकसित हो रही है। एमएलसी मंजूनाथ भंडारी ने कहा कि मंदिर परिसर केवल धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों तक ही सीमित रहना चाहिए और किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि बी और सी श्रेणी की मंदिर समितियों के सदस्यों को भी ए श्रेणी की समितियों की तरह आधिकारिक पहचान पत्र जारी किए जाने चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया मंदिरों में बोर्ड लगाकर स्पष्ट किया जाना चाहिए कि हुंडी के धन का किसी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं किया जा रहा है या सरकार द्वारा इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है। एमएलसी इवान डिसूजा ने कहा धर्म आध्यात्मिक शुद्धि का एक माध्यम है और इसे राजनीति से अछूता रहना चाहिए। प्रबंधन समितियों को निराधार आरोपों का जवाब देने में जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। संसाधन व्यक्ति लक्ष्मीश गबलदका ने कहा कि तटीय क्षेत्र धर्म और अध्यात्म में गहराई से निहित है। उन्होंने कहा आधुनिकता के बीच भी मंदिर परंपराओं को संरक्षित किया जाना चाहिए। हमें अपनी तटीय सांस्कृतिक विरासत की विशिष्टता को भी संरक्षित रखना चाहिए। हिंदू प्रथाओं में विविधता ही हमारी ताकत है। उन्होंने आगे कहा कि वैदिक पुजारियों को पारंपरिक आध्यात्मिक पूजा पद्धतियों में शामिल नहीं होने दिया जाना चाहिए और मंदिर प्रशासन में राजनीतिक हस्तक्षेप से बचना चाहिए। उन्होंने सरकार से क्षेत्र में अनुसूचित जातियों के पूजा स्थलों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और धार्मिक नेतृत्व को पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि मंदिर के पुजारी और दैवस्थान पुजारी ही हिंदू धर्म के सच्चे नेता हैं, न कि राजनीतिक विचारक। बेल्टांगडी स्थित दुर्गा परमेश्वरी मंदिर की प्रबंधन समिति के सदस्य राघव एच ने मंदिरों को सी से बी और ए श्रेणी में अपग्रेड करने का स्वागत किया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यक्षगान और भक्ति संगीत जैसी पारंपरिक कलाओं को, जिन्हें कभी राजघरानों का संरक्षण प्राप्त था, मंदिर परिसरों में, विशेष रूप से ए-श्रेणी के मंदिरों में, प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पूर्व मंत्री रामनाथ राय, काजू विकास बोर्ड की अध्यक्ष ममता गट्टी, मुडा के अध्यक्ष सदाशिव उल्लाल, पूर्व एमएलसी हरीश कुमार, कन्नड़ और तुलु अकादमी के अध्यक्ष सदानंद मावंजे, उपायुक्त दर्शन एचवी, जिला परिषद के सीईओ विनायक कारबारी नरवाडे और अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. संतोष कुमार उपस्थित थे।

राउडीशीटर हत्याकांड मामले में 16 गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु पुलिस ने पिछले हफ्ते भारतीनगर में हुई राउडीशीटर शिवप्रकाश की हत्या के सिलसिले में 16 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य संदिग्ध जगदीश समेत दो और लोग अभी भी फरार हैं। चूँकि मामला आपराधिक जाँच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया गया है, इसलिए सभी 16 लोगों को शुक्रवार को पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जल्द ही सीआईडी द्वारा मामले की फाइलें अपने हाथ में लेने की उम्मीद है।

जाँच शुरू होने के बाद, पुलिस आवश्यक संदिग्धों की पुलिस हिरासत की भी माँग करेगी। 44 वर्षीय शिवकुमार की 15 जुलाई को भारतीनगर के एवेन्यू रोड स्थित उनके घर के पास हथियारबंद हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। कुछ दिनों बाद, पाँच लोगों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। बाद की जाँच में और गिरफ्तारियाँ हुईं, जिससे गिरफ्तार संदिग्धों की कुल संख्या 16 हो गई। शिकायत दर्ज कराने वाली शिवप्रकाश की माँ ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे की हत्या में भाजपा विधायक बिरथी बसवराज की भूमिका थी। पुलिस विधायक से दो बार पूछताछ कर चुकी है, जो इस मामले में खुद को निर्दोष बता रहे हैं। ऐसी अपुष्ट खबरें हैं कि मामले का मुख्य आरोपी जगदीश, जो अभी भी फरार है, देश छोड़कर भाग गया है। हालाँकि, पुलिस ने इसकी पुष्टि करने से इनकार कर दिया है।

कार-लॉरी की टक्कर में चार युवकों की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मदिकेरी तालुक के कोयनाडु के पास मणि-मैसूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार और लॉरी की टक्कर में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतकों की पहचान निहाद, रिशान और राशिब के रूप में हुई है। सभी कोडागु जिले के गोनिकोप्पल के रहने वाले थे। चौथे मृतक युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

यह दुर्घटना उस समय हुई जब यह समूह उल्लाल से अपने गृहनगर जा रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार सभी चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को सुल्लिया अस्पताल ले जाया गया है और आवश्यक प्रक्रिया चल रही है। कोडागु पुलिस ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया है और आगे की जानकारी जुटा रही है।

मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ बेंगलूरु का स्नेह मिलन 21 सितंबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु की बैठक अध्यक्ष ललित मांडोत की अध्यक्षता में यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में आयोजित हुई।

बैठक नमस्कार महामंत्रोचार से प्रारंभ हुई। गत बैठक की कार्यवाही का वाचन मंत्री सुरेश गन्ना ने किया। अध्यक्ष ललित मांडोत ने सभी का स्वागत करते हुए कहा हमे समाज हित और समाज के विकास के कार्य को ही करना चाहिए। इस हेतु सभी का सहयोग अपेक्षित हैं। समाज की प्रगति हेतु महावीर मांडोत, प्रवीण देसरला, महावीर दक, सुरेश दक, महावीर चावत, महावीर मेहता सहित अनेकों सुझाव प्राप्त हुए। संगठन मंत्री प्रवीण दक ने संगठन को मजबूत करते हुए हर एक इलाके में संगठन यात्रा करने का आश्वासन दिया। सेवा, शिक्षा, चिकित्सा संयोजक सुरेश दक ने समाज हित सहयोग हेतु स्वेच्छा से आगे आने का निवेदन किया। संघ से सभी की सहमती से 21 सितंबर को स्नेह मिलन 'समागम' आयोजित करना निश्चित हुआ एवं कोषाध्यक्ष दिनेश पोखरणा को इसका संयोजक नियुक्त किया गया। स्नेह मिलन में लक्की ड्रॉ और रिटर्न गिफ्ट की व्यवस्था ना रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपाध्यक्ष तेजमल दक, प्रकाश बोलिया, जसवंत गन्ना, रमेश दक, संगठन मंत्री प्रवीण दक, सह कोषाध्यक्ष सुभाष पोखरणा, प्रचार प्रसार मंत्री प्रवीण बोहरा सहित परामर्शकगण, समिति सदस्यगण, क्षेत्रीय प्रभारी, सह प्रभारी एवं संयोजकों की उपस्थिति रही। कुशल संचालन मंत्री सुरेश गन्ना ने किया एवं सभी के प्रति आभार सह मंत्री नेमीचंद दलाल ने माना।

ऊंची लहरों की चेतावनी जारी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उडुपी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले दो दिनों में तेज हवाओं के साथ अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। आईएमडी के अनुसार, कुछ स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की निरंतर गति से भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि जिलों में समान गति से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। निवासियों को सतर्क रहने और जिला प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

इसके अलावा, बिंदूर से काउप तक उडुपी जिले के तटीय क्षेत्रों में ऊँची लहरों की चेतावनी जारी की गई है। 27 जुलाई की रात 8:30 बजे तक 3.7 से 3.8 मीटर ऊँची लहरें उठने का अनुमान है। अधिकारियों ने इस दौरान मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है। तट के किनारे कटाव और लहरों के बढ़ने के खतरे के कारण तटीय मनोरंजक गतिविधियों को पूरी तरह से स्थगित करने को कहा गया है।

हमारी दृष्टि कैसी है हमें चेक करनी चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकपेट श्रीसंघ में विराजित पूज्य मुनिराज श्रीआर्यशेखरविजयजी ने कहा कि जैसे पौधे में कांटे ज्यादा और फूल कम होते हैं। सरोवर में कीचड़ ज्यादा और कमल कम होता है। जगत में दुर्जन ज्यादा और सज्जन कम मिलते हैं।

वैसे ही संसार में दुख ज्यादा और सुख कम होता है। दुःख में तो भगवान याद आते ही हैं लेकिन सुख में भी भगवान को खुमारी से याद करना चाहिए। संत श्री कहते हैं हमें शरण स्मरण और आचरण तीनों में भगवान को साथ रखना चाहिए। हृदय को कठोर बनाएंगे तो हृदय में शैतान बैठेगा। लेकिन हृदय को कोमल बनाएंगे तो प्रभु अवश्य बैठेंगे। हमारी दृष्टि कैसी है हमें चेक करनी चाहिए। चंद्र में हम क्या देखते हैं कलंक, सागर में खारा देखते हैं। नदी में हम कीचड़ देखते है, जैसी दृष्टि रखेंगे वैसी हम सृष्टि पाएंगे। हर गांव में मंदिर के साथ शमशान भी होता है। वैसे अपने जीवन में गुणों की प्रतिष्ठा करनेवाला मंदिर और दोषों का दफन करनेवाला शमशान भी होना चाहिए।

जो अर्हम में मग्न है वह अहम से शून्य होता है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें पदार्थ में आसक्ति छोड़कर प्रभु में मग्न होना चाहिए। सुख भी दो प्रकार के होते हैं एक आत्यंतिक सुख, जो आने के बाद जाता नहीं है। जो शाश्वत और अजर अमर है। यह सुख सिद्धों को प्राप्त होता है। दूसरा एकांतिक सुख, जो आने के बाद वापस चला जाता है। जो सुख में भी दुख की अनुभूति

कराता है। बाह्य पदार्थों का सुख सच्चा सुख नहीं है, हमने इसको ही सच्चा सुख मान लिया है। हमें शाश्वत सुख की प्राप्ति करनी है जो एक बार आने के बाद वापस नहीं जाए। प्रभु स्मरण से एक ही बार मग्नता नहीं आती है। हमें प्रभु स्मरण का सतत प्रयास करते रहना चाहिए। वह दुख भी अच्छा है जो हमें प्रभु स्मरण करवाए। शाश्वत सुख तो हमारे अंदर ही बसा है जरूरत उस पर से मिथ्यात्व का आवरण हटाने की है। हमें परमात्मा पर असीम श्रद्धा रखनी चाहिए जो अर्हम में मग्न होता है वह अहम से शून्य बन जाता है। हमें अर्हम के साथ रहना है। यह हमारा अहोभाग्य है कि हमें जिन शासन मिला और परमात्मा का आलंबन और शरण मिली। बाहरी पदार्थों से छुटकारा पाकर हमें हमारे अंतर में प्रवेश करना है। प्रभु की भक्ति हमें मुक्ति दिलाने वाली है। हमें पूर्ण बनने के लिए मग्नता का गुण लाना होगा।

एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गौ रक्षा आपातकालीन सेवा समिति चण्डावल नगर द्वारा बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त बेसहारा गोवंश उपचार हेतु चिकित्सालय निर्माण के लिए बुधवार को बेंगलूरु के पैलेस मैदान प्रिंसेज ग्रीन में एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। राजस्थान के प्रसिद्ध भजन कलाकार ओम मुंडेल, महावीर सांखला, राजू सियोल, बिंदास काकू ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित जनों का मनमोहा। कार्यक्रम में सुमिरन साहेब, कानाराम महाराज, संत पुखराज, जगदीश भोपाजी का सानिध्य रहा। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा गाय भारत की आध्यात्मिक संस्कृति का आधार है। गौ सेवा हम सब का कर्तव्य है। कार्यक्रम में राकेश देसरला, मंजूनाथ, मांगीलाल प्रजापत, प्रकाश चौहान, सुरेश सेणचा, भूपेंद्र प्रजापत, हेसरघट्टा राजस्थानी ढाणी के प्रतिनिधि एवं विभिन्न समाजों के गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध राजस्थानी गीत भारत इज भारत नाट इंडिया का वीडियो दिखाया गया। समिति के ओमप्रकाश मुलेवा, जितेंद्र सिंह, नरेश सीरवी ने अतिथियों एवं दानदाताओं को सम्मानित किया।

हमारा वैराग्य भाव ही हमारा सौभाग्य: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। समय के साथ हमारी शक्ति क्षीण होती जा रही है। कान नाक और आंख आदि इंद्रियों की क्षमता निरंतर कम होती जाती है। अनचाही अनिश्चित अतिथि मृत्यु हमारा पीछा कर रही है। मात्र प्रभु का शरण ही दुर्गति से हमे बचा सकता है। क्योंकि मृत्यु के वक्त घर परिवार सामर्थ्य वैद्य सभी बचाने में लाचार हो जाते हैं। यह विचार साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभु की वाणी हमे सत्य का बोध कराती है। हम कहीं खाली न चले जाएं और

जाते वक्त न पछताएं, इसलिए जब जब अवसर मिले तब धर्म ध्यान कर लेवें। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि संसार में अनेक विकल्प होते हैं किंतु आध्यात्म में मात्र संकल्प होता है। संसार के सुख और वैभव हमे भ्रमित कर देते हैं और सबसे पहले हम धर्म को ही छोड़ देते हैं। हम महापुरुषों का आलंबन लें। हमारा वैराग्य भाव हमारा सौभाग्य है। हम स्वयं को सूरज माने और आत्मा में बैठे अज्ञान अंधकार को दूर करने का पुरुषार्थ करें। प्रवचन सभा में सरोज बाई फूलफगर ने 18, कविता बाई कांकरिया ने 15 तथा प्रफुल्ल फूलफगर ने 9 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि रविवार को डॉ. मुनि पदमचंद जी के जन्मदिन प्रसंग पर सामायिक दिवस और अनुभव प्रदर्शनी का आयोजन होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

कोडागु जिले के कुछ हिस्सों में बारिश तेज, मकान ढहने से एक की मौत

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोडागु के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान जिले भर से संपत्ति के नुकसान की कई घटनाएँ सामने आई हैं। इस बीच, सोमवारपेट के हनागल्लू गाँव में शनिवार तड़के जिस मकान में वे रह रहे थे, उसके ढह जाने से एक महिला की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मृतक की पहचान सुषमा के रूप में हुई है। उसके भाई अक्षय को कंधे में चोटें आई हैं। उनके साथ तीन बच्चे भी रह रहे थे, जिन्हें भी मामूली चोटें आई हैं। अधिकारियों ने सभी घायलों को मदिकेरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जो रविवार सुबह 8.30 बजे तक लागू रहेगा। विराजपेट तालुका के अम्माथी होबली के बिलिगुंडा गाँव में, बारिश के कारण एक घर की छत और पिछली दीवार का एक हिस्सा गिर जाने से घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। विराजपेट के ही केदामल्लूर गाँव में एक अन्य घटना में, एक विशाल पेड़ एक मंदिर पर गिर गया जिससे मंदिर को भारी नुकसान पहुँचा।

शौर्य को सलाम : उत्तराखंड में सैनिकों और शहीद परिवारों के लिए धामी सरकार के ऐतिहासिक फैसले

देहरादून, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड की धामी सरकार ने बीते चार वर्षों में सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण को प्राथमिकता में रखते हुए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।

सैनिकों के सम्मान और सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार ने न केवल नीतिगत फैसले लिए, बल्कि धरातल पर उतरते हुए कई योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की हैं।

देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर बलिदानियों की स्मृति में देहरादून में एक भव्य सैन्य धाम (शौर्य स्थल) का निर्माण किया गया है।

इस धाम में प्रदेश की 28 नदियों का जल और शहीदों के घरों की मिट्टी एकत्र कर समर्पित की गई है, जो इसे राष्ट्रीय श्रद्धा का प्रतीक बनाती है।

साथ ही, राज्य भर में शहीद स्मारकों का निर्माण, स्कूल और सड़कों का नामकरण शहीदों के नाम पर कर उनका सम्मान सुनिश्चित

किया जा रहा है। खटीमा में सैनिक मिलन केंद्र और सीएसडी कैंटीन तथा टनकपुर में आधुनिक सैनिक विश्राम गृह का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

धामी सरकार ने शहीद सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह राशि 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दी है। साथ ही, शहीद परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी अथवा पूर्व सैनिकों जैसी छूट का प्रावधान किया गया है। सरकारी नौकरी के लिए आवेदन की समयसीमा को दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष किया गया है।

पूर्व सैनिक वीरांगनाओं और पुत्रियों को ड्रोन दीदी योजना के तहत रोजगारपरक ड्रोन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बदरीनाथ धाम की निःशुल्क यात्रा का लाभ भी अब 60 वर्ष से अधिक उम्र के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और वीरांगनाओं को मिल रहा है।

वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों और पूर्व सैनिकों को उत्तराखंड रोडवेज में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है। साथ ही, 25 लाख रुपए तक की संपत्ति खरीदने पर स्टांप ड्यूटी में 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान भी किया गया है।

इस बीच 26 जुलाई को 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित चीडबाग के शौर्य स्थल पर एक भव्य श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) ने वीरगति प्राप्त सैनिकों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर मेजर जनरल एमपीएस गिल (वीएसएम), रियर एडमिरल पियूष पॉसी, ब्रिगेडियर आरएस थापा सहित तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिक, वीर नारियां, एनसीसी कैडेट्स और सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत मार्च पास्ट से हुई, जिसमें आर्मी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय और एनसीसी के 120 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा, राष्ट्र सदैव वीर नारियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित होने का आह्वान किया और करगिल के वीरों की भावना को आत्मसात करने की बात कही।

26वें करगिल विजय दिवस पर हैदराबाद में शहीदों को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। 26वें करगिल विजय दिवस के अवसर पर, तेलंगाना और आंध्र सब एरिया ने आज यहां राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक श्रद्धापूर्ण माल्यार्पण समारोह का आयोजन किया।

समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शिरकत की, जिन्होंने तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर, राज्यपाल ने कहा, हमारे सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा और उनका सम्मान किया जाएगा। हम उनकी स्मृति और विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

यह कार्यक्रम हमारे बहादुर सैनिकों के शौर्य और बलिदान की मार्मिक याद दिलाता है, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से राष्ट्र के लिए लड़ाई लड़ी। इस समारोह में उन नायकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने अद्वितीय शौर्य और साहस के साथ हमारे राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा की। यह आयोजन राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले बहादुर सैनिकों के प्रति गर्व, सम्मान और कृतज्ञता की भावना से भरा हुआ था।

हिंसा के बीच मणिपुर में नई उम्मीद की किरण

महीनों बाद वापस खेती पर लौटे किसान

इम्फाल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में मई 2023 से हिंसा जारी है। यहां इंफाल घाटी मे रहने वाले मैते और कुकी जनजाति समेत आसपास की पहाड़ियों में रहने वाले आदिवासी समुदायों के बीच हिंसा छिड़ी है। इस हिंसा ने विकराल रूप लिया है, जिसमें अबतक कई लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा से राज्य में न केवल अशांति फैली है, बल्कि यहां की खेती पर भी काफी असर पड़ा है, जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है।

मणिपुर में पिछले कई महीनों से जारी हिंसा के कारण कई किसानों को अपनी जमीन छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे उनकी काफी फसलें बर्बाद हुईं। वहीं नाकेबंदी और हर तरफ फैली हिंसा के कारण किसान अपनी फसलों को मंडी तक पहुंचाने में भी संघर्ष कर रहे हैं।

इससे या तो उनकी फसलें खराब हो रही हैं या फिर उन्हें कम कीमतों में बेचना पड़ रहा है। इतना ही नहीं यहां कृषि कार्यों के लिए श्रमिक भी उपलब्ध नहीं हैं, जिससे फसलों की कटाई-बुवाई में देरी हो रही है। अब महीनों बाद यहां कुछ उम्मीद की किरण दिखी है।

मणिपुर के सीमावर्ती गांव वारोइचिंग और खामोंग में हिंसा के बाद में खेतों में थोड़ी शांति लौटी है। हिंसा के बाद से यहां के किसान डरे-सहमे थे, जिससे उनकी खेती भी प्रभावित हो रही थी, लेकिन अब सुरक्षाबलों के लगातार निगारनी से यहां वापस खेती शुरू हो गई है। सुबह से दोपहर तक कुकी और मैते दोनों समुदाय के लोग अपने-अपने खेतों में काम कर रहे हैं।

इसको लेकर अरंबम हीरोजीत नाम के एक किसान ने बताया कि सुरक्षाबलों की निगरानी के बाद से वह आराम से खेती कर पा रहे हैं। किसानों का कहना है कि सुरक्षाबलों की देखरेख से उन्हें काफी सुविधा मिल रही है और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मणिपुर में बुवाई का मौसम शुरू हो गया है। इसे देखते हुए यहां किसानों की सुरक्षा के लिए बंदोबस्त किए गए हैं। यहां की खेती वाली जगहों पर मणिपुर पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। यहां पर जिला अधिकारियों और पुलिस समेत समुदाय के लोगों से बातचीत भी की जा रही है। अधिकारियों ने किसानों को संवेदनशील जगहों पर खेतों के लिए जाने से पहले सतर्क रहने और सुरक्षाबलों को सूचित करने के लिए कहा है।

शहीद शिवशंकर गुप्ता के परिवार को राज्यपाल ने किया सम्मानित

औरंगाबाद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। करगिल विजय दिवस पर शनिवार को पटना में 'द हिंदू फाउंडेशन, नागपुर' द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में औरंगाबाद के रफीगंज के बंचर गांव निवासी करगिल शहीद शिवशंकर गुप्ता के परिवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सम्मानित किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, आरएसएस के क्षेत्रीय संगठन मंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह मोहन सिंह एवं भाजपा के बिहार प्रदेश संगठन मंत्री भिखूभाई दलसानिया आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शहीद शिवशंकर गुप्ता की पत्नी रेखा देवी एवं पुत्र राहुल कुमार को अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान कारगिल शहीद शिवशंकर गुप्ता के पुत्र राहुल कुमार ने राज्यपाल एवं उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन देते हुए कहा कि सरकार ने कारगिल शहीद के परिजनों को नौकरी देने की घोषणा की थी, लेकिन अबतक उनके परिवार को नौकरी नहीं मिली है। उनका आग्रह है कि उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों ने करगिल के अमर शहीदों के चित्र पर

पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि करगिल युद्ध में शिवशंकर गुप्ता बहादुरी के साथ शहीद हुए। अमर शहीद शिवशंकर गुप्ता का समर्पण, त्याग, बलिदान और कुर्बानी औरंगाबाद जिले के इतिहास में ज्योतिर्गमय प्रकाश की तरह चमकता रहेगा। ऐसे बहादुर सपूत के प्रति हमलोग हजार बार नतमस्तक हैं, जिन्होंने देश की अस्मिता की रक्षा के लिए करगिल के युद्ध में शहादत दी।

औरंगाबाद के रफीगंज प्रखंड के बंचर गांव निवासी नंदलाल गुप्ता और पूनम देवी के पुत्र शिवशंकर गुप्ता कारगिल युद्ध से ढाई साल पहले 28 अक्टूबर 1996 को सेना में भर्ती हुए थे। वह बिहार रेजीमेंट के पहली बटालियन में सिपाही थे। यह वही रेजीमेंट है, जिसने दुश्मनों पर सबसे पहले हमला किया था और यहीं से करगिल युद्ध की शुरुआत हुई थी।

इस युद्ध में बिहार रेजिमेंट की बटालियन के सिपाहियों और अधिकारियों ने सबसे पहले शहादत दी थी। इसमें सिपाही शिवशंकर गुप्ता भी शामिल थे। जिस वक्त दुश्मनों ने बिहार रेजीमेंट की बटालियन पर हमला किया था, उस समय अग्रिम पंक्ति में लांस नायक गणेश प्रसाद यादव थे। दुश्मनों की गोलियों से वह शहीद हो गए थे। उस समय शिवशंकर भी वहां मौजूद थे। उन्होंने गणेश यादव के पार्थिव शरीर को लाना चाहा। वह साथी सैनिकों के साथ गणेश यादव का शव लाने के लिए आगे बढ़े। 14230 फुट ऊंची पथरीली व बर्फीली पहाड़ी पर पहुंच कर उन्होंने देखा कि कंपनी कमांडर लांस नायक का शव दुश्मन के मांद के पास पड़ा है। वे शव तक रेंगते हुए पहुंचे और हथियार-गोला नीचे ले आए। लांस नायक का शव लाने के लिए दोबारा फिर से पहाड़ी पर चढ़े। 50 मीटर तक पहुंचे तभी दुश्मनों ने फायरिंग शुरू कर दी। उन्हें गोली भी लगी लेकिन हिम्मत नहीं हारी। मोर्चा संभालते हुए शिवशंकर ने भी दुश्मनों पर गोलीबारी की। करीब 2 घंटे तक दोनों ओर से फायरिंग होती रही। उस वक्त लांस नायक गणेश यादव के शव को दुश्मनों ने अपने कब्जे में ले लिया था। शिवशंकर गुप्ता दुश्मनों के पास पहुंच गए। जब वह शव को लेकर वापस लौट ही रहे थे तभी दुश्मनों ने फिर गोली चला दी। गोली लगने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी और लांस नायक गणेश यादव के पार्थिव शरीर को कंधे पर लेकर अपने क्षेत्र में पहुंच गए। शिव शंकर गुप्ता को काफी गोली लगी थी। इस कारण उनका काफी खून बह गया था। ज्यादा खून बहने के कारण वे वहीं शहीद हो गए। इसके बाद 6 जून 1999 को सेना से शिवशंकर गुप्ता के परिवार को एक पत्र आया था। पत्र खोलने पर एक हजार रुपये और उनके पुत्र की शहादत की खबर थी। पत्र मिलने के एक महीने पहले तक परिवार को शहादत की कोई खबर नहीं थी।

चंदौली में नहर टूटी, जलमग्न हुआ गोधना गांव, चलने लगी नाव

चंदौली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जनपद के नियामताबाद विकासखंड अंतर्गत गोधना नई बस्ती के पास शनिवार की सुबह नारायनपुर गंगा नहर का तटबंध अचानक टूट गया। यह घटना सुबह लगभग चार बजे हुई, जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। तेज बहाव के साथ नहर का पानी खेतों और घरों की ओर तेजी से फैल गया। इस आपदा से करीब ढाई सौ एकड़ में लगी धान की फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई, वहीं करीब 50 घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान, अनाज व पशु चारे को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों के अनुसार, नारायनपुर नहर को 'गंगा नहर' कहा जाता है क्योंकि इसमें अत्यधिक जल प्रवाह और गहराई होती है। यह नहर जिले की प्रमुख सिंचाई स्रोत है और वर्तमान में अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण यह उफान पर थी। तटबंध जिस स्थान पर टूटा, वह काफी समय से क्षतिग्रस्त था और दोनों ओर से कटान की स्थिति में था। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि तटबंध की खराब स्थिति को लेकर दो महीने पूर्व ही सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) को शिकायत दी गई थी, लेकिन इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। शनिवार को जब तटबंध टूटा तो तत्काल फोन कर अधिकारियों को सूचना दी गई, लेकिन एसडीएम तक ने फोन नहीं उठाया। अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी तत्काल मौके पर नहीं पहुंचे। स्थिति से आक्रोशित होकर ग्रामीणों ने मुगलसराय-गोधना मुख्य मार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि यदि समय पर विभाग सक्रिय होता तो यह बड़ी आपदा टाली जा सकती थी। घटना के पांच से छह घंटे बाद प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा, जिसके बाद तटबंध की मरम्मत कार्य शुरू किया गया।

तेलंगाना में एनएचआरसी मानवाधिकार उल्लंघन के 109 मामलों की सुनवाई करेगा

हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) 28 और 29 जुलाई को कथित मानवाधिकार उल्लंघन के 109 मामलों की सुनवाई एवं पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने हेतु दो दिवसीय 'खुली सुनवाई और शिविर बैठक' आयोजित करेगा।

आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम के साथ सदस्य न्यायमूर्ति (डॉ.) विद्युत रंजन सारंगी और सुश्री विजया भारती सयानी सोमवार को सुबह 10:00 बजे हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित एमसीआर एचआरडी संस्थान में

शिकायतकर्ताओं और संबंधित राज्य अधिकारियों की उपस्थिति में मामलों की सुनवाई करेंगे। आयोग के महासचिव भरत लाल, महानिदेशक (जांच) आर.पी. मीणा, रजिस्ट्रार (कानून) जोगिंदर सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

सिंगापुर के दौरे पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, करेंगे निवेश को बढ़ावा

विजयवाड़ा, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू आज रात सिंगापुर के पांच दिवसीय दौरे के लिए रवाना होंगे।

मुख्यमंत्री के साथ मंत्री और अधिकारी भी होंगे, जो इस पांच दिवसीय दौरे में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जाने-माने उद्योगपतियों और प्रमुख व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे।

अपने दौरे के पहले दिन, मुख्यमंत्री सिंगापुर में दक्षिण-पूर्व एशिया से आए तेलुगु प्रवासियों के कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में सिंगापुर के साथ-

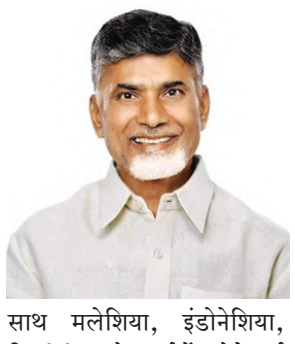

साथ मलेशिया, इंडोनेशिया, फिलीपींस और थाईलैंड जैसे कई देशों के तेलुगु उद्योगपति, विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि, निवेशक और कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

यहां शनिवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एपी एनआरटी द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 1500 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। एपी एनआरटी और राज्य सरकार के अधिकारियों ने सिंगापुर में वन वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल में इस सम्मेलन की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

बैठक में आंध्र प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए भारत के अलावा अन्य देशों में भी रोजगार के अवसर प्रदान करने पर चर्चा होगी। साथ ही, विभिन्न देशों में रहने वाले तेलुगु लोगों को एपी के विकास में भागीदार बनाने जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू तेलुगु उद्योगपतियों और एनआरआई से एपी में 'जीरो पॉवर्टी-पी4' कार्यक्रम में भागीदार बनने का आग्रह करेंगे। इस दौरे के दौरान, एनआरआई के माध्यम से एपी से विभिन्न देशों में निर्यात बढ़ाने के लिए आवश्यक योजनाओं को लागू करने पर भी चर्चा होगी।

कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श होगा। मुख्यमंत्री, मंत्रियों और एपी के अधिकारियों के साथ सिंगापुर में खेल, बंदरगाहों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा सुविधाओं और लॉजिस्टिक केंद्रों का दौरा करेंगे। इस सिंगापुर दौरे में मुख्यमंत्री के साथ मंत्री नारा लोकेश, टीजी भरत, पी. नारायण और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

आंध्र प्रदेश डीजीपी के समक्ष दो वरिष्ठ माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

विजयवाड़ा, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरीश कुमार गुप्ता के समक्ष दो वरिष्ठ माओवादियों ने शनिवार को आत्मसमर्पण किया।

डीजीपी ने इस मौके पर मीडिया से कहा कि दो माओवादियों जोरीगे नागराजू उर्फ कमलेश, राज्य क्षेत्रीय समिति सदस्य (एसजेडसीएम) और पूर्वी बस्तर संभागीय समिति (डीवीसी) के प्रभारी और उनकी पत्नी मेदका ज्योतिश्वरी उर्फ अरुणा, संभागीय समिति सदस्य (डीवीसीएम) और मोबाइल अकादमिक राजनीतिक संगठन स्कूल (एमएपीओएस), पूर्वी बस्तर की प्रभारी ने उनके समक्ष आत्मसमर्पण किया।

उन्नाव में देश की पहली एआई यूनिवर्सिटी का लोकार्पण

जो समय से तेज चलेगा वही जीतेगा, 8 साल पहले कोई निवेश नहीं करना चाहता था : सीएम योगी

उन्नाव, 26 जुलाई (एजेंसियां)। याद करिए 8 साल पहले कोई उत्तर प्रदेश में निवेश नहीं करना चाहता था। कोई सुरक्षित नहीं था न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी। उपद्रव के माहौल में बेहतर भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता। आज हमने प्रदेश में ऐसा माहौल बनाया है कि लोग यहां आ रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में देश की पहली एआई यूनिवर्सिटी का लोकार्पण करने के बाद मंच से संबोधित किया।

सीएम ने कहा कि कोई भी यूनिवर्सिटी, सोसायटी या देश हो जो समय से तेज चलेगा वही प्रगति के द्वार खोलेगा। सीएम ने चांसलर सतनाम सिंह संधू और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। बोले शिक्षा में नई क्रांति लाने वाली यूनिवर्सिटी उन्नाव वासियों को मिली है।

भाषण के दौरान सीएम का माइक करीब 1 मिनट के लिए बंद हो गया। सही होने के बाद दोबारा भाषण शुरू हुआ। चांसलर सतनाम सिंह संधू ने कहा कि पिछले 7-8 सालों में उत्तर प्रदेश ने अद्भुत विकास किया है। वहीं, पाकिस्तान को चुनौती देते हुए बोले कि बॉर्डर पर बैठे हैं सरदार..सुधर जा पाकिस्तान नहीं तो ठोकेंगे बार-बार।

सीएम ने कहा कि ये छात्र सौभाग्यशाली हैं, जिन्होंने पहले साल में एडमिशन लिया है। हमारी सरकार ने 2020 में एक व्यवस्था बनाई कि हम डिजिटली सक्षम बनाने के लिए युवाओं को टेबलेट या स्मार्टफोन देंगे। अब तक 60 लाख युवाओं को सुविधा दी है और 2 करोड़ का लक्ष्य है। उप्र का युवा प्रतिभा और ऊर्जा से भरपूर है।

उन्होंने छात्रों से कहा जहां अन-ुशासन खत्म होता है वहां दुस्साशन शुरू होता है। दुस्साशन महाभारत का कारण बनता है और महाभारत सिर्फ विनाश लाता है।

एक संस्कारवान युवा ही देश के विकास में सहायक होता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे स्वयं को केवल डिग्री तक सीमित न रखें, बल्कि राष्ट्र निर्माण के एक जिम्मेदार घटक के रूप में खुद को विकसित करें।

याद करिए 8 साल पहले कोई उत्तर प्रदेश नहीं आना चाहता था। कोई सुरक्षित नहीं था न बेटी सुरक्षित

थी न व्यापारी। उपद्रव के माहौल में बेहतर भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता। भविष्य के सुनहरे सपने नहीं बुने जा सकते। इसके लिए उमंग का माहौल बनाना पड़ेगा। हमें उसके लिए बेहतरीन कानून चाहिए। आज प्रदेश में वैसा ही सुरक्षित माहौल है। आज उसी का परिणाम है कि 45 लाख करोड़ के निवेश मिले हैं। 15 लाख करोड़ के प्रस्ताव को जमीन पर उतारा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के पहले भारत ग्लोबल इन्वेस्टर्स इंडेक्स में 76वें स्थान पर था, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गया है। यह भारत की वैश्विक साख और निवेशकों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।

पूरी दुनिया सदी की सबसे बड़ी महामारी की चपेट में थी तब हमने पीएम के नेतृत्व में देश के अंदर नेशनल एजूकेशन सिस्टम को लागू करने की तैयारी चल रही थी और उसे लागू भी कर दिया गया। हर जिले में एजूकेशन सिस्टम में अच्छी रैंकिंग लेने के लिए एक नई प्रतिस्पर्धा शुरू हुई है। यूपी के दो विवि को ए प्लस रैंकिंग मिली है।

उन्नाव की जब हम बात करते हैं तो इसे साहित्यिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक द्रष्टि से कलम और कौशल के लिए जाना जाता है। इस जिले को मां गंगा के आशीर्वाद और चंद्रिका देवी मंदिर जैसी पावन धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने राजा राव राम बक्श सिंह को श्रद्धा-पूर्वक याद करते हुए कहा कि यह वही धरती है जहां से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांति की ज्वाला फूटी थी।

सांसद साक्षी महाराज ने चंद्रशेखर आजाद की तस्वीर सीएम को देकर मंच पर स्वागत किया। लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 2500 करोड़ रुपये की लागत से 63 एकड़ में इस यूनिवर्सिटी का निर्माण हुआ है। सीएम ने यूनिवर्सिटी में एसएएस और केपीएमजी के सहयोग से स्थापित दो एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) और सेंटर फॉर यूनिवर्सल बिजनेस एंड एंटरप्रेन्योरशिप (क्यूब) का भी उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह में यूपी सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, टेक्नोलॉजी एवं निवेश मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, सांसद (राज्यसभा) और चांसलर सतनाम सिंह संधू, उन्नाव सांसद साक्षी महाराज, यूनिवर्सिटी के एमडी जय इंदर सिंह संधू और प्रो-चांसलर प्रो. हिमानी सूद सहित देश-विदेश की 20 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद हैं।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश ने गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, केपीएमजी, पीडब्ल्यूसी, एनएसई, एसएएस, क्रिक हील और ग्रांट थॉर्नटन जैसी 20 से अधिक भारतीय और वैश्विक कंपनियों के साथ एमओयू साइन किए हैं। ये कंपनियां यूनिवर्सिटी में इंडस्ट्री-कोलेबोरेटिव प्रोग्राम्स चलाएंगी।

भारत की पहली एआई यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी आधारित शिक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। एआई यूनिवर्सिटी में पारंपरिक शिक्षा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ा जाएगा। यहां पढ़ाई के हर पहलू में एआई की मदद ली जाती है, जैसे कोर्स डिजाइन, पढ़ाने का तरीका, डेटा एनालिटिक्स, स्टूडेंट असिस्टेंस और रिसर्च आदि। यहां पढ़ाई का तरीका एआई पर आधारित होगा और हर स्टूडेंट को अख ट्यूटर मिलेंगे। ये ट्यूटर छात्रों की पढ़ाई, कमजोरी और ताकतों का विश्लेषण करके उन्हें कस्टम लर्निंग मैप देंगे। इससे हर छात्र अपनी गति से सीख सकेगा।

सिर्फ कंप्यूटर साइंस नहीं, बल्कि एग्रीकल्चर, साइकोलॉजी, आर्ट्स, कॉमर्स, बिजनेस मैनेजमेंट और मेडिकल फील्ड्स में भी एआई का समावेश होगा।

छात्रों को अत्याधुनिक एआई लैब्स का एक्सेस, जहां वे मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, डेटा साइंस, एनएलपी और कंप्यूटर विजन जैसी तकनीकों पर काम कर सकेंगे। यहां पर सभी कोर्सेज एआई आधारित टेक्नोलॉजी की मदद से संचालित किए जाएंगे। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी 63 एकड़ में बनाई गई है। कैंपस में 45 कोर्स संचालित किए जाएंगे। यहां टीचर्स के साथ रोबोटिक मॉडल्स की भी पढ़ाई में मदद ली जाएगी।

धर्मांतरण के आरोपी छांगुर के भतीजे सबरोज का ठिकाना भी तबाह

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण के सरगना छांगुर उर्फ जमालुद्दीन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है। शनिवार को छांगुर के भतीजे सबरोज के ठिकानों पर प्रशासन का बुलडोजर गरजा और सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण को ढहा दिया।

इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। गैडास बुजुर्ग थाना क्षेत्र के रेहरा माफी में सबरोज का ठिकाना सरकारी जमीन पर बनाया गया था। वहीं, छांगुर के करीबियों पर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई भी जारी है।

अवैध मकान को ढहाने की स्थिति का जिलाधिकारी व

पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि नवीन परती की जमीन पर सबरोज ने मकान बनाया था। चेतावनी के बाद भी सबरोज ने अवैध निर्माण नहीं हटाया। इस पर प्रशासन ने शनिवार को अवैध अतिक्रमण हटा दिया है। डीएम ने कहा कि इसके साथ ही सरकारी जमीन से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे।

छांगुर का गिरोह राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी जुटा था। देश भर में अपने अवैध कारनामों का जाल बुना था। इसमें तीन हजार से अधिक लोगों को शामिल किया था। छांगुर के कई राज तो सामने आ चुके हैं, लेकिन उसके देश के संदिग्ध या प्रतिबंधित संस्थाओं से ताल्लुक की छानबीन हो रही है।

छांगुर ने दुबई, सऊदी, तुर्की जैसे देशों में अपनी पहुंच बनाई थी। इससे माना जा रहा है कि उसके सबंध उन संस्थाओं से भी रहे हैं कि जो देश में अशांति फैला रही हैं। देश में छांगुर का नाम सर्वाधिक धर्मांतरण कराने में दर्ज हो चुका है।

छांगुर बाबा से पीड़ित कई जिलों में शिकायतें कर रहे हैं। कार्रवाई होने के बाद लोगों के हौसले बुलंद हुए हैं, जिससे छांगुर के करतूत और उनसे जुड़े लोगों का नाम उजागर हो रहा है।

समाजवादी कार्यकर्ताओं ने शुरू की पीडीए पाठशाला

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि पीडीए पाठशाला चलाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का काम किया जाएगा। अखिलेश ने अपील की थी कि समाजवादी साथी उन गांवों में टीम बनाएं जहां स्कूल बंद हो रहे हैं। उन्होंने पढ़े-लिखे नौजवानों, पार्टी समर्थकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों से अपील की है कि वे पीडीए पाठशाला बनाकर बच्चों को पढ़ाएं और उनका भविष्य संवारें। इसी कड़ी में तहसील क्षेत्र के भादर ब्लॉक के स्माइलपुर ग्रामसभा के रायपुर गांव में सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव की अगुवाई में एक पेड़ के नीचे पीडीए पाठशाला लगाई गई। जहां आसपास के गांव के बच्चों को एकजुट कर पढ़ाया गया। अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। समाजवादी सरकार बनने पर बंद किए गए स्कूलों को और बेहतर तरीके से पुनः खोला जाएगा।

करगिल विजय दिवस : आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन: सीएम योगी

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। करगिल विजय दिवस 2025 के अवसर पर लखनऊ की करगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। इस दिन भारत ने ऑपरेशन विजय को पूर्ण करते हुए पाकिस्तान को धूल चटाकर दुनिया को हैरान कर दिया था। हम भारत के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं। ये दिन भारत की सेना के शौर्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि करगिल युद्ध पाकिस्तान ने भारत पर थोपा था जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर जवानों ने दिया। कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी जहां का तापमान

माइनस 50 डिग्री होता है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के कायरों को धूल चटा दी। उस समय पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ अमेरिका गए और भारत पर दबाव डालने की कोशिश पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि अमेरिका हो या दुनिया की कोई भी ताकत भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा और अंत में पाकिस्तान को आत्म समर्पण करना पड़ा और घुसपैठियों को भागना पड़ा। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

अलीगढ़ में कारोबारी की कार में हत्या, 7 गोलियां मारी

अलीगढ़, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ के हरदुआगंज में प्रापर्टी डीलर व ट्रांसपोर्टर सोनू की हत्या करने आए हमलावरों ने सोनू के चेहरे पर ही सात गोलियां दागीं। जिससे उसका चेहरा व सिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ और मौत हो गई। यह खुलासा पोस्टमार्टम में हुआ है।

दूसरी सबसे खास बात ये कि सातों गोलियां सोनू की बगल की सीट पर बैठे हमलावर ने ही मारी हैं। बाहर खड़े हमलावर द्वारा चलाई गई गोली शायद सोनू को नहीं लगी। उससे बस गाड़ी के शीशे टूटे हैं।

पोस्टमार्टम से मिली जानकारी के अनुसार, सोनू को जो सात गोलियां लगीं। वह सातों ड्राइवर के बगल वाली साइड से ही लगीं। चार गोलियां चेहरा

और सिर व गर्दन के हिस्से में फंसी मिलीं, जिसमें पहली गोली कंधे में फंसी मिली। इसके बाद दो गोलियां सिर में कनपटी की साइड से फंसी मिलीं।

एक गोली गर्दन में फंसी मिली। इसके अलावा तीन गोलियों में से एक सिर के आर पार हुई, जबकि दो माथे व कनपटी को छूती हुई निकली हैं। जिससे पूरा चेहरा व सिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके अलावा घटनास्थल पर चार गोलियां फ्रंट साइड से गाड़ी में लगी हैं, जिनसे पीछे तक का शीशा क्षतिग्रस्त हुआ। एक गोली से सोनू के बगल का शीशा भी क्षतिग्रस्त हुआ।

अलीगढ़ के तालानगरी इलाके में शुक्रवार सुबह सांसद के करीबी, भाजयुमो के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष एवं प्रॉपर्टी डीलर सोनू चौधरी (45) की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत फैल गई। बाइक सवार दो हमलावरों ने गांव से निकलते ही कार सवार प्रॉपर्टी डीलर को रोककर दिनदहाड़े इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया।

प्रॉपर्टी डीलर को सात गोलियां मारी गई। वारदात की खबर पर एसएसपी सहित पुलिस टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। हालांकि शाम तक परिवार की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई थी, मगर पुलिस की तीन टीमें पुरानी रंजिश, व्यापारिक व राजनीतिक पहलुओं पर जांच कर रही हैं।

सोनू चौधरी हरदुआगंज मंडल में भाजयुमो का मंडल उपाध्यक्ष रह चुका था। हरदुआगंज क्षेत्र में तालानगरी से सटे गांव कोंडरा के शैलेंद्र सिंह उर्फ सोनू चौधरी पेशे से प्रॉपर्टी डीलर था। साथ में उसका अपना ट्रांसपोर्ट का भी व्यापार था।

भाजपा से जुड़ा सोनू सांसद सतीश गौतम का काफी करीबी माना जाता था।

सीओ सदर धनंजय के अनुसार, परिवार वालों से अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक सुबह करीब 9:30 बजे सोनू अपनी क्रेटा कार में सवार होकर गांव से निकला।

कांग्रेस ओबीसी की विश्वासपात्र पार्टी नहीं: मायावती

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि कांग्रेस ओबीसी समाज की विश्वासपात्र पार्टी नहीं है। कांग्रेस के दिल में कुछ है जुबान पर कुछ है। उन्होंने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही हाल है। मायावती के बयान को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में रहते हुए जाति जनगणना न करवाना कांग्रेस की गलती थी। आगे उन्होंने ये भी कहा था कि जो काम ओबीसी के लिए अब तक नहीं कर पाया उसे दोगुनी स्पीड से करूंगा। मायावती ने बयान दिया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका संवैधानिक हक दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है।

वास्तव में उनका यह बयान उसी तरह से जगजाहिर है जैसा कि देश के करोड़ों शोषित, वंचित व उपेक्षित एससी/एसटी समाज के प्रति कांग्रेस पार्टी का ऐसा ही दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण रवैया लगातार रहा है और जिस कारण ही इन वर्गों के लोगों को फिर अन्ततः अपने आत्मसम्मान व स्वाभिमान तथा अपने पैरों पर खड़े होने की ललक के कारण अलग से अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी बनानी पड़ी है। कुल मिलाकर इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी यूपी सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है और अब सत्ता गंवाने के बाद इन्हें इन वर्गों की याद आने लगी है जिसे इनकी नीयत व नीति में हमेशा खोट रहने की वजह से घड़ियाली आंसू नहीं तो और क्या कहा जाएगा, जबकि वर्तमान हालात में बीजेपी के एनडीए का भी इन वर्गों के प्रति दोहरे चरित्र वाला यही चाल-ढाल लगता है। उन्होंने आगे कहा कि वैसे भी एससी/एसटी वर्गों को आरक्षण का सही से लाभ व संविधान निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं करने तथा देश की आजादी के बाद लगभग 40 वर्षों तक ओबीसी वर्गों को आरक्षण की सुविधा नहीं देने तथा सरकारी नौकरियों में इनके पदों को नहीं भरकर उनका भारी बैकलॉग रखने आदि के जातिवादी रवैयों को भला कौन भुला सकता है, जो कि इनका यह अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है। इतना ही नहीं बल्कि इन सभी जातिवादी पार्टियों ने आपस में मिलकर एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को किसी ना किसी बहाने से एक प्रकार से निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी ही बना दिया है। इस प्रकार दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़ों के बहुजन समाज को सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक तौर पर गुलाम व लाचार बनाए रखने के मामलों में सभी जातिवादी पार्टियां हमेशा से एक ही थैली के चट्टे-बट्टे रहे हैं।

जबकि अम्बेडकरवादी पार्टी बीएसपी सदा ही इन वर्गों की सच्ची हितैषी रही है और यूपी में चार बार बसपा के नेतृत्व में रही सरकार में सर्वसमाज के गरीबों, मजलूमों के साथ-साथ बहुजन समाज के सभी लोगों के जानमाल व मजहब की सुरक्षा व सम्मान तथा इनके हित एवं कल्याण की भी पूरी गारंटी रही है। अर्थात् देश के बहुजनों का हित केवल बीएसपी की आयरन गारंटी में ही निहित है। अतः खासकर दलित, आदिवासी व अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी समाज) के लोग खासकर कांग्रेस, सपा आदि इन विरोधी पार्टियों के किसी भी बहकावे में नहीं आयें यही उनकी सुख, शान्ति व समृद्धि हेतु बेहतर है।

सावन में आस्था और देशभक्ति का संगम : लखीमपुर खीरी के सिंगाही से निकली अनोखी कांवड़ यात्रा

लखीमपुर खीरी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सावन माह में कांवड़ यात्रा के अलग-अलग रंग दिखाई दे रहे हैं। शिवभक्ति से सराबोर कांवड़ियों में आस्था के साथ देशभक्ति का संगम देखने को मिल रहा है। लखीमपुर खीरी के सिंगाही से ऐसी ही तस्वीरें सामने आई हैं, जहां 151 फीट लंबे तिरंगे को लेकर अनोखी कांवड़ यात्रा निकाली गई। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान कांवड़िये भजनों पर नाचते-गाते हुए चल रहे थे।

सिंगाही कस्बे के मोहल्ला भेड़ौरा से

शनिवार को कस्बे के कांवड़ियों का पांचवां जत्था रवाना हुआ। मोहल्ले के गौरी बाबा मंदिर पर वैदिक पूजन और मंत्रोच्चारण के बाद सभी कांवड़िये कांवड़ दुर्गा माता मंदिर पहुंचे, जहां पर माथा टेक कर मेन बाजार से होकर बोल बम का जयकारा लगाते हुए गोला गोकर्णनाथ के लिए निकले। इसके बाद निघासन-सिंगाही रोड के किनारे स्थित सरयू नदी से पवित्र जल लेकर आगे के लिए रवाना हो गए। इस कांवड़ यात्रा में सबसे बड़ा आकर्षण 151 फीट का लंबा तिरंगा ट्रालीनुमा स्ट्रक्चर पर सजाया गया है। इसके साथ ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी शामिल किया गया है जो गोला गोकर्णनाथ तक जाएगा। कांवड़ियों की विदाई के दौरान पूर्व चेयरमैन प्रदीप कुमार पुरवार, भाजपा नेता सुनील बत्रा, पूर्व प्रधान श्रीराम सिंह, सभासद आशीष भण्डारी, प्रभात शुक्ल, ध्रुव दिवाकर, पूर्व सभासद जोगेंद्र शाक्य, इतवारी शाक्य कांवड़ कमेटी पदाधिकारी , जीतू विश्वकर्मा, रूपेश सिंह सहित भारी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

पराई चीज

एक रात सर्कस देखने गए राहुल को रुपयों से भरा पर्स मिला, जिससे चॉकलेट और न जाने क्या-क्या खरीदा जा सकता था...।

शहर में हर वर्ष की तरह इस बार भी सर्कस लगा। राहुल और गौरव सपरिवार सर्कस देखने पहुंचे। सभी सर्कस का आनंद लेने के बाद घर के लिए निकले तभी राहुल को एक पर्स गेट के पास पड़ा मिला, जिसे उसने जेब में रख लिया। राहुल ने घर आकर पर्स देखा, उसमें पांच-पांच सौ के तीन नोट, सौसौ के दो नोट, पचास का एक और कुछ चिल्लर भी था। साथ ही पर्स के मालिक का पहचान पत्र भी था।

'वाह, इतने पैसे...! इनसे तो कई महीने ऐश की जा सकती है।' राहुल ने सोचा।'

'इनसे ढेर सारी चॉकलेट लूंगा। खुद तो खाऊंगा दोस्तों को भी दूंगा तो अपनी धाक जमेगी।' फिर सोचने लगा, 'पर इसे छुपाकर रखूं कहां?'

राहुल असंमजस में पड़ गया। सोच विचार करके आखिर उसने पर्स को अपने सिरहाने के नीचे रख लिया, पर उसे रात भर नींद नहीं आई।

उसके दिल से आवाज सुनाई दी, 'अगर इस पर्स की जगह पापा का पर्स होता तो? वह कितने परेशान होते? ऐसे ही वो भी अंकल परेशान हो रहे होंगे।'

रातभर इस उधेड़बुन में वह सो न सका। सुबह होते ही मम्मी के पास गया और बोला, 'मम्मी, मैं आप से एक बात कहना चाहता हूं।'

'बोलो बेटा।' मम्मी ने कहा।

'मुझे सारी रात नींद नहीं आई मम्मी। रात में सर्कस से आते हुए मुझे एक पर्स मिला, जिसे मैंने उठाकर रख लिया है।'

'फिर ?'

'पर्स में बहुत सारे पैसे हैं। पहले तो उन पैसों को खुद पर खर्च करने का सोचा था, पर रातभर नींद नहीं आई। आप ही रखिए इसे।'

इतनी बात कह कर राहुल ने पर्स मम्मी को थमा दिया।

मम्मी ने पर्स खोल कर देखा। रुपये और अन्य कागजात थे उसमें।

मम्मी ने उसे कहा, 'बेटा, ये आपके पैसे नहीं थे न, इसलिए आपको नींद नहीं आई। ये पैसे हैं बलकार सिंह, ओहदा क्लर्क, निवासी....।'

'मम्मी, मैं चाहता हूं कि हम इस व्यक्ति को पर्स देने के लिए उन्हें घर पर बुलाएं।'

'नहीं, नहीं। मैं और पापा दे आएंगे।'

'ठीक है।' कहकर राहुल अपने कमरे में पढ़ने के लिए चला गया। पर उसका मन पढ़ने में नहीं लग रहा था, तो बोला 'मम्मी, पापा तो अभी दो घंटे के बाद आएंगे। चलो हम दोनों दे आते हैं न पर्स।'

'अच्छा, चलो चलते हैं। बात भी सही है, वे लोग परेशान भी हो रहे होंगे।'

कुछ ही देर में वो लोग पर्स वाले व्यक्ति के घर पहुंच गए। डोर बैल बजाने पर जिस व्यक्ति ने दरवाजा खोला, वह वही पर्स वाला व्यक्ति ही था। राहुल और मम्मी ने उसे झट पहचान लिया।

उस व्यक्ति ने राहुल और उसकी मम्मी को बड़े आदर के साथ डायनिंग हॉल में बैठाया। उनसे परिचय करने को ही हुआ था कि राहुल ने झट से पूछ लिया, 'अंकल जी, आपका कुछ गुम तो नहीं हुआ?'

'मेरा?...हां हां। कल मेरा पर्स कहीं गिर गया। काफी खोजने पर भी नहीं मिला। उसमें रुपयों के अलावा मेरे कुछ जरुरी कागजात थे।'

राहुल ने झट अपनी जेब से पर्स निकाला। उनको थमाता हुआ बोला, 'कहीं यही तो नहीं है आपका पर्स ?''

वो सज्जन खुशी से उछल पड़े, 'अरे वाह वाह। यही है। धन्यवाद बेटा। कहां से मिला था आपको यह?'

राहुल और उसकी मम्मी ने सब कुछ बताया।

'बेटा, आज के जमाने में तुम्हारे जैसे ईमानदार बच्चे भी हैं। ये लो पांच सौ रुपए। तुम्हारा इनाम।''

'अंकल जी, माफ मरना। इन रुपयों पर मेरा कोई हक नहीं है। चाहता तो मैं ये पूरा पर्स ही आपको न लौटाता, लेकिन मुझे इस तरह मिले रुपयों की ज़रूरत नहीं है। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि आप का पर्स आपके पास आ गया है।'

उस आदमी ने राहुल को प्यार से गले लगा लिया और अपने घर से एक सुंदर तोहफा देकर उसे विदा किया। घर आते समय राहुल को बड़ा अच्छा महसूस हो रहा था, मानों कितना भारी बोझ उसके सिर से उतर गया हो।

शाम को पापा घर आए। उन्हें सारी बात बताई। पापा ने राहुल को शाबाशी दी और बोले, 'पराई चीज मन का चैन खो देती है। तुमने अंकल को उनका पर्स लौटा कर अच्छा किया है।'

उस रात राहुल को बहुत अच्छी नींद आई।

कविता

फोन की घंटी

ट्रिन-ट्रिन-ट्रिन-ट्रिन बज गई घंटी,
सुन कर दौड़ के आया बन्टी।

फोन उठा कर बोला हैलो,
आओ मेरे संग में खेलो।

आगे थे पापा के बॉस,
करनी थी कुछ बातें खास।

बॉस तो पूरे गुस्से में थे,
उनको तो बस लड़ना ही था।

पर जब सुना बंटी को ऐसे,
भाग गया सब गुस्सा जैसे।

बोला, बेटा तुम आ जाओ,
पापा को भी साथ में लाओ।

हम तीनों मिलकर खेलेंगे,
तुमको आइसक्रीम भी देंगे।

खुश हो गए सारे ही सुनकर,
बंटी खुश अंकल से मिलकर।

अंतर ढूढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको आठ अंतर दिखाई देंगे। तो जमाइए नजरें और खोज निकालिए वे आठ अंतर...

जाने ये भी

बताओ तो जाने!

1. ब्लैकबेरी फोन की निर्माता कंपनी कौन-सी है?
2. आइसक्रीम कैपिटल ऑफ इंडिया भारत के किस शहर को कहते हैं?
3. रमन मैग्सेसे अवार्ड पाने वाले प्रथम भारतीय कौन थे?
4. सांप सूंघने के लिए अपने शरीर के किस भाग की मदद लेते हैं?
5. भारतीय रेल में प्रथम पूर्णतया ए.सी ट्रेन कौन सी चली थी?
6. भारत रत्न से सम्मानित प्रथम व्यक्ति कौन थे?
7. सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी का नाम बताएं।
8. पीपली लाइव फिल्म के निर्देशक का नाम बताएं।
9. पहली भारतीय महिला कैबिनेट मंत्री कौन थी?
10. टी.वी. पर प्रसारित होने वाले प्रथम भारतीय सोप ओपेरा कौन-सा है?
11. भारत में पहली जनगणना कब की गई थी?
12. चंदौली नेशनल पार्क किस राज्य में स्थित है?
13. भारत में वन संरक्षण अधिनियम कब लागू किया गया था?
14. वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स कांउसिल का मुख्यालय कहां है?
15. राज्यसभा में पहली बार किस न्यायाधीश के विरूद्ध महाभियोग प्रस्ताव पारित हुआ?

उत्तर-1.रिम (reasearch in motion) RIM 2.अहमदाबाद 3.विनोबा भावे 4.जीभ 5.राजधानी एक्सप्रेस 6.सी.राजगोपालाचारी 7.सचिन तेंदुलकर 8.अनुषा रिजवी 9.राजकुमारी अमृत कौर 10.हम लोग 11.1872 में 12.महाराष्ट्र 13.वर्ष 1980 14.जिनेवा 15.सौमित्र सेन

क्यों आता है तूफान

जब नमी से भरी हुई ढेर-सी गर्म हवा तेजी से ऊपर की ओर उठती है तब तूफान आते हैं। तुमने तूफान की शुरुआत से पहले हवा को तेज होते हुए देखा होगा। जब बादल को बड़े होते जाते हैं और गहरे होते हुए आसमान में अंधेरा छाने लगता है। ये तूफान के लक्षण हैं। बादलों के अंदर पानी के कण तेजी से घूमते हैं और आपस में टकराते हैं, जिससे बिजली पैदा होती है। बिजली पैदा होने का काम तब-तक चलता रहता है जब तक वह बड़ी-सी चिंगारी बनकर एक बादल से दूसरे बादल तक होती हुई धरती तक जोरदार चमक बन कर कौंध नहीं जाती।

तेनालीराम का हिस्सा

तेनालीराम अपनी हाजिरजवाबी के लिए जाने जाते हैं। ऐसा ही एक और किस्सा है तेनालीराम के पिटारे से...तो पढ़िए जरा क्या है पूरा माजरा!

विजय नगर के राजा कृष्णदेवराय जब युद्ध में विजयी होकर लौटे तो उन्होंने सभी दरबारियों को एक शानदार दावत दी और महल के एक कोने में नाना प्रकार के उपहारों का ढेर लगा दिया। उन्होंने दरबारियों से कहा कि दावत के बाद उपहारों के ढेर में से जिसको जो चीज पसंद आए, ले जाए।

दरबारियों ने राजा की आज्ञा का पालन किया। इत्तफाक से उस दिन तेनालीराम दारबार में विलंब से उपस्थित हुए। उपहार भी लगभग समाप्त हो चुके थे। मात्र चंदी की एक तश्तरी बची थी।

दरबार में उपस्थित होकर तेनालीराम ने देर से पहुंचने के लिए राजा से क्षमा मांगी और दावत उड़ाने लगा। जब दावत खा चुका तब दरबारियों में से एक ने तश्तरी की ओर इशारा करते हुए व्यंग्यात्मक लहजे में तेनालीराम से कहा, यह तुम्हारा हिस्सा है। तेनालीराम ने वह तश्तरी उठा ली और अपने अंगरखे में छिपा ली। राजा ने तेनालीराम को ऐसा करते देखकर पूछा, तेनाली! तुमने यह तश्तरी अंगरखे में क्यों छिपा ली? सबकी तरह तुम भी इस उपहार को खुले में लेकर जाओ।

इस पर चतुर तेनालीराम ने कहा, महाराज! आज तक मैं दरबार से थाली भरकर उपहार लेकर जाता रहा हूं। लेकिन इस तश्तरी को खाली ले जाते वक्त मुझे आपकी इज्जत का ख्याल रहेगा। क्योंकि लोग कहेंगे कि तेनालीराम को राजा ने एक तश्तरी दी और वह भी खाली। इसीलिए मैंने इसे मैंने इसे अपने अंगरखे में छिपा लिया है।

तेनालीराम की बुद्धिमत्ता से राजा कृष्णदेवराय बहुत प्रसन्न हुए और अपने गले में पड़ा मुक्ताहार उतारकर उसकी तश्तरी में डाल दिया।

चुटकुले

ग्राहक- एक किलो गाय का दूध देना।
दुकानदार- अरे, तुम्हारा बर्तन तो बहुत छोटा है।
ग्राहक- ठीक है, तो बकरी का ही दे दो।

अध्यापक ने राजू की कॉपी चैक करने के बाद पूछा-तुमने होमवर्क क्यों नहीं किया?
राजू ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया- क्योंकि मैं हॉस्टल में रहता हूं।

विदेश यात्रा से लौटकर आए मयंक ने अपने दोस्त से पूछा- यार, क्या मैं विदेशी जैसा दिखता हूं?
दोस्त- नहीं तो!
मयंक- तो फिर लन्दन में लोग क्यों पूछ रहे थे कि मैं विदेशी हूं या नहीं?

डॉक्टर(चिंटू से)- किसके लिए चश्मा बनवाना चाहते हो?
चिंटू- मास्टर जी के लिए। मैं उन्हें गधा दिखाई देता हूं।

पिता (पुत्र से)- क्या तुमने कभी नींद में कोई ऐसा काम किया है, जिससे मेरा सिर ऊंचा हुआ हो?
पुत्र- याद करके, हां पापा एक बार मैंने आपके सिर के नीचे 3 तकिए रखे थे।

अध्यापक(छात्र से)- पूरा सिलेबस याद है?
छात्र- मैडम, मैं जैसे ही पढ़ने बैठा तो लाइट चली गई, बाद में मैं इस डर से पढ़ने नहीं बैठा की कहीं मेरी वजह से फिर लाइट न चली जाए।

मां (बेटे से)- उठ जा कम्बख्त देख सूरज कब का निकल आया है।
बेटा (मां से)- तो क्या हुआ मां, वो सोता भी तो मुझ से पहले है।

रंग भरो

हैलो दोस्तो, मैं हूं एन्ड्रीलिना। मैं अपने घर का सारा काम करती हूं और वो भी फटाफट। तीन टी-सेट को एक साथ पकड़ सकती हूं। रंगों के बिना ये जरा जंच नहीं रहे। आप रंग भर कर तो देखिए...

पीएम ओली के भारत दौरे में सुपुर्दगी संधि पर हस्ताक्षर होने की नेपाल को उम्मीद

काठमांडू,26 जुलाई (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आयोजित गृह सचिव स्तर की बैठक में भाग लेकर यहां लौटे नेपाल प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल और भारत के बीच आपसी कानूनी सहायता और सुपुर्दगी संधि पर सहमति बनने की बात कही है। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जतायी है कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान इस पर हस्ताक्षर हो जाएगा।

नेपाल के गृह सचिव गोकर्णा मणि दुवाड़ी ने शनिवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि लंबे समय से जारी प्रयास के फलस्वरूप भारत और नेपाल के बीच सुपुर्दगी संधि को अंतिम रूप दे दिया गया है। विदेश मंत्रालय प्रधानमंत्री ओली के सितंबर में प्रस्तावित भारत दौरे में इस संधि पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में है।

नेपाल के गृह सचिव ने कहा कि पिछले कई वर्षों से नेपाल और भारत के बीच सुपुर्दगी संधि को लेकर कुछ मुद्दों पर विवाद चल रहा था जिस पर इस बार नई दिल्ली में हुई बैठक में सहमति बन गयी है। इस संधि का उद्देश्य सीमा पार होने वाले अपराध, आतंकवाद तथा आर्थिक आतंकवाद को लेकर सूचनाओं के आदान-प्रदान को बढ़ाना, जांचों और अभियोजन का समर्थन करना और अपराधियों के प्रत्यर्पण को सुविधाजनक बनाना है। इस समय दोनों देशों के बीच सुपुर्दगी संधि नहीं होने के कारण अपराधियों के प्रत्यर्पण को लेकर हमेशा ही विवाद उत्पन्न हो जाता है।

नई दिल्ली में विगत मंगलवार-बुधवार को आयोजित इस बैठक में नेपाल के प्रतिनिधिमंडल में नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल, राष्ट्रीय खुफिया विभाग और विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी भी शामिल थे। बैठक में सीमा पार से होने वाले अपराधों जैसे मानव तस्करी, नशीली दवाओं की तस्करी, तीसरे देश के नागरिकों के अवैध प्रवेश और आतंकवाद पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्ष खुली सीमा सुरक्षा को मजबूत करने, आपदा प्रबंधन सहयोग में सुधार करने और सीमा स्तंभों को बनाए रखने पर भी सहमत हुए।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों ने पुलिस अधिकारी को मौत के घाट उतारा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आतंकवादियों ने अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले में शुक्रवार को एक पुलिस अधिकारी को मौत के घाट उतार दिया। इसके अलावा पुलिस ने बन्नू के बस्याखेल इलाके में एक थाने पर देर रात हुए हमले को विफल कर दिया। करक के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने पुलिस अधिकारी को दुर्गम पहाड़ी इलाके में गोलियों से भून दिया। इसके बाद पहाड़ों की तरफ भाग गए। यह पुलिस अधिकारी अपने गृहनगर चपई बांदा जा रहा था। सुरक्षा बल के जवानों ने पुलिस अधिकारी की हत्या में शामिल आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी है। करक सिटी पुलिस लाइन में इस अधिकारी को अंतिम सलामी दी गई। इसके बाद पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के लिए चपई बांदा ले जाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार देररात बन्नू जिले के बस्याखेल इलाके में एक थाने पर हुए आतंकवादी हमले को विफल कर दिया। हमलावरों ने स्नाइपर राइफलों और घातक हथियारों का इस्तेमाल किया। यह हमला रात करीब 1:35 बजे पुलिस स्टेशन पर कब्जा करने के इरादे से किया गया। एक घंटे तक हुई गोलीबारी के बाद हमलावरों को भागने पर मजबूर कर दिया गया। इस घटना के कुछ घंटे बाद बन्नू में आतंकवादियों ने माजंगा इलाके में एक पुलिस चौकी को निशाना बनाने के लिए एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन का इस्तेमाल किया। एक क्वाडकॉप्टर से चौकी की इमारत की छत पर गोला-बारूद गिराया गया।

अमेरिका ने सीरिया में आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट के बड़े नेता और उसके दो बेटों को मार गिराया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को सीरिया में छापामार कार्रवाई में आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के एक वरिष्ठ नेता और उसके दो बेटों को मार गिराया। यह जानकारी अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की विज्ञप्ति में दी गई है। आईएसआईएस को इस्लामिक स्टेट (आईएस), इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवांट (आईएसआईएल), या दायश भी कहा जाता है। यह आतंकी इस्लामी समूह इराक और सीरिया में सक्रिय है। खबर के अनुसार, सेंटकॉम की विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईएस के वरिष्ठ नेता धिया जौबा मुस्लीह अल-हरदानी, उसके दो युवा पुत्र अब्दुल्ला धिया अल-हरदानी और अब्द अल-रहमान धिया जौबा अल-हरदानी अमेरिकी और गठबंधन सेनाओं के साथ-साथ नई सीरियाई सरकार के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। घटनास्थल पर मौजूद तीन बच्चों और तीन महिलाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ट्रंप प्रशासन राज्यों को रोकी गई 5.5 अरब डॉलर की शिक्षा निधि जारी करेगा

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने देश में नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले रोकी गई शिक्षा निधि (संघीय शिक्षा अनुदान) पर बड़ा फैसला लिया है। दोनों दलों के सांसदों के दबाव में प्रशासन ने राज्यों को 5.5 अरब डॉलर की शिक्षा निधि जारी करने की घोषणा की है। इस धनराशि से नई शिक्षकों की भर्ती करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अलावा शिक्षण कार्य में आ रही रुकावटें दूर होंगी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। अधिकारियों की इस घोषणा के बाद पास्को काउंटी के स्कूल अधीक्षक जॉन लेग ने कहा कि यह फैसला अच्छा है। यह संघीय शिक्षा अनुदान सोमवार तक स्कूलों को प्राप्त होने की उम्मीद है। प्रशासन ने शुक्रवार को जारी अधिसूचना में कहा कि कोई भी स्कूल इस धनराशि का बेजा उपयोग नहीं करेगा। शिक्षा विभाग किसी भी अस्वीकार्य गतिविधि के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगा। नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले रोकी गई संघीय शिक्षा निधि की वजह से फ्लोरिडा के कई स्कूलों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम और नई भर्ती रोक दी थी। ट्रंप प्रशासन के इस कदम के खिलाफ 20 से ज्यादा राज्यों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। इनमें कैलिफोर्निया, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क और इलिनॉय जैसे डेमोक्रेट शासित राज्य शामिल थे।

रूस को मिल रही अनेक मित्र देशों से मदद अमेरिकी बैन और यूरोपीय चेतावनी बेअसर

यह सहयोग भविष्य में भारत की सामरिक स्थिति पर भी डाल सकता है असर

मास्को,26 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस की रक्षा निर्माण क्षमताएं कमजोर नहीं हुई हैं क्योंकि उसे मित्र देशों से लगातार मदद मिल रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन द्वारा बनाए गए इंजन छद्म कंपनियों के जरिए से औद्योगिक शीतलन इकाइयों के रूप में रूस भेजे जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए कड़े प्रतिबंधों से बचना है।

बता दें रूसी हथियार निर्माता आईईएमजेड कुपोल ने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने गारपिया-एआई ड्रोन का उत्पादन तीन गुना कर दिया है। 2024 में जहां 2,000 ड्रोन तैयार किए गए थे, वहीं 2025 में 6,000 तक पहुंचने की योजना है। रिपोर्टों के मुताबिक अप्रैल 2025 तक रूस 1,500 से ज्यादा ड्रोन यूक्रेन में भेज कर नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमले करवा चुका है। हालांकि चीन ने आधिकारिक रूप से यह स्वीकार नहीं किया है कि उसने रूस को हथियार या ड्रोन तकनीक दी है, लेकिन मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक चीनी कंपनी ने प्रतिबंधित इंजनों की आपूर्ति रूसी कंपनी को की है।

इन इंजनों को शीतलक इकाइयों के रूप में बताया गया ताकि चीन के अंदर यह आपूर्ति नियमों की दृष्टि से गलत नहीं लगे। रिपोर्ट के मुताबिक इन इंजनों को पहले रूसी छद्म कंपनी एसएमपी-138 और फिर एलआईबीएसएस के जरिए से कुपोल तक पहुँचाया गया। यह पूरा तंत्र चीन की सरकारी एयरलाइनों के जरिए से संचालित हुआ, जो यह दर्शाता है कि चीन की राज्य-नियंत्रित संस्थाएं भी इस प्रक्रिया में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। बता दें हाल ही में यूरोपीय संघ और अमेरिका ने रूस के रक्षा उद्योग को कमजोर करने के लिए कई प्रतिबंध लगाए थे, जिनमें चीनी कंपनियां भी शामिल हैं। इसके बावजूद, कुपोल ने नई कंपनियों के जरिए ड्रोन निर्माण के लिए आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति तय कर ली। इस खुलासे के बाद यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि ने चीन से अपील की है कि वह रूस को सैन्य सहायता देने वाले व्यापार को रोके। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष भी इसी पृष्ठभूमि में चीन की यात्रा पर जा रही हैं। इस घटनाक्रम के कई गहरे भूराजनीतिक संदेश हैं। जैसे- चीन-रूस गठजोड़ एक बार फिर वैश्विक शक्ति संतुलन को चुनौती दे रहा है। साथ ही यूरोप की सुरक्षा सीधे तौर पर इस छद्म सहयोग से प्रभावित है। साथ ही चीन की दोहरी नीति और रूस-चीन सहयोग भविष्य में भारत की सामरिक स्थिति पर भी असर डाल सकता है। बता दें यूक्रेन युद्ध के चलते लगे पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस की हथियार उत्पादन क्षमता को बाधित करने का प्रयास किया है, लेकिन वास्तविकता शुरू से ही उलट दिखाई दे रही है। रूस न केवल अपनी सैन्य उत्पादन क्षमता बनाए रखने में सफल है, बल्कि उसने ईरान, उत्तर कोरिया और अब चीन जैसे देशों से गुप्त मदद प्राप्त कर अपने रक्षा उद्योग को और मजबूत किया है। चीन से पहले रूस को ड्रोन्स की आपूर्ति में ईरान की अहम भूमिका रही है। इसके अलावा, उत्तर कोरिया द्वारा गोला-बारूद और मिसाइलों की आपूर्ति की खबरें भी पश्चिमी एजेंसियों के हवाले से सामने आ चुकी हैं। यदि यह प्रवृत्ति यूं ही जारी रही, तो रूस की सैन्य उत्पादन क्षमता न केवल बनी रहेगी, बल्कि युद्ध को और लंबा खींचने में मदद भी मिलेगी। साथ ही, यह वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने वाला एक नया उदाहरण बनेगा।

पाक के बदले सुर कहा- टीआरएफ को आतंकी सूची में डालने पर हमे कोई आपत्ति नहीं पर.....

वॉशिंगटन। पहलगाम हमले का जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन टीआरएफ को अमेरिका ने आतंकी सूची में डाल दिया है। इससे पाकिस्तान तिलमिला गया है लेकिन ऊपरी तौर पर कह रहा है कि उसे इससे कोई दिक्कत नहीं है। हालांकि उसने चालाकी दिखाते हुए यह भी कह डाला कि टीआरएफ को लश्कर से जोड़ना गलत है। बता दें कि भारत और अमेरिका दोनों का मानना है कि यह आतंकी संगठन पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा का हिस्सा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि एक संप्रभु देश होने के नाते अमेरिका का टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करना ठीक है। हमें कोई दिक्कत नहीं है। हम इस बात का स्वागत करते हैं। अगर टीआरएफ इसमें शामिल है और उसके खिलाफ सबूत हैं तो फिर ठीक है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार इन दिनों अमेरिका में हैं। वहां पर उनकी अमेरिकी सचिव मार्को रुबियो से मुलाकात भी हुई है। हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि टीआरएफ को लश्कर-ए-तैयबा के साथ जोड़ना गलत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में टीआरएफ को काफी पहले खत्म कर दिया गया था। इसमें शामिल लोगों को सजा हुई थी। उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया था और पूरे संगठन को तहस-नहस कर दिया गया था।

मिस्र के पुरातत्वविदों ने 3,500 साल पुराने कब्रिस्तान की खोज की

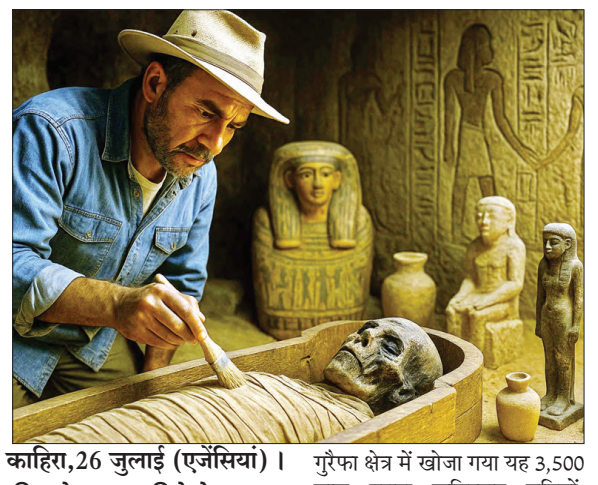

काहिरा,26 जुलाई (एजेंसियां)।

मिस्र के पुरातत्वविदों ने एक 3,500 साल पुराने कब्रिस्तान की खोज की है, जिसमें कई ममी, मूर्तियां और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुएं मिली हैं। इस खोज की सबसे खास बात बुक ऑफ द डेड (मृतकों की पुस्तक) की एक प्रति है, जो एक 43 फुट लंबे पपीरस स्क्रॉल पर लिखी गई है। इसे प्राचीन मिस्र के ग्रंथों का एक दुर्लभ और महत्वपूर्ण संग्रह माना जाता है, जो जीवन और आत्मा के मार्गदर्शन से जुड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, खोज से यह संकेत मिलता है कि प्राचीन मिस्रवासी दफनाने की विधि में पूरी तरह से निपुण थे, जिसमें मृतक के अंगों को रखने के लिए कैनोपिक जार और परलोक में मृतक की सहायता के लिए बुक ऑफ द डेड से स्क्रॉल शामिल थे। मध्य मिस्र के अल-गुरैफा क्षेत्र में खोजा गया यह 3,500 साल पुराना कब्रिस्तान ममियों, ताबीजों, मूर्तियों, कैनोपिक जार और 43 फुट लंबे पपीरस स्क्रॉल से भरा हुआ है। मिस्र की सर्वोच्च पुरावशेष परिषद के महासचिव मुस्तफा वजीरी ने बताया कि यह स्क्रॉल अल-गुरैफा क्षेत्र में पाया गया पहला पूर्ण पपीरस है और यह बहुत अच्छी स्थिति में है। वजीरी के अनुसार, यह कब्रिस्तान 1550 ईसा पूर्व से 1070 ईसा पूर्व के बीच का है। हालांकि यह क्षेत्र अपनी पुरातात्विक खोजों के लिए जाना जाता था, बुक ऑफ द डेड की इस प्रति की खोज ने विशेषज्ञों का विशेष ध्यान आकर्षित किया है। इस पुस्तक की लंबाई 43 से 49 फीट के बीच मानी जा रही है, लेकिन इसकी सामग्री के बारे में अभी तक सार्वजनिक रूप से अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। इस खोज पर जर्मनी के रोमर और पेलिजेअस संग्रहालय की सीईओ लारा वीस ने बताया कि यदि यह इतना लंबा और अच्छी तरह से संरक्षित है, तब यह निश्चित रूप से एक शानदार और दिलचस्प खोज है। शिकागो विश्वविद्यालय के मिस्र विज्ञानी फॉय स्कॉल्फ ने बताया कि जिस कब्र में इसे मूल रूप से दफनाया गया था।

इंसानी दिमाग अब भी एआई से आगे

कई लोग यह सोचने लगे हैं कि कहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी क्षमताओं से बेहतर न साबित हो जाए। हाल ही में एक ऐसी घटना सामने आई है, जो यह भरोसा दिलाती है कि इंसानी दिमाग अब भी एआई से आगे है। दरअसल, विश्व कोडिंग चैंपियनशिप 2025 में एक मानव प्रोग्रामर ने एआई मॉडल को हराकर सबको चौंका दिया और यह साबित कर दिया कि इंसानी रचनात्मकता और निर्णय लेने की क्षमता अभी भी मशीनों से अधिक शक्तिशाली है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाले प्रोग्रामर का नाम है प्रेजेमिस्लाव डेबियाक। वह पहले ओपन एआई में काम कर चुके हैं और तकनीक की दुनिया में पहले से ही जाना-पहचाना नाम हैं। डेबियाक ने इस चैंपियनशिप में अपनी तेज कोडिंग, रणनीतिक सोच और क्रिएटिव अप्रोच से एआई को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस मुकाबले में सिर्फ सही कोडिंग ही नहीं, बल्कि समस्याओं को सुलझाने की अनोखी सोच और लचीलापन भी बहुत मायने रखता था जो कि डेबियाक के पक्ष में गया। कोडिंग चैंपियनशिप की खास बात यह रही कि इसमें पहली बार किसी मानव को अत्याधुनिक एआई मॉडल के साथ मुकाबला करना पड़ा।

गोआना में रहने वाली छिपकली के ज्यादा जीवित रहने का राज है हड्डीदार कवच

सिडनी,26 जुलाई (एजेंसियां)। हालिया शोध से पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया की गोआना छिपकलियों की त्वचा के नीचे मौजूद एक खास प्रकार की हड्डी जैसी संरचना, जिसे ऑस्टियोडर्म्स कहा जाता है, ही इनके लंबे समय तक जीवित रहने की एक प्रमुख वजह रही है। इस शोध ने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। ऑस्टियोडर्म्स असल में त्वचा के नीचे स्थित छोटी-छोटी हड्डीनुमा प्लेटें होती हैं, जो छिपकलियों, मगरमच्छों और आर्मडिलो जैसे कुछ खास जीवों में पाई जाती हैं। पहले ऐसा माना जाता था कि इनका कार्य सिर्फ शरीर को बाहरी हमलों से बचाना होता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने यह स्पष्ट किया है कि ये संरचनाएं न केवल सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि तापमान नियंत्रण, गतिशीलता और अंडों को पोषण देने जैसे कई जरूरी कार्यों में भी मदद करती हैं। यह खोज इस बात की ओर इशारा करती है कि किस प्रकार प्रकृति ने कुछ प्रजातियों को अनुकूलन की अद्भुत क्षमताएं दी हैं, जिससे वे कठोर परिस्थितियों में भी जीवित रह सकें। इस अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों की एक

अंतरराष्ट्रीय टीम ने काम किया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोप के विशेषज्ञ शामिल थे। इस टीम ने विश्व के प्रमुख प्राकृतिक इतिहास संग्रहालयों में रखे लगभग दो हजार से अधिक सरीसृप नमूनों का अध्ययन किया, जिनमें से कई 120 साल पुराने थे। पहले इस तरह की संरचनाओं का अध्ययन करना मुश्किल था क्योंकि नमूनों को काटना पड़ता था, जिससे वे नष्ट हो जाते थे। लेकिन इस बार वैज्ञानिकों ने माइक्रो-सीटी स्कैनिंग और रेडियोडेंसिटी हीटमैपिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया, जिससे इन हड्डियों को बिना नुकसान पहुंचाए उनके 3डी मॉडल तैयार किए गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पहले यह सोचा जाता था कि गोआना में ऑस्टियोडर्म्स बहुत कम या नहीं के बराबर होते हैं, लेकिन इस स्टडी में यह साबित हुआ कि ऑस्ट्रेलो-पापुआन गोआना की 29 प्रजातियों में ये संरचनाएं व्यापक रूप से मौजूद हैं। इस खोज से गोआना में ऑस्टियोडर्म्स को लेकर जानकारी लगभग पांच गुना बढ़ गई है। इससे यह निष्कर्ष निकाला गया कि लगभग आधी छिपकली प्रजातियों में इन हड्डीदार संरचनाओं का कोई न कोई रूप अवश्य होता है। गोआना लगभग दो करोड़ साल पहले ऑस्ट्रेलिया आए थे और तब से वहां के कठोर मौसम, शिकारी जीवों और संसाधनों की कमी जैसे कई संकटों से जूझते हुए आज तक जीवित हैं। अगर उस दौर में ऑस्टियोडर्म्स का विकास हुआ, तो ये संरचनाएं इनकी रक्षा प्रणाली, शरीर के तापमान नियंत्रण और प्रजनन प्रणाली में बेहद अहम भूमिका निभाती होंगी। यह खोज न केवल इन छिपकलियों के विकास की कहानी बयां करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि कैसे प्रकृति ने जीवों को अपनी रक्षा के लिए अनूठे उपाय दिए हैं। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया की विशालकाय मॉनिटर लिजर्ड, जिसे स्थानीय रूप से गोआना कहा जाता है।

2500 साल पहले मालदीव था बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र, अब है मुस्लिम देश

राजा धोवेमी ने अपनाया था इस्माल धर्म, मठों में आज भी हैं बौद्ध अवशेष

माले,26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के दक्षिण में हिंद महासागर में स्थित मालदीव साउथ एशिया का सबसे छोटा देश है। 1200 द्वीपों में फैले इस देश का क्षेत्रफल 298 वर्ग किलोमीटर है, पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर मालदीव पहुंचे। मालदीव का इतिहास करीब 2500 साल पुराना है। 5 लाख की आबादी वाले मालदीव में 98 फीसदी लोग मुस्लिम हैं, लेकिन करीब 900 साल पहले यह देश बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र था। 12 सदी में इस देश के राजा ने इस्लाम धर्म अपनाया था, जिसके बाद यह पूरी तरह मुस्लिम देश बन गया।

बात दें कुछ कहानियां बताती हैं कि मालदीव में प्राचीन राजतंत्र की नींव भारत के उड़ीसा के राजा ब्रह्मदित्य के पुत्र, बौद्ध राजा श्री सूरुदासरुण आदित्य ने रखी थी। ऐसा माना जाता है कि उन्हीं के शासनकाल में बौद्ध धर्म मालदीव पहुंचा। इतिहासकारों का मानना है कि बौद्ध धर्म 1000 सालों से ज्यादा समय तक मालदीव में प्रमुख धर्म था। इस दौरान मालदीव की संस्कृति, भाषा और प्राचीन धिवेही लिपि का विकास हुआ। मालदीव में कई द्वीपों पर आज भी बौद्ध मठों और संरचनाओं के अवशेष मौजूद हैं। इन्हें लोकल भाषा में हवित्ता या उस्तुबु कहा जाता है।

मालदीव में इस्लाम का प्रवेश 9वीं और 10वीं शताब्दी में अरब व्यापारियों के जरिए से हुआ था। मालदीव के अंतिम बौद्ध राजा धोवेमी ने साल 1153 में

इस्लाम धर्म अपना लिया था। धोवेमी को सुल्तान मुहम्मद इब्ने अब्दुल्लाह का नाम दिया गया। इसके साथ ही मालदीव में इस्लामिक शासन की शुरुआत हुई। इस्लामिक शासन के तहत मालदीव में 6 राजवंशों का शासन रहा, जो 1968 तक रहा। 2008 में मालदीव के नए संविधान ने इस्लाम को आधिकारिक धर्म घोषित किया और नागरिकता के लिए इस्लाम को अनिवार्य बना दिया गया। बताया जाता है राजा धोवेमी के वक्त मालदीव में एक समुद्री राक्षस रन्नामारी का आतंक था। इस राक्षस को शांत करने के लिए हर महीने एक कुंवारी कन्या की बलि दी जाती थी। राजा हर महीने एक लॉटरी के जरिए एक लड़की को चुनता था। इसके बाद उस लड़की को रन्नामारी के लिए एक मीनार में रखा जाता था और अगले दिन वह मरी हुई मिलती थी। एक बार जब एक परिवार की इकलौती बेटी की बलि के लिए चुना गया, तो परिवार बहुत दुखी हुआ। अबु अल-बरकात उस परिवार के घर ठहरे हुए थे। उन्होंने उस लड़की की जगह खुद मीनार में रात बिताने की बात कही। उस रात उन्होंने मीनार में इस्माल की पवित्र किताब कुरआन की आयतें पढ़ीं। जब रन्नामारी आया, तो कुरआन की आयतें सुनकर वह भाग गया। सुबह अबु अल-बरकात जीवित और सुरक्षित मिले। राजा धोवेमी ने अबु अल-बरकात से पूछा कि क्या वे रन्नामारी को हमेशा के लिए भगा सकते हैं। राजा ने वादा किया कि अगर राक्षस हमेशा के लिए भाग गया, तो वह और पूरा देश इस्लाम कुबूल कर लेगा। इसके बाद रन्नामारी फिर कभी नहीं लौटा। अपने वादे के मुताबिक राजा धोवेमी ने इस्लाम कुबूल किया और देश में इस्लाम का प्रचार-प्रसार किया। मालदीव पर अलग-अलग समय पर कई विदेशी शक्तियों का प्रभाव रहा है। 1558 में पुर्तगालियों ने मालदीव पर कब्जा किया और करीब 15 सालों तक राजधानी माले पर कंट्रोल रखा। 1573 में इसे पुर्तगाल से आजादी मिली। इसके अलावा 1887 में मालदीव ने ब्रिटिश शासन के साथ एक समझौता किया, जिसके तहत मालदीव ने अपनी आंतरिक स्वायत्तता बनाए रखी, लेकिन विदेश नीति और रक्षा ब्रिटिश कंट्रोल में थी।

कोपा अमेरिका (महिला): 10 खिलाड़ियों वाली ब्राजील ने कोलंबिया को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

क्विटो,26 जुलाई (एजेंसियां)। कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप बी के अंतिम मुकाबले में शुक्रवार को ब्राज़ील ने एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए कोलंबिया को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया। यह मैच गोलरहित ड्रॉ रहा, जबकि कोलंबिया को 70 मिनट तक एक अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ खेलने का फायदा नहीं मिल सका।

मैच का टर्निंग पॉइंट 21वें मिनट में आया, जब ब्राज़ील की गोलकीपर लोरेना को रेड कार्ड दिखाया गया। कोलंबिया की लिंडा कैईसेडो के तेज़ काउंटर अटैक के दौरान लोरेना ने बॉक्स से बाहर आकर हैंडबॉल किया, जिसके बाद रेफरी मिलाग्रोस अरुएला ने सहायक रेफरी मिरियाना अकीनो से सलाह लेकर उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बाद ब्राज़ील ने सब्स्टीट्यूट गोलकीपर क्लाउडिया को मैदान पर उतारा।

कोलंबिया के पास कई मौके थे लेकिन वैलेरिन लोबोआ और मायरा रामिरेज़ के प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। मैच के बाद लोबोआ ने कहा, यह बहुत मुश्किल और थकाने वाला मुकाबला था। हम जीतना चाहते थे, लेकिन अब हमें सेमीफाइनल की तैयारी पर ध्यान देना है।

दूसरी ओर, ब्राज़ील ने रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए दूसरे हाफ में कुछ काउंटर अटैक किए। यास्मिन, गाबी पोर्टिल्हो और डुडिन्हा ने गोल करने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। यास्मिन का एक फ्री किक इंजरी टाइम में क्रॉसबार से टकराया और गोल में तब्दील नहीं हो सका।

गोलरहित ड्रॉ के बावजूद ब्राजील की खिलाड़ी पोर्टिल्हो ने टीम के प्रदर्शन पर गर्व जताया। उन्होंने कहा, हम जानते थे कि यह मुकाबला बहुत कठिन होगा, लेकिन एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद हम इस नतीजे से खुश हैं। अब हमें सेमीफाइनल की तैयारी करनी है।

हालांकि यह मुकाबला नॉकआउट पर असर नहीं डालेगा क्योंकि दोनों टीमें पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी थीं। ग्रुप बी में शीर्ष पर रही ब्राजील अब मंगलवार को उरुग्वे से भिड़ेगी, जबकि कोलंबिया, जो आठ अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रही, सोमवार को ग्रुप ए की विजेता अर्जेंटीना से सेमीफाइनल खेलेगी।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी शर्मा, वेन्नाला कलागोटला ने जीते कांस्य पदक

नई दिल्ली। बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में भारत का अभियान शनिवार को इंडोनेशिया के सोलो में तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोटला की महिला एकल सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। तन्वी और वेन्नाला दोनों ने कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के इतिहास में पहली बार, भारत ने एक ही संस्करण में दो महिला एकल पदक हासिल किए हैं।दो गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के बीच पहले सेमीफाइनल में चीन की सी या लियू ने वेनाला को 37 मिनट में 21-15, 21-18 से हराया। लियू ने पहले गेम में 14-7 की बढ़त बना ली थी, लेकिन वेनाला ने अगले 11 में से 8 अंक जीतकर अंतर कम कर दिया। हालांकि, लियू ने लगातार 4 अंक जीतकर पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम भी कड़ा मुकाबला रहा, जब तक स्कोर 15-14 था, फिर लियू ने बढ़त बना ली और आखिरकार अपना चौथा मैच पॉइंट गोल में बदलकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। दूसरे सेमीफाइनल में जूनियर विश्व नंबर एक खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने महत्वपूर्ण क्षणों में कुछ अप्रत्याशित गलतियां कीं और इसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ी, क्योंकि वह 8वीं वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी यिन यी किंग से 35 मिनट में 21-13, 21-14 से हार गईं। तन्वी पहले गेम में 13-13 की बराबरी पर थीं, लेकिन जूनियर विश्व रैंकिंग में 73वें स्थान पर रहीं यिन ने लगातार 8 अंक जीतकर बढ़त बना ली।

मुरादाबाद के ताइक्वांडो खिलाड़ी आशीष सिंह कोच शाहवेज़ अली के साथ मलेशिया रवाना

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के आशीष सिंह का चयन भारतीय ताइक्वांडो टीम में 6वीं एशियन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। शनिवार को वह कोच शाहवेज़ अली के साथ प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए दिल्ली से मलेशिया के लिए रवाना हो गए। भारतीय ताइक्वांडो टीम में 6वीं एशियन प्रतियोगिता के लिए आशीष सिंह का हुआ है चयन जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव एवं कोच शाहवेज अली ने बताया कि आशीष सिंह का चयन भारतीय ताइक्वांडो टीम में 6वीं एशियन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए अंडर 33 किलोग्राम भार वर्ग में हुआ है। यह प्रतियोगिता मलेशिया के कुचिंग शहर में स्थित सारावक स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित हो रही है। उन्होंने कहा कि आशीष से सभी को उम्मीद है कि वह भारत को अवश्य पदक दिलाएंगे। आशीष सिंह को रवाना करने के लिए उनके पिता नेम सिंह, भाई रोहित कुमार सहित अन्य लोगों ने भारतीय टीम को बधाई देते हुए विदाई दी।

एक साल बाद ग्राहम थोर्प की पत्नी अमांडा का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ग्राहम थोर्प की मौत को लेकर अब एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पिछले साल 4 अगस्त 2024 को ग्राहम की मौत की खबर आई थी, जिसने क्रिकेट जगत को हिला कर रख दिया था। अब करीब एक साल बाद उनकी पत्नी अमांडा ने खुलासा किया है कि थोर्प की मौत एक हादसा नहीं बल्कि आत्महत्या थी। अमांडा के अनुसार, थोर्प लंबे समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे और उन्होंने खुद उनसे अपनी जान लेने में मदद करने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि मरने से पहले थोर्प ने कई जरूरी अपॉइन्टमेंट्स कैंसल कर दिए थे और मानसिक रूप से बुरी तरह टूट चुके थे। ग्राहम थोर्प की मौत सरे के एक रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से हुई थी। जांच के बाद यह बात सामने आई कि वह 2022 में इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के बैटिंग कोच की नौकरी से निकाले जाने के बाद गहरे अवसाद में चले गए थे। अमांडा ने बताया कि एशेज सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया में हुए एक विवादास्पद वीडियो लीक होने के बाद उनकी मानसिक हालत और भी ज्यादा बिगड़ गई थी। यही वीडियो उनके तनाव का बड़ा कारण बन गया। यह भी सामने आया है कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उन्होंने आत्महत्या की कोशिश की थी और तब उन्हें तीन हफ्तों तक आईसीयू में भर्ती रहना पड़ा था। ग्राहम थोर्प का करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट में 6744 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट: चौथे दिन केएल राहुल और शुभमन गिल का शानदार प्रदर्शन, भारत ने 174/2 रन बनाकर मैच में वापसी की

मैनचेस्टर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे मैनचेस्टर टेस्ट का चौथा दिन भारत के लिए राहत भरा रहा। इंग्लैंड की पहली पारी के विशाल स्कोर के जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 174 रन बना लिए हैं। मैच के चौथे दिन का खेल खत्म होने तक, ओपनर केएल राहुल 87 और कप्तान शुभमन गिल 78 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी 669 रनों पर घोषित करके भारत पर 311 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में मजबूत शुरुआत की, जिसमें राहुल और गिल ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। दोनों ने टीम को एक ठोस आधार दिया है और अब पांचवें दिन भारत को मैच ड्रॉ कराने के लिए पूरे दिन बल्लेबाजी करनी होगी। इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए 8 विकेट लेने होंगे।

चौथे दिन के मुख्य आकर्षण:

बल्लेबाजी में रिकॉर्ड: शुभमन गिल ने एक दौरे में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय कप्तान के रूप में विराट कोहली (655 रन) को पीछे छोड़ दिया है। अब वे केवल सुनील गावस्कर (732 रन) से पीछे हैं।

इंग्लैंड की ऐतिहासिक पारी: इंग्लैंड ने इस पारी में 669 रन बनाकर ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में एक नया रिकॉर्ड बनाया। यह इस मैदान पर पारी का सबसे बड़ा स्कोर है, जिसने 1964 में ऑस्ट्रेलिया द्वारा बनाए गए 656/8व के रिकॉर्ड को तोड़ा।

इंग्लैंड के शतक: इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स (141) और जो रूट (150) ने शानदार शतक लगाए। इनके अलावा बेन डकेट (94), जैक क्रॉली (84) और ओली पोप (71) ने भी अर्धशतकीय पारियां खेलीं। भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन: भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट मिले, जबकि अंशुल कम्बोज और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट हासिल किया।पांचवें दिन का खेल भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें मैच बचाने के लिए अंत तक बल्लेबाजी करनी होगी। केएल राहुल और शुभमन गिल की जोड़ी पर सबकी निगाहें रहेंगी।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को असुरक्षित बताने वाली रिपोर्ट से महिला विश्व कप पर संकट

बेंगलूरू,26 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी'कुन्हा आयोग ने बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को जनसमूह के लिए अनुपयुक्त और असुरक्षित घोषित कर दिया है। यह निष्कर्ष उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद आया है, जिसमें आईपीएल विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 प्रशंसकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने आयोग का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट अब राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जा चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम का वर्तमान ढांचा बड़ी भीड़ के अनुकूल नहीं है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर खतरा है।

इस रिपोर्ट के प्रकाश में आने के बाद इस साल के अंत में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के शुरुआती मुकाबले और फाइनल जैसे बड़े आयोजन खतरे में पड़ सकते हैं, क्योंकि ये मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही निर्धारित हैं। इससे बीसीसीआई को वैकल्पिक स्थानों पर विचार करना पड़ सकता है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने भी एहतियात के तौर पर अगले महीने होने वाले महाराजा ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को दर्शकों के बिना कराने का फैसला लिया है। आयोग का कहना है कि बड़ी खेल प्रतियोगिताओं को ऐसे स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जो बड़ी संख्या में दर्शकों को सुरक्षित रूप से समायोजित कर सकें। रिपोर्ट में सुधारात्मक सुझाव भी शामिल हैं, जैसे प्रवेश और निकास द्वारों का पुनर्गठन तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप आपातकालीन निकासी योजनाओं की तैयारी। आयोग ने चेताया है कि जब तक ये ढांचागत परिवर्तन नहीं होते, तब तक चिन्नास्वामी जैसे आयोजन स्थलों पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम बना रहेगा। इसके साथ ही आयोग ने केएससीए के शीर्ष पदाधिकारियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की है। हालांकि, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स ने इस आयोग और उसकी रिपोर्ट के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है।

मुबाडाला सिटी डीसी ओपन

वाशिंगटन, डी.सी., अमेरिका में रॉक क्रीक पार्क टेनिस सेंटर में मुबाडाला सिटी डीसी ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फ़ाइनल में फ़्रांसेस टियाफ़ो (अमेरिका) बेन शेल्टन (अमेरिका) के विरुद्ध सर्विस करते हुए।

लियोनेल मेसी और जोर्डी आल्बा को एमएलएस ऑल स्टार मैच में नहीं खेलने पर एक मैच का प्रतिबंध

नई दिल्ली,26 जुलाई (एजेंसियां)। इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी और जोर्डी आल्बा को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक-एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है। यह फैसला दोनों खिलाड़ियों के इस साल के एमएलएस ऑल-स्टार गेम में हिस्सा नहीं लेने के चलते लिया गया है। अब यह दोनों खिलाड़ी मियामी की अगली लीग मैच में एफसी सिनसिनाटी के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। एमएलएस ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, लीग नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो ऑल-स्टार गेम में बिना पूर्व स्वीकृति के भाग नहीं लेता, वह अपनी क्लब की अगली प्रतियोगिता में खेलने के लिए अयोग्य होता है। एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा, मुझे पता है कि लियोनेल मेसी इस लीग से कितना प्रेम करते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी खिलाड़ी - या कोई और - मेजर लीग सॉकर के लिए मेसी से ज्यादा योगदान दिया है। मैं उनके इंटर मियामी के प्रति समर्पण को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं। लेकिन ऑल-स्टार गेम में भागीदारी को लेकर हमारी एक पुरानी नीति है और हमें उसका पालन करना पड़ा। यह निर्णय लेना बहुत कठिन था। उन्होंने आगे कहा, हालांकि, हम इस नीति की समीक्षा करने जा रहे हैं। मैं खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करूंगा ताकि यह तय किया जा सके कि इस नियम को आगे कैसे विकसित किया जाए। गौरतलब है कि मेसी और आल्बा दोनों को प्रशंसकों और मीडिया द्वारा एमएलएस ऑल-स्टार मैच के लिए चुना गया था, लेकिन दोनों ने लीगा एमएक्स ऑल-स्टार्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भाग नहीं लिया, जिसमें एमएलएस ऑल-स्टार टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की। पिछले साल भी मेसी ने चोट के कारण ऑल-स्टार गेम में हिस्सा नहीं लिया था। इंटर मियामी फिलहाल ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस तालिका में पांचवें स्थान पर है और शनिवार रात को चेस स्टेडियम, फोर्ट लॉडरडेल में पहले स्थान पर काबिज एफसी सिनसिनाटी की मेजबानी करेगा।

डीसी ओपन: राडुकानु और लेयलाह सेमीफाइनल में शेल्टन और डी मिनौर पुरुष वर्ग के अंतिम चार में

वाशिंगटन,26 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु ने डीसी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 2021 यूएस ओपन चैंपियन बनने के बाद यह उनका सबसे बड़ा टूर्नामेंट है, जहां वह अंतिम चार में पहुंची हैं। शुक्रवार को खेले गए महिला सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में राडुकानु ने ग्रीस की मारिया सक्कारी को 6-4, 7-5 से हराया। गर्मी और उमस भरे दिन में (तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के पार), राडुकानु को दूसरे सेट में 2-5 से पीछे रहने के बाद मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने लगातार पांच गेम जीतते हुए मैच अपने नाम किया। राडुकानु ने मैच के बाद कहा, मैं आमतौर पर गर्मी में ठीक रहती हूं, लेकिन आज काफी संघर्ष करना पड़ा। यह मेरा सबसे कठिन परिस्थितियों वाले मैचों में से एक था। दूसरे सेट में मैं थोड़ी अस्थिर महसूस कर रही थी, लेकिन खुशी है कि मैं सीधे सेटों में मैच खत्म कर सकी। महिला वर्ग में ही कनाडा की लेयलाह फर्नांडीज ने भी

सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 2021 यूएस ओपन फाइनल में राडुकानु की प्रतिद्वंद्वी रहीं लेयलाह ने क्वालिफायर में टेलर टाउन्सेंड को 6-4, 7-6 (4) से हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला तीसरी वरीय और 2022 विंबलडन चैंपियन एलेना रायबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डालेना फ्रेच को 6-3, 6-3 से मात दी। राडुकानु का सेमीफाइनल मुकाबला अब अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने चौथी वरीय क्लारा टॉसन को 6-3, 7-5 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में भी रोमांचक मुकाबले पुरुष सिंगल्स में अमेरिका के बेन शेल्टन ने लगातार दूसरे साल डीसी ओपन सेमीफाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने ऑल-अमेरिकन क्वार्टरफाइनल में फ्रांसेस टियाफो को 7-6 (2), 6-4 से हराया। शेल्टन ने 90 प्रतिशत पहले सर्व पॉइंट जीते और 146 मील प्रति घंटे की रफ्तार से नौवां ऐस लगाकर मैच समाप्त किया। चौथे वरीय शेल्टन अब शनिवार को शीर्ष वरीय टेलर फ्रिट्ज या बारहवें वरीय अलेजांद्रो डाविडोविच फोकीना में से किसी एक से भिड़ेंगे। पुरुष वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर और फ्रांस के कोरेंटिन माउटे के बीच होगा।

अभिषेक नायर को मिला नया जिम्मा, अब यूपी वॉरियर्स के बने हेड कोच

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद टीम के कोचिंग स्टाफ में बदलाव की चर्चा तेज हो गई थी और इसी बीच आईपीएल 2025 के दौरान अभिषेक नायर को टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच पद से हटा दिया गया। नायर कोचिंग स्टाफ का अहम हिस्सा थे, लेकिन टीम की नाकामी का असर उनके कार्यकाल पर पड़ा। टीम इंडिया से हटते ही नायर ने अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स से दोबारा नाता जोड़ा और अब उन्हें विमेंस प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी यूपी वॉरियर्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। यूपी वॉरियर्स की ओर से पुष्टि की गई है कि अभिषेक नायर आगामी सीजन में टीम की कमान कोच के तौर पर संभालेंगे। इससे पहले टीम के हेड कोच की भूमिका जोन लुईस निभा रहे थे, जिन्होंने लीग के पहले तीन सीजन तक टीम को गाइड किया। पहले सीजन में वॉरियर्स प्लेऑफ तक पहुंची थी, लेकिन अगले दो सीजन में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे लीग स्टेज से ही बाहर हो गईं। हाल ही में जोन लुईस और फ्रेंचाइजी ने अलग होने का फैसला लिया, जिसके बाद नायर को यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। यूपी वॉरियर्स के सीओओ और क्रिकेट निदेशक क्षेमल वैनगंकर ने कहा कि अभिषेक नायर को कोच बनाना फ्रेंचाइजी के लिए स्वाभाविक और उत्साहजनक कदम है।

टाटा समूह ने पांच साल में किया 1 लाख करोड़ का निवेश

एन. चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार

मुंबई,26 जुलाई (एजेंसियां)।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने समूह की वार्षिक रिपोर्ट में जानकारी दी है कि बीते पांच वर्षों में टाटा समूह ने अपनी कंपनियों में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया है। समूह अब सेमीकंडक्टर, डिजिटल सेवाओं, बैटरियों और अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को अपनी वृद्धि का अगला चरण मान रहा है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। चंद्रशेखरन ने बताया कि समूह का कुल राजस्व पांच वर्षों में 1.9 गुना बढ़ा है, जबकि शुद्ध लाभ 3.6 गुना तक पहुंच गया है। ऋण अनुपात घटकर 0.7 गुना रह गया है और इक्विटी पर रिटर्न 8.7 से बढ़कर 17.5 फीसदी हो गया है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में उन्होंने कहा कि कंपनी एकीकृत तकनीकी हार्डवेयर और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। इस कंपनी में 65,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 70 फीसदी महिलाएं हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में 66,000 करोड़ का राजस्व अर्जित किया।

रिलायंस ने कैल्विनेटर ब्रांड अधिग्रहित कर पुरानी यादें ताज़ा कीं

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने प्रसिद्ध फ्रिज ब्रांड कैल्विनेटर का अधिग्रहण कर पुरानी यादों को एक बार फिर ताजा कर दिया है। 1970 और 80 के दशक में घर-घर में लोकप्रिय यह फ्रिज ब्रांड अब रिलायंस के कंज्यूमर प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा बनेगा। सोशल मीडिया पर कैल्विनेटर के पुराने विज्ञापन तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें बुजुर्ग व्यक्ति के नकली दांत फ्रिज खोलते ही खड़खड़ाने लगते हैं। पुराने ब्रांड्स को नए दौर में वापस लाने की तैयारी यह विज्ञापन उस दौर की याद दिलाते हैं जब कैल्विनेटर द टूरिस्ट वन टैगलाइन के साथ भारत में होम रेफ्रिजरेशन को लोकप्रिय बना रहा था। कैल्विनेटर के अधिग्रहण के साथ रिलायंस ने अपनी नॉस्टैल्जिया आधारित रणनीति को और मजबूत किया है। इससे पहले कंपनी ने अगस्त 2022 में कैम्पा कोला को 22 करोड़ में खरीदा था, जो एक समय में हर घर में लोकप्रिय था लेकिन बाद में मार्केट से गायब हो गया था। इसके अलावा रिलायंस ने गुजरात के 1923 में शुरू हुए कार्बोनेटेड ड्रिंक ब्रांड सोस्यो में भी 50 फीसदी हिस्सेदारी ली है।

न्यूज ब्रीफ

एनएफएल ने एवीएफसीसीएल में 1.8 लाख का निवेश किया

नई दिल्ली। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) ने असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) में 1.8 लाख का निवेश किया है। एनएफएल ने 10 रुपए प्रति शेयर की दर से 18,000 इक्विटी शेयर खरीदकर एवीएफसीसीएल में 18 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। एवीएफसीसीएल को 25 जुलाई को एक संयुक्त उद्यम के रूप में शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य असम के नामरूप क्षेत्र में नामरूप आईवी अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना करना है। इस जॉइंट वेंचर में असम सरकार, ऑयल इंडिया लिमिटेड, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनएफएल शामिल हैं।

सोने की कीमतों में गिरावट, त्योहार से पहले खरीदारी का सुनहरा मौका

नई दिल्ली। अगर आप सोने के गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय आपके लिए बेहद लाभदायक हो सकता है। सोने की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है, जिससे खरीदारों के लिए ज्वेलरी सस्ती हो गई है। 24 कैरेट और 22 कैरेट दोनों प्रकार के सोने के रेट में कमी दर्ज की गई है, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों के पास खरीदारी का बेहतरीन अवसर है। आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजहें अमेरिका के टैरिफ से जुड़ी चिंताओं में कमी, डॉलर इंडेक्स का दो सप्ताह के निचले स्तर तक गिरना और स्पॉट मार्केट में मांग का कमजोर होना हैं। इन आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला है। यही वजह है कि सोना लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ है। दिल्ली में 26 जुलाई 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,620 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट की कीमत 92,240 प्रति 10 ग्राम है। बीते तीन दिनों में 24 कैरेट सोने में 1860 और 22 कैरेट में 1710 प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। अन्य प्रमुख शहरों की बात करें तो मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में 22 कैरेट सोना 92,090 और 24 कैरेट सोना 1,00,470 प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।

भारत की विनिर्माण गतिविधि जुलाई में उच्चतम स्तर पर पहुंची, महंगाई-रोजगार की चुनौती बनी चिंता का विषय

मुंबई। जुलाई 2025 में भारत की विनिर्माण गतिविधियां 17.5 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा जारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 59.2 पर पहुंच गया, जो जून के 58.4 के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि है। यह वृद्धि घरेलू और वैश्विक मांग में मजबूती का संकेत देती है। वहीं विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों का संयुक्त पीएमआई 60.7 पर पहुंच गया, जो पिछले एक साल से अधिक समय में सबसे तेज उछाल है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेज मांग, तकनीकी निवेश और उत्पादन क्षमता के विस्तार के कारण संभव हुई है। रोजगार के क्षेत्र में भी सकारात्मक विकास देखने को मिला है, खासकर सेवा क्षेत्र में रोजगार सृजन में मजबूती आई है। भारतीय कंपनियां आने वाले 12 महीनों में उत्पादन वृद्धि को लेकर आशावादी हैं। कंपनियों ने इस वृद्धि के पीछे बढ़ती मांग, तकनीक में निवेश और क्षमताओं के विस्तार को मुख्य कारण बताया है। पीएमआई आंकड़ों से यह भी पता चला कि वस्तु उत्पादकों ने सेवा प्रदाताओं की तुलना में उत्पादन में तेजी से वृद्धि दर्ज की है, जो अप्रैल 2024 के बाद से सबसे मजबूत रही। हालांकि सेवा क्षेत्र में जुलाई के दौरान गतिविधियों में थोड़ी नरमी देखी गई, फिर भी ऐतिहासिक मानकों के अनुसार वृद्धि की दर अच्छी रही। निजी क्षेत्र में परिचालन सुधार जारी रहा, साथ ही कुल बिक्री, निर्यात आदेश और उत्पादन स्तर में तेज वृद्धि हुई। हालांकि, कारोबारी विश्वास महंगाई और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लगभग ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक की 7 दिन की वीआरआरआर नीलामी में बैंकों ने बढ़ाई अपनी - अपनी बोली

बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि से अधिक की बोली लगाई

नई दिल्ली,26 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में 7 दिन की वैरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी आयोजित की, जिसमें बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि से अधिक, यानी 1.42 लाख करोड़ रुपये की बोली लगाई। यह मांग इस बात को दर्शाती है कि बाजार में लिक्विडिटी की जरूरत बढ़ी है।

पिछले सप्ताह बैंकों ने आरबीआई के पास जमा किए गए 2 लाख करोड़ रुपये वापस लिए थे, जिससे बाजार में पैसा कम हो गया था और इस नीलामी के जरिए फिर से पैसा उपलब्ध कराया गया। आरबीआई ने इस नीलामी को 5.49 प्रतिशत की कटऑफ रेट पर स्वीकार किया। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा कि पिछले सप्ताह की वापसी के कारण इस बार मांग अधिक रही। इसके चलते मुद्रा बाजार में ओवरनाइट कॉल रेट गिरकर 5.39 प्रतिशत हो गया, जो पिछले दिन 5.54 प्रतिशत था।

यह गिरावट बाजार में सस्ते पैसे का संकेत है। पिछले सप्ताह आरबीआई ने दो बार वीआरआरआर नीलामी कराई थी क्योंकि ओवरनाइट मनी मार्केट रेट ने नीतिगत रीपो रेट से ऊपर जाना शुरू कर दिया था। इन नीलामियों के बाद ओवरनाइट रेट में गिरावट आई, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) से नीचे आ गया। एमएसएफ रेट रीपो रेट से 25 बेसिस पॉइंट ऊपर है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट 25 बेसिस पॉइंट नीचे है। आरबीआई की ये नीलामी और दरों में बदलाव मौद्रिक नीति के तहत बाजार में तरलता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदम हैं, ताकि मनी मार्केट स्थिर रहे और बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त पैसा बना रहे। ऐसे कदम से आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिलता है और ब्याज दरों में अस्थिरता कम होती है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 695.49 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 18 जुलाई 2025 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.18 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 695.49 अरब डॉलर पर आ गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखी गई है। इससे पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर 2024 के अंत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वोच्च स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, लेकिन हालिया आंकड़ों के अनुसार इसमें गिरावट का रुझान देखने को मिल रहा है। 18 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां, 1.20 अरब डॉलर घटकर 587.61 अरब डॉलर रह गईं। पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का असर भी शामिल होता है। हालांकि, स्वर्ण भंडार में इस दौरान मामूली वृद्धि दर्ज की गई और इसका मूल्य 15 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.49 अरब डॉलर हो गया। इस सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में भी गिरावट दर्ज की गई और यह 11.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.68 अरब डॉलर पर आ गया। इसके अलावा, भारत का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखा गया भंडार भी 1.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.69 अरब डॉलर रह गया। इस गिरावट के पीछे विदेशी बाजारों में मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव, आयात-निर्यात असंतुलन और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को संभावित कारण माना जा रहा है।

रेलवे ने ऑनलाइन टिकट धोखाधड़ी रोकने 2.5 करोड यूजर आईडी बंद की

नई दिल्ली,26 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग में हो रही गड़बड़ियों और धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने आईआरसीटीसी की 2.5 करोड़ से अधिक संदिग्ध यूजर आईडी को बंद कर दिया है। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी, जहां सांसद ए. डी. सिंह ने इस मामले को उठाया था। उन्होंने सवाल किया था कि करोड़ों यूजर आईडी क्यों बंद की गईं, टिकट बुकिंग खुलते ही टिकट कैसे गायब हो जाते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए रेलवे क्या कदम उठा रहा है।

यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाए जाने पर लिया फैसला

सरकार ने बताया कि इन यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते इनकी आईडी को बंद करना जरूरी था। रेलवे ने यह भी बताया कि ट्रेनों की टिकट मांग साल भर एक जैसी नहीं होती। कुछ ट्रेनों की मांग अधिक होती है, खासकर वे जो लोकप्रिय हैं या जिनमें यात्रा का समय कम होता है। ऐसे ट्रेनों के टिकट जल्दी बिक जाते हैं, जबकि अन्य ट्रेनों में टिकट आसानी से मिल जाते हैं। यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए रेलवे ने कई नए नियम लागू किए हैं। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आइआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप पर आधार कार्ड से वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। साथ ही, एजेंट तत्काल टिकट बुकिंग खुलने के पहले 30 मिनट तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। यह कदम टिकट बुकिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है।

भारत की स्टील स्लैग रोड तकनीक ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई

वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) द्वारा विकसित स्टील स्लैग रोड तकनीक अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पा रही है। अमेरिका के शिकागो और ओमान जैसे देशों में भी इस तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। सीआरआरआई के एक वैज्ञानिक ने बताया कि यह तकनीक भारत के सड़क निर्माण क्षेत्र में एक गेम चेंजर साबित होगी। सड़क निर्माण में मुख्य सामग्री प्राकृतिक एग्रीगेट (जैसे बजरी और रोड़ी) होती है, जिसकी वार्षिक खपत लगभग 1.2 बिलियन टन है। इसके कारण पर्यावरण पर भारी दबाव पड़ता है, क्योंकि एग्रीगेट के लिए माइनिंग करनी पड़ती है। अमेरिका और ओमान में हो रहा उपयोग स्टील स्लैग रोड तकनीक पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संसाधनों के पुनर्चक्रण में भी मददगार साबित हो रही है। इसमें स्टील स्लैग का इस्तेमाल कर पारंपरिक सड़क निर्माण सामग्री की जगह ली जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है।

नई स्मार्टवॉच वॉच 3 प्रो को वैश्विक बाज़ार में पेश

नई दिल्ली,26 जुलाई (एजेंसियां)।

अपनी नई स्मार्टवॉच वॉच 3 प्रो को सीएमएफ ने वैश्विक बाज़ार में पेश किया है। इसमें 1.43 इंच की राउंड अमोलेड स्क्रीन दी गई है, जो 670 निट्स की ब्राइटनेस और ऑटो-ब्राइटनेस सेंसर के साथ बेहतर व्यूइंग अनुभव देती है। यह मात्र स्मार्टवॉच नहीं, बल्कि एक एडवांस टेक्नोलॉजी और एआई क्षमताओं से लैस एक शक्तिशाली डिवाइस है।

यह पिछले वर्जन की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत बड़ी स्क्रीन के साथ आती है। डिवाइस का डिज़ाइन भी काफी प्रीमियम है, जिसमें आईपी68 रेटिंग के साथ डस्ट और वॉटर रेसिस्टेंस मिलता है और इसमें सॉफ्ट सिलिकॉन स्ट्रैप शामिल है। वॉच में रोटेटेबल क्राउन बटन के अलावा गेस्चर कंट्रोल भी शामिल है, जिससे यूज़र झटका देकर या वॉच को घुमा कर कंट्रोल कर सकता है। इसमें ब्ल्यूटूथ 5.3 कॉलिंग का सपोर्ट है, जिससे कॉल को हैंडल करना आसान हो जाता है। फिटनेस और हेल्थ के लिए वॉच में हार्ट रेट सेंसर, एसपीओ, स्लीप और स्ट्रेस ट्रैकिंग के अलावा वूमेंस हेल्थ ट्रैकिंग भी दी गई है।

इसमें 350 एमएएच की बैटरी दी गई है जो एक बार चार्ज करने पर 13 दिन तक चल सकती है। एओडी ऑन होने पर यह बैकअप 3.5 दिन तक रहता है और इसे फुल चार्ज करने में 99 मिनट लगते हैं। यूज़र्स के लिए इसमें 131 स्पोर्ट्स मोड शामिल हैं।

रेनो ट्राइबर के नये फेसलिफ्ट मॉडल में अब ज्यादा फीचर्स

नई दिल्ली। रेनो ट्राइबर 7 सीटर कार मारुति अर्टिगा, टोयोटा इनोवा या किआ कैरेंस जितनी लोकप्रिय नहीं रही, फिर भी यह रेनो इंडिया की टॉप सेलिंग कार रही है। कंपनी इसका अब नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च करने जा रही है। नया मॉडल कुछ महत्वपूर्ण विजुअल और फीचर अपग्रेड्स के साथ आएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें एलईडी हेडलाइट्स और डीआरएलएस, नया फ्रंट और रियर बंपर, नई ग्रिल और नए एलॉय व्हील्स जैसे एक्सटीरियर चेंजेस देखने को मिल सकते हैं। वहीं, इंटीरियर में नया डैशबोर्ड लेआउट और कुछ एडवांस फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है। इंजन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। इसमें वही 1.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 71एचपी पावर और 96एनएम टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी ऑप्शन के साथ आता है और 18-19 केएमपीएल का माइलेज देता है। सेफ्टी फीचर्स के तौर पर इसमें अब 6 एयरबैग्स स्टैंडर्ड मिल सकते हैं, जिससे यह कम कीमत में भी सुरक्षित विकल्प बन जाएगी। मौजूदा ट्राइबर की एक्स-शोरूम कीमत 6.09 लाख से शुरू होती है और ऑन-रोड कीमत मुंबई में 7.28 लाख से 10.49 लाख रुपये तक जाती है। फेसलिफ्ट मॉडल में टॉप वेरिएंट की कीमत करीब रुपए 80,000 तक बढ़ सकती है, लेकिन बेस वेरिएंट की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा, जिससे इसकी अफॉर्डेबल पहचान बनी रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मालदीव के मामलों...

मालदीव के विशाल समुद्री क्षेत्र की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि देश की अपेक्षाकृत कम आबादी के बावजूद, मालदीव के लोग स्वयं ही मातृभूमि की रक्षा और सुरक्षा की ज़िम्मेदारी उठाएँगे।साथ ही उन्होंने माना कि मालदीव को कुछ संसाधनों और तकनीकी विशेषज्ञता के लिए अन्य देशों पर निर्भर रहना होगा, और इस संबंध में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग करने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।राष्ट्रपति ने उन राष्ट्रीय नायकों को भी श्रद्धांजलि दी जिनके बलिदान से देश को स्वतंत्रता मिली। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक मालदीववासी को इस विरासत को संजो कर रखना चाहिए। उन्होंने भावी पीढ़ियों के लाभ के लिए देश की स्वतंत्रता और सुरक्षा को बनाए रखने की साझा ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया।मालदीव की स्वतंत्रता के इतिहास की चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने देश की संप्रभुता बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय रक्षा बलों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।उन्होंने कहा कि मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) और मालदीव पुलिस सेवा (एमपीएस) को मज़बूत और आधुनिक बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

मालदीव के उपराष्ट्रपति...

उन्होंने कहा, मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति श्री मोहम्मद नशीद से मुलाकात की। वे हमेशा से भारत-मालदीव मैत्री के प्रबल समर्थक रहे हैं। मालदीव हमेशा हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति और महासागर दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहेगा। भारत क्षमता निर्माण और विकासात्मक सहयोग के माध्यम से मालदीव का समर्थन करता रहेगा।

मालदीव की संसद के अध्यक्ष श्री अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 20वीं मजलिस में भारत-मालदीव संसदीय मैत्री समूह का गठन द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा, पीपुल्स मजलिस के अध्यक्ष श्री अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात की। भारत-मालदीव की गहरी मित्रता, जिसमें हमारी संसदों के बीच घनिष्ठ संबंध भी शामिल हैं, पर चर्चा की। 20वीं मजलिस में भारत-मालदीव संसदीय मैत्री समूह का गठन द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। भारत मालदीव में क्षमता निर्माण में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।उल्लेखनीय है कि श्री मोदी शाम को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे और इसके बाद वह स्वदेश रवाना हो जायेंगे। प्रधानमंत्री दो देशों की चार दिन की यात्रा पर 23 जुलाई को पहली चरण की यात्रा पर ब्रिटेन के लिए रवाना हुए थे।

सरकार निक्कमी...

गडकरी ने एक और दिलचस्प किस्सा शेयर किया उन्होंने बताया कि नागपुर में हर साल होने वाले सांस्कृतिक महोत्सव में पहले नेताओं को पास बांटे जाते थे। इससे अव्यवस्था फैलती थी और तीन बार लाठीचार्ज तक करना पड़ता था। अब उन्होंने एक नया तरीका निकाला है अखबार में क्यूआर कोड छपवाकर लोग खुद अपना स्थान आरक्षित करते हैं।गडकरी ने राजनीति पर भी तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, राजनीति फुकटियों का बाजार है, जहां लोग फ्री में कुछ पाने की उम्मीद से आते हैं। उनके इस बयान ने वहां बैठे युवाओं और आयोजकों को चौंका तो जरूर दिया, लेकिन उनकी साफगोई ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया।

धरती की सारी...

ये मिशन सिर्फ विज्ञान का नहीं बल्कि भारत की आत्मनिर्भरता तकनीकी क्षमता और वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक है। हालांकि इसमें लागत और डेटा प्रबंधन जैसी चुनौतियां हैं। लेकिन इसरो की साख।. वैज्ञानिकों की मेहनत और भारत के जज्बे के आगे ये चुनौतियां छोटी हैं। निसार एक और प्रमाण है कि भारत विज्ञान की हर ऊंचाई पर अपना परचम लहरा रहा है।

झारखंड में...

उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने तीन उग्रवादियों को ढेर कर दिया। हालांकि, इस दौरान अन्य उग्रवादी घने जंगलों का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।इससे पहले, 15 जुलाई को बोकारो जिले के गोमिया थाना अंतर्गत बिरहोरडेरा जंगल में भाकपा माओवादी उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने पांच लाख के इनामी नक्सली कुंवर मांझी समेत दो नक्सलियों को मार गिराया था, जबकि इस कार्रवाई में कोबरा 209 बटालियन का एक जवान शहीद हो गया था। एक नक्सली वर्दी में, जबकि दूसरा साधारण कपड़ों में था।उल्लेखनीय है कि झारखंड पुलिस ने इस वर्ष राज्य को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। झारखंड में 2025 की शुरुआत से अब तक पुलिस ने 22 नक्सलियों को मार गिराया है। इस दौरान 115 हथियार, 8591 गोलियां, 176.5 किलो विस्फोटक और 4,51,047 रुपये नक्सलियों से जब्त किए गए, जो उन्होंने लेवी के रूप में वसूले थे। साथ ही, 179 आईईडी को खोजकर निष्क्रिय किया गया। यह नक्सलवाद के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई है।

दुनिया में पीएम...

पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्योंग (59 प्रतिशत) और तीसरे नंबर पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली (57 प्रतिशत) हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी (56 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज (54 प्रतिशत) भी शीर्ष पांच में शामिल हैं।वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है और 50 प्रतिशत लोगों ने उनसे असहमति जताई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामाफोसा को 54 प्रतिशत नकारात्मक राय झेलनी पड़ी।स्विट्जरलैंड, पोलैंड, और बेल्जियम जैसे देशों में नेताओं की लोकप्रियता का स्तर 50 प्रतिशत से नीचे रहा। सबसे निचले पायदान पर ब्राजील के लूला दा सिल्वा और नॉर्वे के जोनास गाहर स्टोरे रहे, जिन्हें 60 प्रतिशत लोगों ने अस्वीकार किया।विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि, मजबूत नेतृत्व और घरेलू नीतियों में निर्णायक फैसले उन्हें दुनिया के नेताओं में अलग पहचान देते हैं। ये आंकड़े वैश्विक राजनीति में भारत की बढ़ती साख और पीएम मोदी के नेतृत्व की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

हरियाली तीज व्रत की विधि, नियम और उपाय

हरियाली तीज आज 27 जुलाई को मनाई जा रही है। खासकर सुहागिन महिलाएं इस दिन अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और दांपत्य जीवन में खुशहाली और सुख-शांति की कामना करती हैं। वहीं कुंवारी कन्याएं भी अच्छे वर की मनोकामना के साथ यह व्रत करती हैं। सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज मनाई जाती है और इसका व्रत नियमों का पालन करते हुए किया जाता है। इसे मां पार्वती और शिवजी के पुनर्मिलन के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए काफी कठिन व्रत किया था।

हरियाली तीज का महत्व

हरियाली तीज का त्योहार मुख्य रूप से राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में मनाया जाता है। अखंड सौभाग्य की कमाना के साथ महिलाएं ये व्रत रखती हैं। हाथों में मेहंदी और हरी चूड़ियां पहनती हैं। इसके साथ ही मायके से आए हुए कपड़े महिलाएं पहनती हैं। इस दौरान महिलाएं पूरे 16 शृंगार करके भोलेनाथ की पूजा करती हैं।

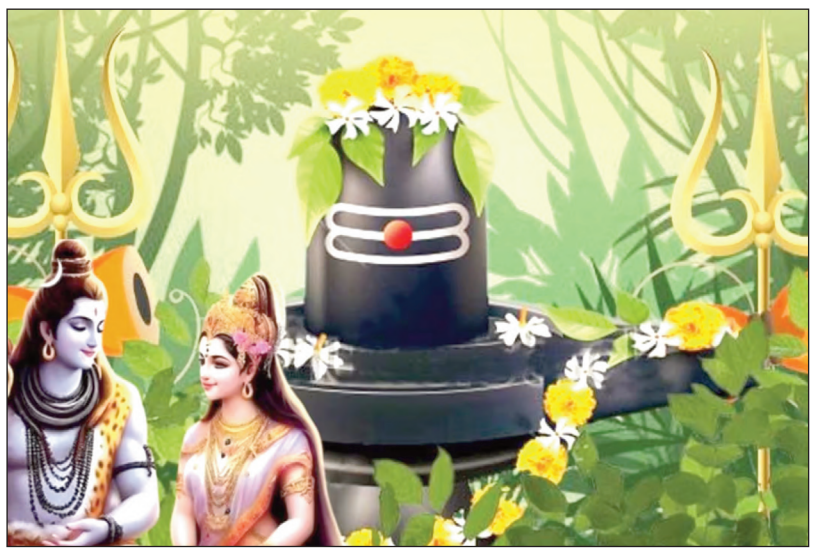

हरियाली तीज व्रत की विधि

हरियाली तीज व्रत के दिन सुहागिन महिलाएं स्नान आदि के बाद मायके से आए हुए वस्त्रों को पहनें। फिर पूजा के शुभ मुहूर्त में मां पार्वती और भगवान शिव की विधि विधान से पूजा करें। मां पार्वती को 16 शृंगार अर्पित करें। धूप-दीप, नैवेद्य, फूल, फल, गंगाजल, बेल पत्र आदि अर्पित करें। भगवान को नमस्कार कहते हुए हरियाली तीज व्रत कथा का पाठ करें या सुनें। कथा के बाद मां पार्वती और भोलेनाथ की आरती करें और भगवान को लगाए गए भोग को प्रसाद के तौर पर बांटें।

हरियाली तीज व्रत के नियम

हरियाली तीज का व्रत रखने वाली महिलाएं जल का भी सेवन नहीं करती हैं। यानी यह निर्जला व्रत होता है। इसमें हरे रंग की चूड़ियां और हरे रंग के कपड़े पहनने का महत्व है। व्रती महिला को मां पार्वती का शृंगार करना चाहिए। और पूजन करना चाहिए। इसके साथ ही झूठ बोलने, किसी से गुस्सा करने या मन में नकारात्मकता को न आने दें। किसी की बुराई या निंदा न करें। मन को साफ रखें। दिन में सोने से बचना चाहिए। इसके साथ ही काले रंग के कपड़े या सामान को धारण करने से बचना चाहिए। तामसिक चीजों से दूर रहें। और व्रत का पारण शुभ मुहूर्त में करें।

हरियाली तीज के उपाय

हरियाली तीज पर सोलह शृंगार का दान करने का आपको फायदा होगा। हरियाली तीज पर शृंगार का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होगी। इसके साथ ही शिव-पार्वती का पूजन करें। घर में घी का दीया जलाएं। बच्चों के सिर पर हल्दी या चंदन का टीका लगाएं। क्षमता के मुताबिक दान करें।

क्यों मायके से आती है सिंधारा की मिठास हरियाली तीज पर

हरियाली तीज मुख्यतः भगवान शिव और माता पार्वती' के पुनर्मिलन के रूप में मनाई जाती है। यह स्त्रियों का प्रमुख व्रत होता है, जो अपने पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से किया जाता है।

क्यों दिया जाता है हरियाली तीज पर सिंधारा – हरियाली तीज सावन माह की शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को मनाई जाती है। यह पूजा भगवान शिव-पर्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जब देवी पार्वती ने कठोर तपस्या करके शिव को जीवनसाथी के रूप में प्राप्त किया। सिंधारा इस उत्सव का एक विशेष हिस्सा है। सिंधारा एक पारंपरिक उपहार है जो हरियाली तीज के अवसर पर नवविवाहित महिलाओं या विवाहित स्त्रियों को उनके मायके से दिया जाता है। कहा भी गया है, विवाहित स्त्री को श्रृंगार देना विवाहोत्तर समय में पुण्य कर्म माना जाता है। मनुस्मृति में भी यह वर्णन मिलता है कि विवाहोपरांत पुत्री को समय-समय पर आभूषण, वस्त्र आदि भेजना माता-पिता का कर्तव्य माना गया है।

सिंधारा देने के पीछे जुड़े भाव – सिंधारा में भले ही श्रृंगार की सामग्री हो, मिष्ठान हो, पर उसके पीछे ससुराल गई बेटी को स्नेहपूर्वक याद करने, उसके सौंदर्य, प्रसन्नता और उत्सव की अनुभूति को संबल देने तथा उसके वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देने का भाव निहित होता है।

सिंधारा की सामग्री है विभिन्न भावनाओं का प्रतीक – सिंधारा मायके से बहू के ससुराल भेजे जाने वाले उपहार होता है, जिसमें नए कपड़े (साड़ी/दुपट्टा), हरी चूड़ियाँ, मेहँदी, बिंदी, मिठाइयाँ (विशेषतः घेवर), फल और श्रृंगार-सामग्री शामिल होती हैं। हरी चूड़ियां सौभाग्य का, मेहंदी प्रेम एवं शुभता का, मिठाई मधुर संबंधों का, वस्त्र संपन्नता का, सौंदर्य प्रसाधन श्रृंगार का प्रतीक माना जाता है। हरियाली तीज के दिन झूला झूलना उमंग और हरियाली का प्रतीक है। सिंधारा एक उपहार के साथ-साथ स्त्री के सम्मान, स्नेह और सामाजिक सद्भावना का प्रतीक है। हरियाली तीज पर इसे देना धार्मिक भाव, पारिवारिक जुड़ाव और लोक परंपरा का सम्मिलन है।

रिश्तों की मधुरता बढ़ाने का माध्यम – सिंधारा न केवल बेटी के लिए होता है, बल्कि ससुराल पक्ष के लिए भी एक आदर और अपनापन का प्रतीक है। यह रिश्तों में मिठास घोलता है और दोनों परिवारों को जोड़े रखने का कार्य करता है।

रविवार को चंद्र मंगल योग में सूर्यदेव चमकाएंगे किस्मत, कारोबार में होगी दोगुनी तरक्की

आज रविवार, 27 जुलाई को सिंह राशि में चंद्रमा और मंगल की युति होगी, जिससे चंद्र मंगल योग बन रहा है। इस शुभ संयोग में सूर्यदेव वृषभ, कर्क, वृश्चिक और मकर राशि की किस्मत चमकाने वाले हैं। नौकरी और कारोबार में इन्हें पूरे दिन भर-भरकर लाभ मिलेगा और व्यापार में प्रगति प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत से किए गए कार्यों में शुभ परिणाम मिलेंगे और समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हर क्षेत्र में आपको सफलता मिलने के योग बन रहे हैं और कार्यस्थल पर आपकी सराहना की जाएगी। व्यापार में अचानक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मेष राशि : व्यापार में होगी प्रगति

व्यापार में प्रगति मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। अगर विद्यार्थी बौद्धिक और मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उन्हें उससे छुटकारा मिलेगा। व्यापार के मामले में किसी यात्रा के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। शाम के समय जीवनसाथी और बच्चों के साथ आप कहीं आसपास घूमने जा सकते हैं।

वृषभ राशि : कार्यक्षेत्र में मिलेंगे शुभ परिणाम

आपका दिन व्यापार के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अचानक कोई लाभ प्राप्त हो सकता है और मन को सुकून प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको किसी ऐसे काम का शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है, जिसका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, शाम को परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे जिससे मानसिक तनाव कम होगा।

मिथुन राशि : अनावश्यक खर्चों से बचें

व्यापार के मामले में आपके द्वारा किया हुआ कोई भी काम आसानी से पूरा हो जाएगा। लेकिन आपको अनावश्यक कार्यों में समय लगाने से बचना होगा। साथ ही, आपको खर्च में भी कटौती करनी होगी वरना भविष्य में किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी संपत्ति या किसी मूल्यवान वस्तु का सौदा करने से पहले सभी दस्तावेजों को देखना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

कर्क राशि : हर क्षेत्र में पाएंगे सफलता

आपका पूरा दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज के सिलसिले में हर जगह से सफलता प्राप्त हो सकता है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और प्रगति के नए रास्ते खुलेंगे। कार्यस्थल पर आपके पराक्रम में वृद्धि होने से विरोधियों का मनोबल कम होगा। शाम को आपको किसी विद्वान प्रशासक से मिलने का मौका मिल सकता है। परिवार में बच्चों और जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

सिंह राशि : चमक सकता है भाग्य

दिन शुभ रहेगा और सांसारिक सुख प्राप्त होगा। समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य चमकने के योग भी बन रहे हैं। व्यापार के मामले में नए कार्यों और खोज में आपकी रुचि बढ़ सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, जिससे जीवन में उत्साह बढ़ेगा। वहीं, घर में भी उत्सव जैसा माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : काम का रहेगा प्रेशर

कार्यस्थल पर आपके ऊपर काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा। अपने जूनियर्स से काम करवाने के लिए आपको मधुर वाणी का प्रयोग करना होगा। घर में चल रही समस्याओं को आपको संयम के साथ दूर करना होगा। इससे धीरे-धीरे आपके समाधान मिलने लगेंगे। अपने किसी प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

तुला राशि : मुश्किलों भरा रहेगा दिन

दिन मिलाजुला रहने वाला है। व्यापार के मामले में आपको जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। अपने निजी जीवन की समस्याओं को व्यावसायिक मामलों में लाने से बचना होगा वरना नुकसान हो सकता है। किसी प्रियजन या जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। ऐसे में कोई भी मामला बातचीत से सुलझाना बेहतर होगा।

वृश्चिक राशि : दिन रहेगा उत्तम

राजनीति से जुड़े किसी व्यक्ति के साथ निकटता और दोस्ती हो सकती है। उनके अनुभव से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। इससे साथियों के बीच भी आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके अलावा, विद्यार्थियों को सलाह है कि वे अपना ज्यादा समय पढ़ाई-लिखाई पर लगाएं। शाम के समय घर में पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है।

धनु राशि : राजनीतिक सहयोग होगा प्राप्त

कार्यस्थल पर विरोधी परास्त हो सकते हैं। राजनीतिक सहयोग प्राप्त होने की संभावना है, लेकिन आपको कार्यक्षेत्र में अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। व्यापार के मामले में आपको पैसों की लेन-देन के समय सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा नुकसान हो सकता है। शाम के समय नए संपर्क बन सकते हैं लेकिन किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहना होगा।

मकर राशि : अचानक धन लाभ होने के योग

आपको कोई उपहार या समाज में सम्मान प्राप्त हो सकता है। व्यापार के मामले में किसी पुरानी महिला मित्र के द्वारा आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा और तनाव कम होगा। नौकरी करने वालों को भी सफलता प्राप्त होगी। शाम के समय आपको अचानक किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक साबित होगी। प्रियजनों से भी मुलाकात होने की संभावना है।

कुंभ राशि : आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में अपने व्यवहार और मधुर वाणी के चलते आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, दूसरों की मदद करने में भी आप सफल रहेंगे। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा की योजना प्रबल होकर स्थगित हो सकती है।

मीन राशि : कार्यस्थल पर होगी सराहना

कार्यक्षेत्र में काम धंधे के सिलसिले में आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे और भागदौड़ भी देखने को मिल सकती है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से आपको सराहना मिलेगी और पिता भी आपकी तारीफ करेंगे। घर में किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन के चलते व्यस्त रह सकते हैं। लेकिन आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग और प्रेम मिलेगा।

सावन में राम नाम लिखने का है विशेष महत्व, मिलते हैं ये चमत्कारी लाभ

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए प्रसिद्ध है, परंतु इस माह में राम नाम लेखन का भी विशेष महत्व है। पद्मपुराण के अनुसार एक दिन पार्वती जी ने महादेव जी से पूछा, 'आप हरदम क्या जपते रहते हैं?' उत्तर में महादेव जी विष्णु सहस्त्रनाम कह गए। अन्त में पार्वती जी ने कहा, 'ये तो एक हजार नाम आपने कहे। इतना जपना तो सामान्य मनुष्य के लिए असम्भव है। कोई एक नाम कहिये जो सहस्त्रों नाम के बराबर हो और उनके स्थान में जपा जाए।' इस पर महादेव जी ने सारांश में राम का नाम बताया, राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्त्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने।।

कहा भी गया है, 'राम राम शुभ नाम रटि, सबखन आनंद-धाम। सहस नाम के तुल्य है, राम-नाम शुभ नाम।।' धर्मशास्त्रों के अनुसार भगवान शिव प्रभु राम को बताते हैं, मुमूर्षोर्मणिकर्ण्यां तु अर्धोदकनिवासिनः। अहं ददामि ते मन्त्रं तारकं ब्रह्मदायकम्।।

अर्थात् मृत्यु के समय मणिकर्णिका घाट पर गंगा जी में जिस मनुष्य का शरीर गंगाजल में पड़ा रहता है उसको मैं आपका तारक मंत्र देता हूं, जिससे वह ब्रह्म में लीन हो जाता है। बेलपत्र पर लिखें राम का नाम - भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए बेलपत्र पर भक्त अनार की कलम और चन्दन की स्याही से भगवान श्री राम का दिव्य नाम 'राम राम' अंकित करते हैं और

भोले बाबा पर चढ़ाते हैं। मान्यताओं के अनुसार इससे बेलपत्र चढ़ाने का पुण्य एवं महत्व सहस्त्र गुणा बढ़ जाता है। सावन में किया गया राम नाम लेखन सौगुना फल देता है और यही कारण है कि अनेक साधक इस पावन मास में असंख्य बार राम नाम लिखने का संकल्प लेते हैं, ताकि जीवन में मंगल, शांति और कृपा बनी रहे। सावन माह में राम नाम को 108 के क्रम में लाल कलम से लिखने से भक्तों की मनोकामनाऐं शीघ्र पूर्ण होती है तथा अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा से राम नाम लिखने वाला व्यक्ति अप्रभावित रहता है। राम नाम जपने, स्मरण करने और लाल स्याही से लिखने से शारीरिक और मानसिक कष्ट दूर होते हैं। दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जो शिव सहित राम की कृपा पूरा न कर सके।

लगने जा रहा साल का पहला और अंतिम चंद्रग्रहण

भारत में कहां-कहां दिखेगा, जानें ग्रहण का समय और सूतक काल

इस साल का पहला और अंतिम चंद्रग्रहण लगने जा रहा है और यह भारत में भी दिखाई देगा। शास्त्रों के मुताबिक, सूर्य और चंद्रमा ग्रहण राहु व केतु के प्रभाव के चलते लगता है। इस खगोलीय घटना का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही में बहुत अधिक महत्व होता है। मान्यता है कि ग्रहण के दौरान धर्म-कर्म से जुड़े कार्य करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में ग्रहण में होने वाली घटनाओं के बारे में और इसके धार्मिक पहलू को भी विस्तार से समझाया गया है।

साल का पहला और अंतिम चंद्र ग्रहण

चंद्रमा ग्रहण भाद्रपद पूर्णिमा को 7 और 8 सितंबर की मध्यरात्रि में संपूर्ण भारत में पूर्ण रूप से दिखाई देगा। भारत के हर क्षेत्र में 7 सितंबर, रविवार के दिन शाम को 6 बजे से 7 बजे तक चन्द्र उदय हो चुका होगा। वहीं, यह पूर्ण चंद्रग्रहण 7 सितंबर के दिन रात में 9 बजकर 57 मिनट से शुरू होगा और इसका समापन मध्य रात्रि में 1 बजकर 26 मिनट पर होगा। इसका अर्थ है कि चंद्र ग्रहण की अवधि 3 घंटे 29 मिनट की होगी।

इस ग्रहण का स्पर्श और मोक्षादि काल कुछ इस प्रकार रहने वाला है

ग्रहण का आरंभ समय : रात में 9 बजकर 57 मिनट पर

ग्रहण का खग्रास (पूर्ण रुप) आरंभ : रात में 11 बजकर 1 मिनट पर

ग्रहण का मध्य : रात में 11 बजकर 42 मिनट पर

ग्रहण का खग्रास समाप्त : रात में 12 बजकर 23 मिनट पर

चंद्र ग्रहण पूर्ण रूप से समाप्त : रात में 1 बजकर 26 मिनट पर

ग्रहण का समय : 7 सितंबर, रविवार को रात में 9 बजकर 57 मिनट से शुरू होगा और मध्य रात्रि 1 बजकर 26 मिनट पर इसका समापन होगा।

ग्रहण की कुल अवधि : 3 घंटे 29 मिनट

ग्रहण का सूतक काल : 7 सितंबर को दोपहर में 12 बजकर 57 मिनट पर शुरू होगा। चंद्र ग्रहण के समापन के साथ ही यानी मध्य रात्रि 1 बजकर 26 मिनट पर सूतक काल भी समाप्त हो जाएगा।

कहां-कहां दिखेगा ग्रहण :

इस साल का पहला और आखिरी चंद्र ग्रहण संपूर्ण भारत में दिखाई देगा। इसके साथ ही, यह यूरोप में इंग्लैंड, इटली, जर्मनी, फ्रांस आदि में दिखाई देगा। अफ्रीका के अधिकतर देशों में इस ग्रहण का आरंभ चंद्रमा उदय होने के बाद देखा जा सकेगा। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी आदि में इस ग्रहण की समाप्ति चन्द्रास्त के समय देखने को मिलेगी। वहीं, भारत और पूरे एशिया में इस ग्रहण को प्रारंभ से लेकर समाप्ति तक देखा जा सकेगा।

ग्रहण काल में इन बातों का रखें ख्याल :

चंद्रमा ग्रहण के सूतक तथा ग्रहण काल में स्नान, दान, मंत्र जाप, स्तोत्र पाठ, ध्यान आदि करना बहुत कल्याणकारी माना जाता है।

तिल, वस्त्र, अनाज, सफेद वस्त्र, मौसमी फल, चांदी और घी का दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। ग्रहण काल से पहले यानी 7 सितंबर को सूर्यास्त से पूर्व ही इन वस्तुओं को एकत्रित करके इन्हें दान करने का संकल्प ले लेना चाहिए। इसके बाद, अगले दिन यानी 8 सितंबर को सूर्योदय के समय दान करना चाहिए।

सूतक और ग्रहण काल में भगवान की प्रतिमा को स्पर्श नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस दौरान अनावश्यक भोजन, नींद, नाखून काटना, सिलाई आदि की भी मनाही होती है।

गर्भवती महिलाओं को इस दौरान सब्जी काटना, पापड़ सेंकना आदि उत्तेजित कार्यों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। साथ ही, किसी भी नुकीली चीज को स्पर्श नहीं करना चाहिए।

बॉलीवुड हसीनाओं ने चॉकलेट ब्राउन बॉडीकॉन परिधानों में बढ़ाया ग्लैमर का पारा

जब बात फैशन ट्रेंड सेट करने की आती है, तो बॉलीवुड की टॉप हसीनाएं कभी पीछे नहीं हटतीं। इन दिनों टिनसेल टाउन में जो नया स्टाइल क्रेज छाया हुआ है, वो है - चॉकलेट ब्राउन बॉडीकॉन ड्रेस। ये गहरा, रॉयल शेड अब रेड कारपेट्स, ग्लैमरस पार्टीज़ और स्टार-स्टडेड नाइट्स के लिए सबसे स्टाइलिश और पसंदीदा चॉइस बन गया है। बटर-लेदर, शिमरी सीक्विन्स या मिनिमल स्टाइल में - दिशा पटानी, ईशा गुप्ता, अनन्या पांडे, शिल्पा शेट्टी और जान्हवी कपूर जैसी फैशन क्वीन्स ने इस ट्रेंड को अपने-अपने अंदाज़ में अपनाकर यह साबित कर दिया कि ग्लैमर की दुनिया में अब चॉकलेट ब्राउन ही नया ब्लैक है।

दिशा पटानी: दिशा पटानी ने एक बार फिर अपने ग्लैमर से फैशन का स्तर ऊँचा कर दिया, जब उन्होंने एक फिगर-हगिंग चॉकलेट ब्राउन बॉडीकॉन ड्रेस पहनी। पतले स्पेगेटी स्ट्रैप्स और स्वीटहार्ट नेकलाइन वाली यह ड्रेस उनकी टोन्ड बॉडी को खूबसूरती से हाईलाइट कर रही थी। कोको शेड की यह ड्रेस एलिगेंस और सादगी का परफेक्ट मेल थी। दिशा ने मिनिमल एक्सेसरीज़ के साथ अपने नैचुरल चार्म को ही स्टाइल स्टेटमेंट बनाया, जो उन्हें बॉलीवुड की सबसे सहज लेकिन स्टाइलिश अदाकाराओं में शुमार करता है।

जान्हवी कपूर: जान्हवी कपूर ने इस ट्रेंड को एक बोल्ड ट्विस्ट देते हुए पहना एक लक्स लेदर बॉडीकॉन ड्रेस जिसमें हॉल्टर नेकलाइन थी, जो सेंटर पर नॉटेड थी। यह स्लीक और फिगर-फ्लैटरिंग ड्रेस उनके ग्लैमरस अंदाज़ को बखूबी दर्शा रही थी। कट और टेक्सचर का यूनिक कॉम्बो इस लुक को यंग और स्टाइलिश बना रहा था। जान्हवी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो फैशन की दुनिया की असली चेंजलिंग हैं।

ईशा गुप्ता: ईशा गुप्ता ने इस ट्रेंड में कॉन्टेम्पररी ड्रामा का तड़का लगाया। हाई नेक, स्लीवलेस बॉडीकॉन ड्रेस उनके हर कर्व को परफेक्टली हग कर रही थी। कमर पर दिए गए स्ट्रेटेजिक कटआउट्स ने लुक में बोल्डनेस जोड़ दी।श्रशशज्ञ हेयरस्टाइल, ड्यूई मेकअप और उनकी इंटेंस नज़रें - ईशा का यह लुक बोल्ड मिनिमलिज्म का बेहतरीन उदाहरण था।

अनन्या पांडे: अनन्या पांडे ने इस ट्रेंड में अपनी यंग एनर्जी मिलाते हुए पहनी एक ग्लिटरी चॉकलेट ब्राउन हॉल्टर नेक मिनी ड्रेस। रुचिंग डिटेल्स और चमकदार टेक्सचर इस ड्रेस में मूवमेंट और प्लेफुल वाइब जोड़ रहे थे। उन्होंने इस लुक को कोऑर्डिनेटेड टाइट्स और एंकल बूट्स के साथ पूरा किया, जो एक स्ट्रीट-स्टाइल और रेड कारपेट का परफेक्ट ब्लेंड था। यह लुक त्रश्नप-न फैशन की नई डेफिनेशन देता है।

शिल्पा शेट्टी: शिल्पा शेट्टी ने एक बार फिर दिखाया कि वो क्यों फैशन की रानी हैं। उन्होंने पहना एक स्ट्रक्चर्ड लेदर कॉर्सेट टॉप जिसे पेयर किया एक हाई-वेस्टेड, सीक्विन्ड, फ्लोर-लेंथ स्कर्ट के साथ। गहरे चॉकलेट शेड्स में बना यह लुक बहुत ही रॉयल और रनवे-रेडी था। उनकी नेक पर लिपटी ड्रामैटिक स्कार्फ डिटेल इस लुक को एक हाई-कॉउचर फील दे रही थी। यह लुक साबित करता है कि शिल्पा अब भी फैशन गेम की सबसे डेरिंग और टाइमलेस क्वीन हैं।

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए चुनी गई हुमा कुरैशी की बयान

फिल्म अभिनेत्री हुमा कुरैशी की थ्रिलर फिल्म बयान को आधिकारिक तौर पर प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के लिए चुना गया है। हुमा कुरैशी ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) में अपनी फिल्म के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि फिल्म बयान ने उन्हें एक सशक्त महिला किरदार निभाने का मौका दिया, जो न्याय व्यवस्था में बड़ी ताकतों के खिलाफ खड़ी होती है।

हुमा ने ऐसी कहानी को पेश करने वाली समर्पित और निडर टीम के साथ काम करने की खुशी भी जताई। कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं पर काम कर चुकी हुमा ने कहा कि फिल्म का विश्व प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के डिस्कवरी सेक्शन में होगा-ये ऐसा सेक्शन है जिसने जो क्रिस्टोफर नोलन, अल्फोंसो क्वारोन और बैरी जेनकिंस जैसे प्रतिष्ठित फिल्म निर्माताओं को दुनिया के सामने पेश किया। फिल्म एक रोमांच से भरी थ्रिलर है।

फिल्म निर्देशक विकास रंजन मिश्रा ने कहा, यह एक परिवर्तनशील समाज का साक्षी बनने का मेरा प्रयास है - और उन लोगों के शांत साहस का भी जो अपनी बात कहने का विकल्प चुनते हैं।

टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के डिस्कवरी सेक्शन में मेरी दूसरी फीचर फिल्म, बयान दिखाई जाएगी। ये मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक ऐसा मंच है जहां से कई फिल्ममेकर्स ने अपना सफर शुरू किया।

निर्माता ने कहा, हमारा दृढ़ विश्वास है कि इसमें एक ग्लोबल अपील है, और टीआईएफएफ इसके लिए एक आदर्श लॉन्चपैड है। एक निर्माता के रूप में, मैं हमेशा एक ऐसी पटकथा की तलाश में रहता हूं जो इससे जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए बेहतरीन हो। 'बयान' ने वही किया; मुझे पता था कि हमारे पास कुछ शक्तिशाली है।

विकास रंजन मिश्रा के निर्देशन से सजी, बयान इस श्रेणी में शामिल एकमात्र भारतीय फिल्म है। कलाकारों में अनुभवी अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर के साथ-साथ परितोष सैंड, अविजित दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पैरी छाबड़ा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

करगिल विजय दिवस विशेष

बॉलीवुड की वो अभिनेत्रियाँ जिन्होंने वर्दी पहनकर राष्ट्र को किया सलाम

करगिल विजय दिवस के अवसर पर, जब पूरा देश अपने वीर सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, ऐसे में उन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को याद करना समीचीन होगा जिन्होंने पर्दे पर वर्दी पहनकर नारी शक्ति, कर्तव्य और देशभक्ति का बेजोड़ उदाहरण पेश किया। जहाँ ग्लैमर और चकाचौंध से भरी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आमतौर पर नायिकाओं को पारंपरिक भूमिकाओं में देखा जाता है, वहीं कुछ चुनिंदा अदाकाराओं ने वर्दी पहनकर नायिका से सिनेमाई योद्धा बनने तक का सफर तय किया।

दीपिका पादुकोण: फाइटर फिल्म में स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ की भूमिका निभाते हुए दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय में गंभीरता और शारीरिक दृढ़ता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वायुसेना की वर्दी में उनकी उपस्थिति न सिर्फ प्रभावशाली थी, बल्कि एक्शन दृश्यों में उनकी तैयारी और समर्पण भी साफ झलकता था।

कियारा आडवाणी: हाल ही में रिलीज़ हुए वॉर 2 के ट्रेलर में कियारा आडवाणी ने धमाकेदार एक्शन सीन्स के ज़रिए स्क्रीन पर जबरदस्त प्रभाव छोड़ा है। पंच, चेज़ और स्टंट्स के बीच उनकी आंखों में दिखती गंभीरता और संकल्प देखते ही बनते हैं। लेकिन जो सबसे ज़्यादा दिल जीतता है, वो है वर्दी में उनका आत्मविश्वास, गरिमा और अनुशासन।

प्रियंका चोपड़ा: जय गंगाजल में पुलिस अधीक्षक अभा माथुर की भूमिका निभाते हुए प्रियंका चोपड़ा ने अपने अभिनय कौशल का लोहा मनवाया। भ्रष्ट व्यवस्था में ईमानदारी की मिसाल बनीं उनकी भूमिका में दमदार संवाद, दृढ़ नारी शक्ति और प्रभावशाली एक्शन का शानदार मेल देखने को मिला।

जान्हवी कपूर: गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल फिल्म में जान्हवी कपूर ने फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना की भूमिका में दमदार और भावनात्मक अभिनय किया। कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म महिलाओं के साहस और संघर्ष की मिसाल थी। जान्हवी ने अपने किरदार की आंतरिक लड़ाई, जज़्बा और दृढ़ निश्चय को बेहद संजीदगी से दर्शाया।

कंगना रनौत: तेजस फिल्म में भारतीय वायुसेना की पायलट की भूमिका में कंगना रनौत ने एक मिशन पर निकली योद्धा का किरदार निभाया। फिल्म एक्शन और थ्रिल से भरपूर थी, लेकिन कंगना ने अपने अभिनय में जो गंभीरता, आत्मबलिदान और संकल्प दिखाया, वह काबिल-ए-तारीफ था।

यामी गौतम: उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक में खुफिया अधिकारी पल्लवी शर्मा की भूमिका में यामी गौतम ने पर्दे के पीछे काम करने वाले नायकों का प्रतिनिधित्व किया। सैन्य अभियान की रणनीति और योजना में उनकी भूमिका अहम थी। वर्दी में उनका संयमित, चतुर और गंभीर अभिनय दर्शकों को प्रभावित करता है।

डायना पेंटी: परमाणु: द स्टोरी ऑफ पोखरण में भले ही मुख्य ध्यान भारत के गुप्त परमाणु मिशन पर था, लेकिन डायना पेंटी ने सेना की अधिकारी बनकर अपने किरदार में गरिमा और मजबूती का परिचय दिया। पुरुष प्रधान टीम के बीच उनकी भूमिका ने संतुलन और आत्मविश्वास का संदेश दिया।

इन सभी अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों से यह साबित कर दिया कि देशभक्ति केवल जंग के मैदान में नहीं, बल्कि परदे पर निभाए गए सच्चे और प्रेरणादायक किरदारों से भी जताई जा सकती है। वर्दी में इनका आत्मविश्वास, समर्पण और जज़्बा, देश के हर नागरिक के लिए प्रेरणा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप की सहकर्मी के साथ लोकप्रियता बढेगी । व्यावसायिक रूप से चीजें ठीक ठाक चलेगी आपकी प्रगति होगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आपको आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नये रास्ते बनेंगे . भाई–बहनों मे संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा की योजना बन सकती है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय और खुशहाल रहेगा । हल्का और तंद–रुस्ती वाला भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें । आप का दिन पाजिटिव रहेगा । आज आपके पहले किये गये प्रयास सफल होंगे अगर आप बिज–नेसमैन है तो मेहनत ज्यादा करनी पडेगी। परिवार वालो के साथ समय बिताए उत्साह पूर्ण माहौल रहेगा. छात्रों के लिये आज का दिन ठीक है. कुछ ना कुछ नया सिखने को मिलेगा. आप को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा. शारीरिक रुप से आप फिट रहेगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज परिवार की सभी जरूरी और आवश्यक बातो पर गंभीर रुप से विचार करना चाहिए । परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. बिजनेस में बढ़ोतरी के लिये नए मौके मिल सकते हैं. मित्र और सम्बन्धी आप की मदद कर सकते हैं आप को लाभ पहुचा सकते हैं जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा. पति–पत्नी के बीच आपसी तालमेल बना रहेगा. भाइयों का सहयोग मिलेगा. संतान के कार्यों से आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को योग एवं प्राणायाम करते रहना चाहिए आप का कोई पुराना रोग परेशान कर सकता हैं पेट , कमर से जुडा मरज आप के व्यवस्थित जीवन को अस्त व्यस्त कर सकता हैं ।आर्थिक रुप से कमजोरी के कारण आप को कर्ज की रकम लेनी पड सकती हैं कार्यस्थल पर आप को सदैव अपने सहकर्मियों का समर्थन लेने के लिए मृदु भाषी होना पडेगा अगर आप प्रॉपर्टी–डीलर है या कन्स्ट्रक्शन का कार्य करते है तो सभी दस्तावेजों को गौर करके ही आगे बढाना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज पहले जो जरूरी खास काम है उस को पूरा करने की कोशिश करें। अपने काम मे फुर्ती दिखाए आप ईनाम के हकदार होंगे। छात्रों को कम मेहनत करने पर भी प्रबल भाग्य के बल पर सफलता हासिल हो सकती है. विवाहित जोडें आज एक दूसरे की भावनाओं को समझे और एक दूसरे की मन की बात जानने की कोशिश करें, रिश्तों में मधुरता बढेगी. अगर आप किसी निजी समस्या से परेशान चल रहे हैं तो, उससे निजात पाने के लिये कोई ठंडा स कदम उठाना पडेगा जिससे आपकी मुश्किल आसान हो सकती है.स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप के लिए जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसानदेह साबित हो सकता हैं , इसलिए सोच विचार करके ही नतीजे पर पहुंचे ताकि जिन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जैसे जैसे समय बितता जाएगा वित्तीय तौर पर सुधार आएगा.पारिवारिक सदस्य की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत पडेगी. परन्तु सुधार जल्दी ही देखने को मिलेगा । जमीन का सौदा करना अभी के समय मे लाभकारी हैं दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से न थकाएँ. थकान को दूर करने के लिए मैडिटेशन करते रहें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज पुरानी परियोजनाए जल्दी ही अपने अन्तिम रुप मे पहुंचेगी आपको विभिन्न निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है. आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आप एक समृद्ध और सुखी पारिवारिक जीवन जिएंगे, परिवार में उत्सव हो सकता है. आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा. आज मौसम सम्बन्धित बिमारी घर के सदस्यों को परेशान कर सकती हैं , आयुर्वेदिक वस्तुओं का इस्तेमाल करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज भैरव मंदिर के दर्शन करें तेल का दीपक प्रज्वलित करें, अटके हुए कोर्ट–कचहरी के मामलें सुलझ सकते हैं . कुछ लोगों का व्यवहार आज आपकी समझ से बाहर रहेगा. जरुरत पड़ने पर साथ के कुछ लोग आपकी मदद नहीं करेंगे. ऐसी स्थितियों में पुराना घनिष्ठ मित्र जरूर याद आएगा ज्यादातर समय बच्चों का घर पर बितेगा, और उनसे कुछ बातें करेंगे. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. घर का माहौल खुशनुमा रहेगा. अचानक धनलाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन कुछ तकलीफ़े ला सकता हैं आपकी मुल–ाकात इष्ट मित्रों से हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। घर परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। इलाज में खर्च ज्यादा होने की संभावना है। दूसरों की मदद कर सकते हैं।अपनी दिनचर्या में बदलाव लाना होगा जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक बना रहे। अपरिचित लोगों से वार्ता नही करना चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज हनुमान मंत्र का जप करें ।तेल से अभिषेक करना चाहिए परन्तु आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको परिवार का सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। कार्य क्षेत्र में भी नुकसान उठाना पड सकता है। प्रभु की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी। आपकी किसी समस्या का समाधान होगा। युवाओं को नौकरी मिल सकती है। कुसंगति को छोड़ें। निवेश के अवसर आएंगे। छात्रों को सफलता निश्चित हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का माहौल खुशनुमा रहेगा पारिवारिक सुख शांति भी रहेगी। आज का दिन ठीक रहेगा। वाहन चलाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज धार्मिक कार्यों में आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंतित रहेंगे। जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे कुछ भूल हो सकती है। आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी से विवाद हो सकता है। घनिष्ठ मित्रों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भाग्य प्रबल हैं कर्मो के आधार पर निश्चित ही सफलता मिलेगी किस्मत का साथ मिलेगा। किसी से विवाद होने के बाद मन में नकारात्मक सोच ज्यादा रहेगी। स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन दिखाई देगा। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। बुजुर्गों को सेहत से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको निवेश पर अच्छा फायदा मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। भोजन बहुत ही हल्का करें स्वास्थ्य एकदम चुस्त दुरुस्त रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 जुलाई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 10:44 तक
नक्षत्र : मघा सायं 04:24 तक
योग : वरियान रात्रि 03:13 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:39 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मधुश्रवा हरीयाली तीज,
गण्डमूल सायं 04:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा का महत्वपूर्ण निर्णय

राजकीय संस्थानों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी भवनों की होगी मरम्मत

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के राजकीय विद्यालय में हुई हृदय विदारक घटना को संज्ञान में लेते हुए जीर्ण–क्षीर्ण, मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत इन संस्थानों और भवनों की मरम्मत हेतु अनुमत राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

इसी प्रकार अब विधायक भी स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत किसी भी योजना से निर्मित राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि की अनुशंसा कर सकेंगे। पहले एमएलए–लेड में निर्मित भवनों की मरम्मत का कार्य ही इस कोष से करवाया जा सकता था। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों से पुराने और जर्जर सरकारी स्कूलों के भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए प्राथमिकता से राशि की अनुशंसा करने का आग्रह किया है। इससे राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों का सुदृढ़ीकरण हो सकेगा तथा भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में

बिना भवन के और जर्जर विद्यालयों के नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रा–वधान किया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को भी 3 करोड़ रुपये मरम्मत कार्यों के लिए दिए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत सरकारी स्कूलों, राजकीय संस्थानों और आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत कार्य करवाए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक कर जिला कलेक्टर्स एवं संबंधित विभागों को स्कूलों, अस्पतालों सहित सभी सरकारी इमारतों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश दिए थे। साथ ही, विशेषज्ञों की एक समिति गठित कर 5 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया।

जयपुर में बम धमकी से हड़कंप

सीएमओ और एयरपोर्ट को उड़ाने की ईमेल से चेतावनी, पुलिस–एजेंसियां अलर्ट पर

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर एक बार फिर बम धमकी के चलते सतर्कता के मोड पर आ गई है। शनिवार को जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक संदिग्ध ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया कि 1–2 घंटे के भीतर मुख्यमंत्री कार्यालय और एयरपोर्ट को बम से उड़ा दिया जाएगा।

इस चेतावनी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। जयपुर एयरपोर्ट पर बम स्क्वॉड, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सिविल डिफेंस की टीमें सक्रिय हो गईं और पूरे परिसर की सघन तलाशी शुरू की गई। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय पर भी एंटी–साबोटाज स्क्वॉड और स्थानीय पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है।

यह पहली बार नहीं है जब जयपुर में इस तरह की धमकियाँ सामने आई हैं। बीते कुछ हफ्तों में शहर के स्कूलों, मेट्रो स्टेशनों, अदालतों और स्टेडियमों को लेकर भी बम से उड़ाने की चेतावनियाँ दी जा चुकी हैं। 5 दिन पहले, माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसके चलते 3,500 बच्चों को एहतियातन स्कूल से बाहर निकाला गया था।30 मई को मानसरोवर मेट्रो स्टेशन, जयपुर मेट्रो कोर्ट और फैमिली कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

8 से 13 मई के बीच सवाई मानसिंह स्टेडियम को उड़ाने की तीन अलग–अलग ईमेल धमकियाँ आईं थीं।9 मई को ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में जयपुर मेट्रो स्टेशन और ट्रेन को उड़ाने की धमकी दी गई थी। अब तक जांच एजेंसियों को किसी भी धमकी में कोई विस्फोटक सामग्री या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन बार–बार मिल रही धमकियाँ सुरक्षा तंत्र के लिए बड़ी चुनौती बन गई हैं। साइबर सेल अब इन ईमेल्स की ट्रैकिंग और सोर्स की जांच में जुटी है।लगातार मिल रही इन धमकियों ने अब एक बड़े साइबर प्लान या किसी सुनियोजित मानसिक खेल की आशंका को जन्म दिया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं यह सब सिस्टम को पंगु करने की साजिश तो नहीं। सुरक्षा एजेंसियों ने आम नागरिकों से सतर्क रहने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की है। वहीं, राजधानी की सुरक्षा को लेकर प्रशासन अब और भी कड़े प्रोटोकॉल लागू करने की तैयारी में है।

स्कूल, छात्रावास, कॉलेज, राजकीय भवनों, सड़कों एवं पुलियाओं की सुरक्षा समीक्षा के लिए स्थायी समितियों का गठन

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य सरकार ने राजकीय स्कूलों, छात्रावासों, कॉलेजों, चिकित्सा भवनों, अन्य राजकीय भवनों, सड़कों व पुलियाओं की सुरक्षा समीक्षा के लिए विशेष स्थायी समितियां गठित की है। ये समितियां प्रत्येक वर्ष 15 जून से पहले असुरक्षित भवनों एवं पुलों का मरम्मत कार्य पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करेगी। मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने इन समितियों के गठन के संबंध में आदेश जारी किए हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने शुक्रवार को पीपलोदी हादसे के तुरंत बाद एक उच्चस्तरीय बैठक ली थी। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना में राजकीय भवनों की सुरक्षा आकलन एवं विशेष मरम्मत के लिए राज्य स्तर पर स्थायी समिति का गठन किया गया है। इस समिति के

अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग होंगे। इसके साथ ही अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा अथवा प्रतिनिधि संयुक्त शासन सचिव स्तर, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण एवं पंचायती राज अथवा प्रतिनिधि संयुक्त शासन सचिव स्तर, प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा विभाग, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन, शासन सचिव शिक्षा विभाग, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग, शासन सचिव कृषि विभाग एवं वित्त विभाग के प्रतिनिधि इस समिति के सदस्य होंगे।

यह समिति राज्य के सभी स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, कार्यालय, सडकों एवं पुलों का समयबद्ध सुरक्षा अंकेक्षण करवाने, जर्जर एवं असुरक्षित भवनों का चिन्हिकरण कर ध्वस्त कराने, असुरक्षित भवनों की विशेष मरम्मत हेतु तकमीना तैयार करवाने एवं वित्त उपलब्ध कराने से संबंधित समीक्षा कर दिशा–निर्देश देगी। साथ ही यह समिति विशेष मरम्मत हेतु प्रत्येक वर्ष वित्तीय एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराने तथा प्रतिवर्ष जून माह से पूर्व सभी राजकीय भवनों की मरम्मत कर सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी समीक्षा करेगी। यह समिति राजकीय भवनों की सुरक्षा एवं जनहानि रोकने के लिए किये जा रहे प्रयासों एवं निर्देशों की प्रतिमाह समीक्षा भी करेगी। इसी प्रकार जिला स्तर पर भी स्थायी समिति का गठन किया गया है, जिसमें जिला कलक्टर अध्यक्ष होंगे। समिति में सदस्य के रूप में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण निगम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला कलक्टर द्वारा नामित अन्य आमंत्रित अधिकारी शामिल होंगे।

मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में लाया जाएगा विविधिकरण: टी. रविकान्त

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि खान एवं भूविज्ञान विभाग की सभी सेवाओं को चरणवद्ध तरीके से ऑनलाईन लाया जाएगा। मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में इस तरह से कार्ययोजना तैयार की जाए ताकि प्रधान खनिजों की नीलामी में विविधिकरण लाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस समय लाइमस्टोन के ही सर्वाधिक ब्लाकों की नीलामी की जा रही है जबकि राजस्थान में अन्य मेजर मिनरल के भण्डार भी उपलब्ध है। उन्होंने राजस्व संग्रहण में समग्र प्रयास करने के निर्देश दिए और पुरानी बकाया वसूली पर जोर देना होगा।

प्रमुख सचिव माइंस शनिवार को उदयपुर खनिज भवन में निदेशक दीपक तंवर के साथ वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा माइनिंग प्लान व नोड्यूज ऑनलाईन जारी करने के निर्देशों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगे है। चरणवद्ध तरीके से खान विभाग की सेवाओं को ऑनलाईन मोड पर लाया जाएगा।

सीईटी परीक्षा: नूंह में एचएसएससी चेयरमैन ने किया केंद्रों का निरीक्षण, बोले

पारदर्शिता और निष्पक्षता से हो रही

नूंह, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने आज जिला नूंह में सीईटी परीक्षा–2025 के पहले दिन विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दोहराया कि यह परीक्षा पूरे प्रदेश में पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सुचारू रूप से आयोजित की जा रही है, जिससे योग्य उम्मीदवारों को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। चेयरमैन हिम्मत सिंह ने पुलिस लाइन नूंह स्थित डीएवी स्कूल और राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल–1 नूंह का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में करीब 13.50 लाख अभ्यर्थी सीईटी परीक्षा दे रहे हैं और सरकार व आयोग ने परीक्षार्थियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं जैसे निशुल्क ट्रांसपोर्ट, अस्थाई आवास आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की हुई है। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा कर्मचारी आयोग और

सरकार ने उनकी सुविधा के लिए अधिकतम प्रयास किए हैं। निरीक्षण के दौरान हिम्मत सिंह ने परीक्षार्थियों से भी बातचीत की, जिस पर परीक्षार्थियों ने सीईटी परीक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि नूंह में सीईटी परीक्षा पहली बार आयोजित हो रही है और जिला प्रशासन ने भी इसके सुचारू संचालन के लिए सभी अच्छे प्रबंध किए हुए हैं। अभ्यर्थियों के लिए परिवहन व्यवस्था, ठहरने और खाने–पीने की व्यवस्था सहित बस स्टैंड से परीक्षा केंद्रों तक शटल बस सेवा का भी प्रबंध किया गया है। प्रवेश पत्र जारी न होने से संबंधित एक सवाल पर चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि जिन अभ्यर्थियों के आवेदन में विभिन्न प्रकार की कमियां थीं, खासकर हस्ताक्षर न होने के कारण, उन्हें प्रवेश पत्र जारी नहीं किए गए।

उन्होंने इस पर अफसोस व्यक्त किया, लेकिन कानूनी संवेदनशीलता का हवाला देते हुए कहा कि बिना हस्ताक्षर के कागजात की कानूनी वैधता नहीं बनती। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ऐसे अभ्यर्थी भविष्य में आवेदन करते समय ऐसी पुनरावृत्ति नहीं करेंगे।

हरियाणा में अपराधी बेखौफ और भाजपा सरकार बेबस है : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने हरियाणा की ध्वस्त कानून–व्यवस्था पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि हरियाणा में अपराधी बेखौफ और सरकार बेबस है। दनादन हो रही फायरिंग, हत्या, फिरौती की वारदातों से पूरे प्रदेश में भय और आतंक का माहौल है। हरियाणा अपराधियों की शरणस्थली बन चुका है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अपराध रोक पाने में सरकार लाचार है या उसका अपराधियों को खुला संरक्षण मिल रहा है। क्योंकि, अपराधियों के हौसले इस कदर बढ़े हुए हैं कि जींद में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष के बेटे और प्राइवेट अस्पताल संचालक डॉक्टर समेत तीन डॉक्टरों पर जानलेवा हमला हुआ, जिसमें बीजेपी नेता के डॉक्टर पुत्र की मौत हो गई है और दो अन्य डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हैं। अकेले जींद में पिछले डेढ़ महीने में हत्या की 17 वारदात हो चुकी है।

पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी का ये आलम है कि बदमाशों की धमकी से डरकर 12 जिलों में 300 शराब ठेकों की नीलामी के लिए कोई ठेकेदार ही नहीं आया। इससे साबित होता है कि हरियाणा में अब सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि इसी साल फरवरी में 7 राज्यों के डीजीपी की एक बैठक में हरियाणा एसटीएफ ने खुलासा किया था कि राज्य में 80 से अधिक संगठित आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं, जिनमें कई के विदेशी संपर्कों की बात सामने आई है। ये गैंग दुबई, पाकिस्तान, आर्मेनिया, थाईलैंड, अमेरिका, पुर्तगाल और कनाडा सहित अन्य विदेशी जगहों से आपराधिक गतिविधियां चला रहे हैं।

कल मनाया जाएगा भव्य तीज महोत्सव
मुख्यमंत्री सैनी होंगे मुख्य अतिथि

अंबाला, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ 28 जुलाई, सोमवार को तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रंग–बिरंगे झूले, लोकगीत और पारंपरिक पकवान इस पर्व की रौनक बढ़ाएंगे। महिलाएं विशेष रूप से इस त्योहार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाती हैं। राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अंबाला में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज व महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी भी उपस्थित रहेंगी। इसी दिन हर जिले में तीज महोत्सव के आयोजन होंगे, जिनमें राज्य के कैबिनेट मंत्री स्थानीय स्तर पर मौजूद रहेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार सिरसा में आयोजित समारोह में शामिल होंगे, जबकि उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह रेवाड़ी में, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा फतेहाबाद में, राजस्व मंत्री विपुल गोयल झज्जर में, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा सोनीपत में और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा हिसार में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसके अतिरिक्त, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भिवानी में तथा स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव नारनौल में आयोजित कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगी।

हरियाणा के हर जिले में प्रवास करेंगे सीएम नायब सैनी

लोगों की शिकायतें सुनेंगे, विकास पर भी चर्चा करेंगे

चंडीगढ़, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा की छोटी टोली की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास पर हुई, जिसके बाद हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगामी प्रवास कार्यक्रमों की घोषणा की। बड़ौली ने बताया कि मुख्यमंत्री अब प्रदेश के हर जिले का दौरा करेंगे, जहाँ वे लोगों की शिकायतें सुनेंगे और कार्यकर्ताओं व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलकर जिला व प्रदेश के विकास पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा,

कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता और सुरेंद्र पूनिया मौजूद रहे।

छोटी टोली की इस बैठक में सरकार और संगठन के समन्वय से नॉन स्टॉप सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने की योजना, रचना और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश में चल रही सीईटी की परीक्षा को लेकर मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में लगभग 13.5 लाख परीक्षार्थी सीईटी की परीक्षा दे रहे हैं। उन्होंने हरियाणा की नायब सरकार द्वारा परीक्षार्थियों के लिए की गई पूरी तैयारी और अच्छी व्यवस्थाओं की सराहना की।

अमित शाह के दौरे से पहले माता जानकी की स्थली पहुंचे सीएम नीतीश

8 अगस्त को होगा मंदिर का भूमि पूजन

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगमन से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पुनौरा धाम का दौरा किया। दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी और जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा भी मंदिर परिसर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले माता सीता की पूजा-अर्चना की, फिर मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने उर्विजा कुंड सहित विभिन्न स्थलों का जायजा लिया और आगामी 8 अगस्त को प्रस्तावित भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री लगभग 15 मिनट तक पुनौरा धाम में रुके और भव्य मंदिर निर्माण की तैयारियों की समीक्षा की।

इसके बाद वे सड़क मार्ग से डुमरा स्थित जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के आवास पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने भोजन किया और पार्टी नेताओं से मुलाकात की। तत्पश्चात डुमरा हवाई अड्डा मैदान से पटना के लिए रवाना हो गए।

गौरतलब है कि 8 अगस्त को पुनौरा धाम में अयोध्या की तर्ज पर माता सीता के भव्य मंदिर का भूमि पूजन किया जाना है। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोनों मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं।

हाल ही में नीतीश कैबिनेट ने मंदिर निर्माण के लिए 883 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। मंदिर की संरचना भी तैयार हो चुकी है।

मुख्यमंत्री के दौरे के बाद मंदिर के महंत कौशल किशोर दास ने कहा कि भूमि पूजन की तैयारियों के निरीक्षण के लिए सीएम नीतीश खुद आए थे। उन्होंने कहा कि यह माता सीता की ही कल्पना थी कि पहले भगवान श्रीराम का मंदिर बने और फिर उनका। अब वह शुभ दिन आ गया है।

महंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि मोदी सरकार में हिंदू आस्था से जुड़े स्थलों का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में 'सीतामढ़ी' का नाम पूरी दुनिया में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा और हर बच्चा यह जान सकेगा कि माता सीता की जन्मभूमि कहां है।

दो लाख में बनी 331 फीट लंबी कांवड़

60 कांवरिए नंगे पैर करेंगे 70 किमी का सफर, बाबा गरीब पर चढ़ाएंगे जल

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के भगवानपुर विशुनपुर बांदे गांव के 60 कांवरिये 331 फीट लंबी कांवड़ लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर की ओर रवाना हुए हैं। सभी कांवरियों ने शुक्रवार सुबह चार बजे सारण जिले के पहलेजा घाट से उत्-रवाहिनी गंगा जल लेकर मुजफ्फरपुर स्थित बाबा गरीबनाथ मंदिर के लिए प्रस्थान किया। पहलेजा घाट से बाबा गरीबनाथ मंदिर की दूरी लगभग 70 किलोमीटर है।

इस विशालकाय कांवड़ का निर्माण महेश गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ है, जो पिछले पांच वर्षों से लगातार इस आयोजन की देखरेख कर रहे हैं।

यात्रा के मुख्य आयोजकों में वीरेंद्र कुमार, संजय कुमार, गणेश कुमार, उमेश कुमार और राहुल कुमार शामिल हैं। कांवड़ के निर्माण में करीब दो लाख रुपये खर्च हुए हैं। इसे 10 कारीगरों ने मिलकर आठ दिनों में तैयार किया है। सभी कांवरिये 70 किमी की दूरी नंगे पैर तयकर रविवार की शाम करीब सात बजे बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

महेश गुप्ता ने बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से लगातार कांवड़ लेकर बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कांवड़ ग्रामीणों के सहयोग से बनाई गई है। इस अनोखे कांवड़ को देखने के लिए पहलेजा गंगा घाट से हाजीपुर-मुजफ्फरपुर कांवर पथ पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

हाजीपुर निवासी एक महिला ने कहा, जीवन में पहली बार 331 फीट लंबी कांवड़ देखने को मिली है। सभी भक्तों को भगवान भोलेनाथ के दरबार में जरूर जाना चाहिए। कांवड़ यात्रा का नेतृत्व कर रहे शिवभक्त महेश भगत ने बताया कि इस यात्रा में कुल 100 शिव भक्त शामिल हैं। जो हमारे साथ चल रहे हैं।

नट गैंग और बिहार पुलिस के बीच मुठभेड़, कुख्यात अपराधी को लगी गोली

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र के जिगना ढाला के समीप शनिवार की अहले सुबह पुलिस और कुख्यात नट गिरोह के 25 हजार के इनामी अपराधी अजय नट के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में अपराधी अजय नट के पैर में दो गोलियां लगी हैं, जिसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया है। गोपालगंज एसपी अवधेश दीक्षित खुद घायल अपराधी से सदर अस्पताल पहुंचकर पूछताछ कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, घायल अपराधी अजय नट सारण जिले के दाऊदपुर थाना क्षेत्र के बंगरा बिंदु टोली गांव निवासी रामनाथ नट का पुत्र है। एसपी ने बताया कि अजय नट को शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उसे गोरखपुर से गोपालगंज लाया गया।इसी बीच शनिवार की सुबह मीरगंज थाने की पुलिस अजय नट को हथियारों की बरामदगी के लिए जिगना ढाला के पास ले जा रही थी। इसी दौरान, अजय नट ने पूर्व में छिपाए गए हथियार से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अजय नट के पैर में दो गोलियां लगीं और वह मौके पर ही गिर कर घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार कुख्यात अजय नट पर गोपालगंज, सीवान और सारण जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी लगभग तीन दर्जन लूट, छिनतई और हत्या के प्रयास जैसे संगीन मामले दर्ज हैं। यह कुख्यात नट गिरोह का प्रमुख सदस्य है। इससे पहले भी पुलिस उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। फिलहाल, पुलिस और एसटीएफ की टीम इस नट गिरोह से जुड़े अन्य अपराधियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

सीएम नीतीश कुमार पहुंचे मधुबनी के लौकही प्रखंड

426 करोड़ की लागत से कई विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

दरभंगा (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को मधुबनी जिले के लौकही प्रखंड स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वे हेलीकॉप्टर से विद्यालय परिसर में पहुंचे, जहां जदयू कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच मुख्यमंत्री निर्धारित समय से थोड़ी देर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उनके साथ जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, परिवहन मंत्री शीला मंडल, बिहार सरकार की प्रभारी मंत्री लीची सिंह और पूर्व मंत्री लक्ष्मेश्वर राय भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व पंचायती राज मंत्री स्वर्गीय हरिप्रसाद शाह की प्रतिमा का अनावरण कर की। इसके बाद मंच पर उपस्थित जनसमूह का अभिवादन स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निरंतर जनहित में काम कर रही है और आज शिलान्यास की जा रही योजनाएं क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कुल 426 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें पुरानी कमला और जीवछ कमला नदियों के पुनर्जीवीकरण के साथ-साथ इन पर चार वीयर और अन्य जल संरचनाओं के निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा 31 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से माता सीता और प्रभु श्रीराम के प्रथम मिलन स्थल फुलहर स्थान को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की परियोजना की भी आधारशिला रखी गई।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 178 करोड़ रुपये की लागत से जयनगर के शहीद चौक के समीप रेल ओवरब्रिज निर्माण कार्य तथा 14 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से मधुबनी में एक अंतरराज्यीय बस अड्डे के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएं क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी और रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में लोगों से अपील की कि वे विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में प्रशासन और सरकार का सहयोग करें, ताकि इनके लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें।

किशनगंज-ठाकुरगंज सड़क को मिला स्टेट हाईवे का दर्जा

क्षेत्र के विकास को मिलेगा नया आयाम

पूर्णिया (एजेंसियां)।

किशनगंज जिले की महत्वपूर्ण किशनगंज-ठाकुरगंज सड़क को अब राज्य उच्च पथ (स्टेट हाईवे) का दर्जा मिल गया है। यह उपलब्धि स्थानीय सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आज़ाद के सतत प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है।

बीते महीने सांसद आज़ाद ने इस सड़क के उन्नयन को लेकर पथ निर्माण विभाग को औपचारिक रूप से मांग पत्र सौंपा था। इसके बाद विभाग के अपर मुख्य सचिव ने क्षेत्रीय मुख्य अभियंता सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर इस प्रस्ताव पर विचार किया। बैठक में राज्य भर के 40 वृहद जिला पथों को राज्य उच्च पथ में उन्नत करने पर सहमति बनी। किशनगंज-ठाकुरगंज सड़क को इस सूची में 19वें स्थान पर शामिल किया गया है।

सांसद डॉ. जावेद आजाद ने बताया कि वे काफी समय से इस सड़क को स्टेट हाईवे का दर्जा दिलाने के लिए प्रयासरत थे। अब इस सड़क के रख-रखाव और चौड़ीकरण के लिए अधिक संसाधन और बजट उपलब्ध हो सकेगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सड़क के स्टेट हाईवे में बदलने से स्थानीय व्यापार, कृषि परिवहन और सामाजिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

इसके अलावा क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस फैसले के बाद जिले में हर्ष का माहौल है।

लोगों को उम्मीद है कि इस पहल से क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

मैं भाजपा से बदला जरूर लूंगा, इस बार चार नहीं 40 विधायक बनाएगी हमारी वीआईपी : मुकेश सहनी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में पक्ष और विपक्ष के बीच घमासान जारी है। एक दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने भारतीय जनता पार्टी पर तेजस्वी यादव पर जानलेवा हमला करवाने का आरोप लगाया था। अब विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी पर बड़ा आरोप लगा दिया और बदला लेने की बात कही।

कहा कि भाजपा से मैं बदला जरूर लूंगा। हमलोग वर्षों से गुलाम थे। कभी बिहार में हमलोगों का वजूद नहीं था। हमलोग राज्य में मेहनत करके सरकार में आए, जनता के लिए काम किया। हमारे पास चार विधायक थे और हम जनसेवा कर रहे थे। ऐसे में भाजपा ने हमारे चार विधायकों तोड़ लिए और हमें सरकार से बाहर कर दिया। विधायकों को खरीदना लोकतंत्र में सही नहीं है।

सहनी ने कहा कि भाजपा एक गरीब मछुआरे के बेटे को राजनीति में नहीं देखना चाहती थी, इसलिए उन्हें रोकने की कोशिश की गई। भाजपा वालों को यह बर्दाश्त नहीं हुआ कि एक गरीब मछुआरे का बेटा राजनीति में आया।

हमने सरकार बनाने में सहयोग किया, लेकिन बाद में हमें ही बाहर कर दिया गया। सरकार हमारे समर्थन के बिना नहीं बन पाती। उन्होंने आरोप लगाया।

वीआईपी प्रमुख ने आगामी विधानसभा चुनाव में 40 उम्मीदवार उतारने की घोषणा करते हुए कहा कि वह सरकार बनाएंगे और जनता के कल्याण के लिए काम करेंगे। अब हमने संकल्प लिया है कि इस बार चार नहीं, 40 विधायक बनाएंगे और जैसे इन्होंने हमारे विधायक तोड़े, वैसे ही हम भी इनके विधायक तोड़कर सरकार बनाएंगे। हमारा नारा है कि सरकार बनाओ, अधिकार बनो। हम बिहार में भी और दिल्ली में भी संविधान के साथ रहकर जनता के हक के लिए काम करेंगे।बताा दें कि 2022 में विकासशील इंसान ने भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया था। उस समय सहनी बिहार विधान परिषद के सदस्य और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट में मत्स्य पालन मंत्री थे।

चुनाव से पहले राजद के प्रकोष्ठों का गठन

लालू प्रसाद ने पूर्व मंत्रियों और सांसदों को बनाया अध्यक्ष

पटना (एजेंसियां)।

बिहार चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल ने विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने इन सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों और सदस्यों का मनोनयन कर दिया है। खास बात यह है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे और बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह को किसान प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। राजद के प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बताया कि लालू प्रसाद ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांति सिंह को महिला प्रकोष्ठ, सांसद अभय कुशवाहा को युवा प्रकोष्ठ, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अली अशरफ फ़ातमी को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, सांसद सुधाकर सिंह को किसान प्रकोष्ठ एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर प्रो. नवल किशोर को छात्र प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है।

मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट तैयार, 29 जुलाई को होगा उद्घाटन

15 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 29 जुलाई को राज्यवासियों को एक बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। वैशाली जिले में विकसित 'बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप' पूरी तरह बनकर तैयार हो चुका है। भवन निर्माण विभाग द्वारा निर्मित यह परियोजना मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। इस स्मारक का निर्माण 550.48 करोड़ रुपये की लागत से 72 एकड़ क्षेत्र में किया गया है, जो वैशाली जिले से लेकर मुजफ्फरपुर तक फैला हुआ है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। उनके साथ राज्य सरकार के कई मंत्री, उपमुख्यमंत्री और बौद्ध धर्म से जुड़े 15 देशों के प्रतिनिधि भी समारोह में शामिल होंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में चीन, जापान, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल, तिब्बत, म्यांमार, भूटान, वियतनाम, मलेशिया, लाओस, कंबोडिया, मंगोलिया, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे बौद्ध देशों के भिक्षु और गणमान्य अतिथियों की सहभागिता संभावित है। इस ऐतिहासिक स्तूप को वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र बनाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यह स्मारक स्थल ऐतिहासिक पुष्करणी तालाब और प्राचीन मृद स्तूप के समीप स्थित है। संग्रहालय के प्रथम तल पर भगवान बुद्ध का पावन अस्थि कलश स्थापित किया जाएगा, जो वर्ष 1958-62 के दौरान की गई पुरातात्विक खुदाई में प्राप्त हुआ था। यही स्तूप परिसर का प्रमुख केंद्र बिंदु होगा। पूरे स्तूप का निर्माण वंशी पहाड़पुर (राजस्थान) से लाए गए 42,373 बलुआ पत्थरों से किया गया है। इन्हें टंग एंड ग्रूव तकनीक के माध्यम से जोड़ा गया है। यह संरचना आधुनिक भूकंपरोधी तकनीक से सुसज्जित है, जो इसे दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com